ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्र सरकार बेरोजगारी और मूल्य वृद्धि के बारे में बात नहीं करती: सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-106

रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत की किताब से हुआ बड़ा खुलासा

जम्मू कश्मीर से 370 हटाने के पक्ष में थे फारूक अब्दुल्ला

भारत की शीर्ष खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख एएस दुलत की किताब द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई ने बड़ा खुलासा किया है। एएस दुलत ने लिखा है कि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला गुप्त तौर पर 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने के मोदी सरकार के फैसले के समर्थन में थे। उन्होंने इसे जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पास करवाने में मदद करवाने की भी बात कही थी।

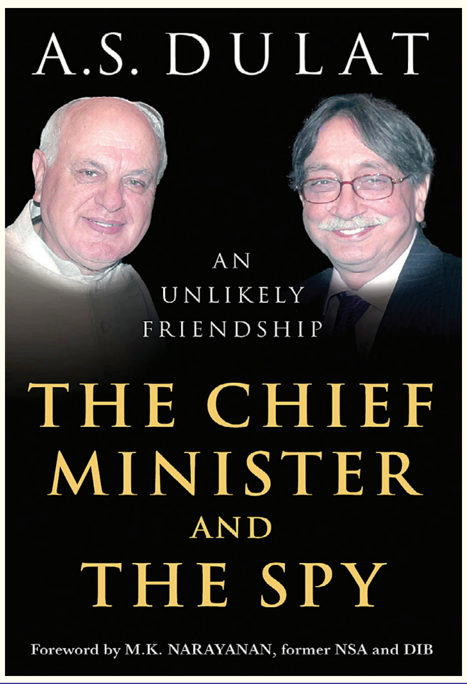

रॉ के पूर्व प्रमुख द्वारा अपनी नई किताब में यह सनसनीखेज दावा किए जाने से देशभर में खलबली मच गई है। उन्होंने लिखा है कि जब 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी कर दिया था, तब उसके बाद फारूक अब्दुल्ला ने उनसे बात की थी। फारूक अब्दुला तब कई कश्मीरी नेताओं के साथ नजरबंद किए गए थे। दुलत ने किताब में बताया, अब्दुल्ला ने कहा कि शायद नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी इस प्रस्ताव को पारित करवा सकती थी। जब मैं 2020 में उनसे मिला तो उन्होंने मुझसे कहा कि हम मदद करते लेकिन हमें विश्वास में क्यों नहीं लिया गया?

दुलत ने अपनी किताब में बताया है कि जम्मू-कश्मीर को लेकर फैसला लिए जाने के बाद 2020 में केंद्र सरकार ने उन्हें फारूक अब्दुल्ला से बातचीत करने भेजा था। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने उनसे फारूक अब्दुल्ला को इस बात के लिए मनाने को कहा था कि वह नजरबंदी से बाहर आने पर यह मुद्दा न उठाएं और पाकिस्तान का राग भी न अलापें। एएस दुलत ने यह भी दावा किया कि केंद्र सरकार ने फारूक अब्दुल्ला से यह भी बताने को कहा था कि वह मीडिया से इस मुद्दे पर बात भी नहीं करेंगे। खुफिया एजेंसी के पूर्व प्रमुख ने दावा किया है कि अब्दुल्ला ने यह बात मान ली थी और कहा था कि वह सिर्फ संसद में यह मुद्दा उठाएंगे और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करेंगे।

अब्दुल्ला के अनुच्छेद 370 हटाने के समर्थन को लेकर अब श्रीनगर से लेकर दिल्ली तक हलचल मची हुई है। विश्वसनीयता खोने के डर से फारूक अब्दुल्ला ने एएस दुलत की किताब में किए गए दावों को नकार दिया है। उन्होंने इसको लेकर सफाई दी है। फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से बात करते हुए कहा, दुलत साहब ने जो किताब लिखी है, उसमें इतनी गलतियां हैं कि मैं बयान नहीं कर सकता। अफसोस है कि अगर

अब्दुल्ला ने कहा था : 370 हटाने में हम मदद करते पूछा तो होता

वह मुझे अपना दोस्त कहते हैं तो दोस्त ऐसा नहीं लिख सकता। अगर हमने अनुच्छेद 370 को धोखा देना होता तो इसके खिलाफ हम विधानसभा में प्रस्ताव क्यों पास करते? उन्होंने दुलत की किताब के उस दावे को भी नकार दिया जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के भाजपा के साथ गठबंधन की संभावना की बात कही गई है। फारूक अब्दुल्ला की प्रतिक्रिया पर रॉ के पूर्व प्रमुख एवं किताब के लेखक एएस दुलत ने कहा, फारूक अब्दुल्ला को इस पर गुस्सा होने के बजाय किताब पढ़नी चाहिए। किताब में उनकी तारीफ ही लिखी गई है।

उल्लेखनीय है कि 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने बाहरी तौर पर विरोध जताया था धोखा करार दिया था। एएस दुलत की किताब ने अब फारूक अब्दुल्ला के सार्वजनिक स्टैंड से उलट उनके असली स्टैंड को सार्वजनिक कर दिया है। दुलत के इस दावे के बाद फारूक अब्दुल्ला और उनकी पार्टी सवालों के घेरे में है। इससे पहले भी नेशनल कॉन्फ्रेंस और अब्दुल्ला परिवार पर आरोप लगता रहा है कि वह कश्मीर में सत्ता चलाने के लिए केंद्र के साथ गुपचुप समझौते में कर चुके हैं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सार्वजनिक मंचों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ़ को लेकर भी यही बातें कही गई हैं। इस आलोक में रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत की किताब ने और कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के गैर-संवैधानिक आचरण पर उपराष्ट्रपति नाराज

सुपर संसद न बने सुप्रीम कोर्ट : धनखड़

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

देश को अराजकता की दिशा में धकेलने के एजेंडे में सुप्रीम कोर्ट भी शामिल हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के बहाने गैर-संवैधानिक आचरण की शुरुआत की और राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति तक के आसन पर उंगली उठाने की अवमानना करने से परहेज नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट से सृजित अराजकता का नतीजा यह निकला कि तमिलनाडु सरकार ने राज्यपाल का अनुमोदन लिए बगैर ही 10 विधेयक अपनी मर्जी से पास कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने इसके बाद शीर्ष विधायी पीठ संसद से पारित वक्फ कानून को लेकर भी सुनवाई शुरू कर दी है। यह कानून लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से पारित है, इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट इसमें कूद पड़ी है। मंशा स्पष्ट है, देश में न्यायिक अराजकता पैदा करना और देश को अस्थिरता में झोंक देना। सुप्रीम कोर्ट के ऐसे गैर-संवैधानिक और अमर्यादित आचरण के खिलाफ देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कड़ी निंदा की है और सुप्रीम कोर्ट को हिदायत दी है कि वह सुपर संसद बनने की कोशिश न करे। उन्होंने कहा, दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर पर बड़ी तादाद में नकद रुपए पाए जाने के मामले में तो सुप्रीम कोर्ट ने कोई कार्रवाई नहीं की और राष्ट्रपति के आसन पर उंगली उठाने लगे! उपराष्ट्रपति ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के इस आचरण से देश के लोगों के दिल पर गहरी चोट पहुंची है।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों द्वारा पारित किए गए अधिनियमों पर हस्ताक्षर को लेकर राज्यपालों और यहां तक कि देश के राष्ट्रपति तक के लिए भी समयसीमा तय कर दी। दूसरी तरफ वक्फ संशोधन कानून पर भी सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी। सुप्रीम कोर्ट के हर मामले की न्यायिक समीक्षा वाले खतरनाक गैर लोकतांत्रिक और गैर संवैधानिक चलन

जज के घर कैश पर कोई कार्रवाई नहीं, राष्ट्रपति को देने चले आदेश

संसद से पारित हुए वक्फ कानून पर कर रहे गैर-संवैधानिक सुनवाई

के बीच उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को अपने अधिकारों की याद दिलाई है। उन्होंने न्यायपालिका की कमजोर होती साख को लेकर भी कड़ी टिप्पणी की है। जगदीप धनखड़ खुद कानूनविद हैं और लंबे समय तक अधिवक्ता रहे हैं।

उप-राष्ट्रपति ने 14-15 मार्च की रात को नई दिल्ली में एक जज के यहां आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में कैश बरामद होने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक सप्ताह तक इसके बारे में किसी को कुछ पता ही नहीं चला। उन्होंने पूछा कि क्या इस देरी का कारण समझा जा सकता है, क्या ये माफी योग्य है, क्या इससे कुछ बुनियादी सवाल नहीं उठते? उन्होंने कहा कि किसी भी समय परिस्थिति में या फिर कानून के नियमों के हिसाब से स्थिति कुछ और होती। उन्होंने याद दिलाया कि 21 मार्च को अखबार के माध्यम से जनता को इस घटना का पता चला। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब इस घटना का पता चला तब लोग अनिश्चितता के भाव में थे, इस खुलासे से चिंतित और परेशान थे। कुछ दिनों बाद हमें एक आधिकारिक स्रोत (सुप्रीम कोर्ट) की तरफ से इनपुट आया। उन्होंने कटाक्ष किया कि इस इनपुट से जज के दोषी होने का संकेत मिला, लेकिन यह संदेह नहीं हुआ कि कुछ गड़बड़ है या फिर जांच की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि एक ऐसी संस्था कटघरे में है जिसे वो सर्वोच्च सम्मान व आदर के साथ देखते आ रहे हैं।

जगदीप धनखड़ ने कहा कि अबतक एक महीने का समय हो चुका है, लेकिन कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि भले ही ये कीड़ों से भरा डब्बा हो या फिर अलमारी में कंकाल भरे हुए हों, इसे उड़ाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि डब्बे का ढक्कन हटाने का समय आ गया है, अलमारी को ध्वस्त करने का समय आ गया है ताकि ये कीड़े और कंकाल कम से कम सार्वजनिक परिदृश्य में तो आएं और इनकी सफाई हो सके। जगदीप धनखड़ के इस बयान को न्यायपालिका की गिरती शुचिता को लेकर चिंता जताने का ▶10 पर

वक्फ कानून पर फिलहाल रोक नहीं, 5 मई को फिर होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ (संशोधन) कानून 2025 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने आज भी सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने अंतरिम आदेश पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात

दिन का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार ने कोर्ट को भरोसा दिया कि अगली सुनवाई तक वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में गैर-मुस्लिम सदस्य नियुक्त नहीं किए जाएंगे। इसके साथ ही नोटिफिकेशन या रजिस्ट्रेशन के जरिए घोषित वक्फ सम्पत्तियां, जिनमें वक्फ बाई यूजर भी शामिल हैं, डी-नोटिफाई नहीं होंगी, यानी मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के इस बयान को रिकॉर्ड पर लिया और अगली सुनवाई 5 मई 2025 को दोपहर 2 बजे तय कर दी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी मजबूत

रूस के बाद फ्रांस भी भारत के पक्ष में

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

यह भारत की कूटनीतिक दक्षता ही मानी जाएगी कि एक बाद एक विश्व के अनेक शक्तिशाली देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता दिए जाने की वकालत कर रहे हैं। सुरक्षा परिषद के पी-5 देशों में से बस चीन ही एक ऐसा देश है जो वैसे तो भारत से एक बार फिर निकटता बढ़ाने की आतुरता दिखा रहा है लेकिन दूसरी तरफ सुरक्षा परिषद में भारत के शामिल होने की राह में रोड़े अटका रहा है। बीते दो दिन में रूस और फ्रांस द्वारा क्रमश: उस अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मंच पर भारत के होने के महत्व को रेखांकित करते हुए मजबूत वकालत की गई है। फ्रांस सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य है, लिहाजा सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता का समर्थन करना काफी अहमियत रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने उद्बोधन में सुरक्षा परिषद के विस्तार को समय की मांग बताया था।

भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्यता दिलाने के लिए विशेषज्ञ फ्रांस और रूस के समर्थन को एक महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं। फ्रांस ने सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा को पत्र लिखा है। इससे ठीक पहले रूस ने भी भारत की स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन व्यक्त किया था। दोनों प्रमुख देशों व अन्य देशों का समर्थन भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करने और यूएनएससी में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से यूएनएससी में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। भारत का तर्क है कि वर्तमान सुरक्षा परिषद 1945 में स्थापित की गई थी और यह 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती। भारत का कहना है कि वह एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है और उसकी स्थायी सदस्यता से सुरक्षा परिषद अधिक प्रभावी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनेगी।

फ्रांस और रूस जैसे देशों का समर्थन भारत की दावेदारी को मजबूती प्रदान करता है। इसके अलावा, अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम भी भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करते आए हैं। यह समर्थन भारत की बढ़ती आर्थिक और राजनीतिक ताकत को मान्यता देता है। चीन भारत की स्थायी सदस्यता के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा है। चीन ने हमेशा भारत की दावेदारी का विरोध किया है। वह अब भी सुरक्षा परिषद में सुधार के किसी भी प्रस्ताव को रोकने के लिए अपने वीटो का उपयोग कर सकता है। स्पष्ट रूप से चीन का यह विरोध मुख्य रूप से भारत और चीन के बीच सीमा विवाद और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा की वजह से है। भारत को ब्राजील, जर्मनी और जापान जैसे जी-4 देशों का समर्थन प्राप्त है, जो यूएनएससी में सुधार और स्थायी सदस्यता के विस्तार की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा, अफ्रीकी देशों को भी स्थायी सदस्यता देने की मांग की जा रही है, जिससे सुरक्षा परिषद अधिक समावेशी बन सके। भारत खुद इस बारे में अनेक बार अपना मत व्यक्त कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने उद्बोधन में इस ओर संकेत करते हुए इसे समय की मांग बताया था। यूएनएससी में सुधार के लिए व्यापक सहमति की आवश्यकता है, जो वर्तमान भू राजनीतिक परिदृश्य में आसान नहीं दिखती। चीन और रूस जैसे देशों के साथ पश्चिमी देशों की प्रतिस्पर्धा और सतत तनाव इस प्रक्रिया को और जटिल बना देते हैं। सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की संभावना बढ़ रही है, लेकिन यह पूरी तरह से ▶10 पर

राहुल गांधी फिर जाएंगे अमेरिका

भारत विरोधी आकाओं से लेंगे ज्ञान

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी फिर अमेरिका जाने वाले हैं। हर बार की तरह इस बार भी किसी विश्वविद्यालय में उनका भाषण आयोजित है। भाषण देने के बहाने राहुल गांधी हर बार अमेरिका जाकर भारत विरोधी आकाओं से ज्ञान लेकर आते हैं और उसे देश पर उड़ेलते हैं। अमेरिका की उनकी संदेहास्पद यात्राओं के बारे में देश के लोगों को पता है। भारत विरोधी अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस से लेकर डोनाल्ड लू और ऐसे तमाम तत्वों से राहुल गांधी की निकटता अब कोई छुपी हुई बात नहीं रह गई है। देश अभी जिस तरह की न्यायिक, राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक अराजकता में धकेला जा रहा है, उस समय राहुल गांधी का अमेरिका जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है और उस पर सतर्क निगाह रखे जाने की आवश्यकता है। इससे पहले पिछले साल सितंबर में भी कांग्रेस सांसद राहुल ▶10 पर

कई संगीन मामलों में फंसे हैं राहुल, सोनिया, प्रियंका और रॉबर्ड

कानून के सख्त शिकंजे में गांधी परिवार

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोपपत्र में इन पर एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) के अंतर्गत आने वाली 2000 करोड़ रुपए की सम्पत्ति हड़पने का आरोप है। सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से भी ईडी जमीन के लेनदेन से जुड़े मामले में पूछताछ कर रही है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी पर कुल मिलाकर 20 से ज्यादा केस दर्ज हैं, जिन पर कार्रवाई अलग-अलग चरण में जारी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 2024 को लोकसभा चुनाव में दिए गए चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उन पर कुल 18 मामले दर्ज हैं। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भी दो अन्य मामलों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई हैं। यानी उनके ऊपर चल रहे मामलों की संख्या 20 के ऊपर पहुंच गई है। राहुल गांधी पर जिन मामलों में केस दर्ज हुए हैं, उनमें पॉक्सो एक्स से लेकर मानहानि तक की धाराओं में मामले दर्ज हैं। राहुल गांधी पर मानहानि के मामलों में कर्नाटक से लेकर उत्तर प्रदेश तक मामले दर्ज हैं। इनमें से एक मामले में वे दोषी भी करार दिए जा चुके हैं। वहीं, बाकी 14 मामले कोर्ट में अलग-अलग दौर में हैं। वर्ष 2014 में महात्मा गांधी की हत्या के तार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जोड़ने के राहुल गांधी के वक्तव्य पर संघ कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने शिकायत दर्ज कराई थी। राहुल गांधी ने भाषण में महात्मा गांधी की हत्या का आरोप आरएसएस पर लगाया था, ▶10 पर

वक्फ कानून के बहाने बंगाल में कराई जा रहे दंगे

ममता ने मुसलमानों से कहा दिल्ली जाकर करो

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून का विरोध करने के बहाने राज्य-प्रायोजित हिंदू विरोधी दंगे कराए जा रहे हैं और मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासी रोटियां सेंकी जा रही हैं। इस षडयंत्र के तार केवल ममता बनर्जी ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर नजर दौड़ाएं तो इसमें सुप्रीम कोर्ट से लेकर कई राजनीतिक दल और प्रतिष्ठान सब जुड़े नजर आएंगे। हिंदू विरोधी दंगे की आग में झुलस रहे पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मुसलमानों को भड़काया है और कहा है कि वे जो कुछ कर रहे हैं वह दिल्ली में जाकर करें।

ममता बनर्जी ने मुसलमानों से कहा कि अगर वक्फ कानून का विरोध करना है तो बंगाल में नहीं, दिल्ली में जाकर करें। उन्होंने कहा, यहां मैं हूं, आप शांत रहें। बी कूल एंड पीसफुल। विरोध करना है तो दिल्ली जाइए ट्रेन से, प्लेन से। ममता बनर्जी ने मुसलमानों को यह आश्वस्त भी किया कि वक्फ ▶10 पर

कर्नाटक स्वाध्याय संघ द्वारा आयोजित दस दिवसीय संस्कार शिविर सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ बेंगलूरु द्वारा आयोजित और राजाजीनगर श्री संघ के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय बाल संस्कार शिविर का समापन समारोह संपन्न हुआ।

विभिन्न उपनगरों के अंतर्गत राजाजीनगर, श्रीरामपुरम, यशवंतपुर, विजयनगर, जयनगर, शांतिनगर, मल्लेश्वरम, त्यागराजनगर, शूले, पार्क वेस्ट, फ्रेजर टाउन, चामराजपेट, हनुमंतनगर, ईटा गार्डन, अलसूर, अक्कीपेट, शोभा इन्द्रप्रस्थ सहित 19 क्षेत्रों में एक साथ आयोजित दस दिवसीय शिविरों में चार वर्ष से बीस वर्ष के 1200 से अधिक बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। राजाजीनगर संघ के तत्वावधान में 130 शिविरार्थियों ने भाग लिया। शिविर में जैन धर्म एवं दर्शन तथा जीवन निर्माण का प्रशिक्षण कराया गया एवं 125 अध्यापकों ने शैक्षणिक दायित्व निभाया। सभी शिविरार्थियों एवं सेवा देने वाले अध्यापकों को स्वाध्याय संघ की ओर से सम्मानित किया गया। शिविर आयोजन में स्थानीय संघ तथा स्थानीय महावीर जैन पाठशाला, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल आदि का पूर्ण सहयोग रहा। स्वाध्याय संघ की ओर से पूर्ण उपस्थिति वालों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। अध्यापकों का सम्मान स्वाध्याय संघ की ओर से किया गया। स्वाध्याय संघ के वरिष्ठ स्वाध्यायी सदस्यों ने बच्चों के अध्ययन एवं विकास का मूल्यांकन किया। समापन समारोह में बालिक-बालिकाओं ने शिविर के प्रति विचार प्रस्तुत करते हुए शिविर की उपयोगिता का महत्व बताया। इस अवसर पर कर्नाटक स्वाध्याय संघ से संयोजक शांतिलाल बोहरा, देवीचंद सुराणा, संजय खीवेंसरा व अन्य अध्यापक अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

शांतिलाल बोहरा, प्रकाशचंद चाणोदिया, नेमीचंद दलाल ने अपने विचार रखे। पाठशाला समिति से दिनेश खींचा, विक्रम बाबेल का भी सहयोग रहा। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, किशोरकुमार दलाल, पारसमल भलगट, मदनलाल गांधी, महिला मंडल से सुशीलाबाई बोहरा, रेखा पोखरना, अमृता भलगट, नीतू लुंकड़, नीतू सुराणा व अन्य उपस्थित रहे। सरिता कोठारी ने संचालन किया।

प्रथम जूनियर सीपीएस कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा आयोजित कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग के अंतर्गत देशभर की प्रथम जूनियर सी पी एस कार्यशाला का आयोजन बुधवार को जैन सम्यक ज्ञान प्रचारक मण्डल, प्रबंधक श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक), बेंगलूरू, सेठ चम्पालाल झणकारबाई डुंगरवाल जैन भवन चंद्रा लेआउट में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के मंगल मंत्रोच्चार से हुई। तेयुप टीम ने विजय गीत का संगान किया। अभातेयुप के सी पी एस के राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने अपने स्वागत वक्तव्य में बचपन से ही वक्तव्य कला के विकास हेतु नए आयाम को आज की जरूरत बताते हुए सहभागियों से पूरा लाभ उठाने की अपील की। शाखा प्रभारी रोहित कोठारी ने अभातेयुप के अनेक आयामों को विजयनगर से शुरुआत होने की परंपरा का निर्वहन हेतु परिषद् परिवार को बधाई दी। राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी ने सी पी एस जूनियर के विशिष्ट प्रथम आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए, इस प्रशिक्षण को जीवन विकास एवं आत्म विश्वास बढ़ाने का माध्यम बताया। इस अवसर पर सी पी एस मुख्य प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत, राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, परिषद् प्रभारी रोहित कोठारी, ट्रेनर डिम्पल सियाल, परिषद् अध्यक्ष कमलेश चोपडा, उपाध्यक्ष विकास बाँठिया, मंत्री संजय भटेवरा, सहमंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, प्रायोजक अशोक मारु, संयोजक विनीत गाँधी सहित परिषद् परिवार की उपस्थिति रही।

बच्चों के लिए आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर द्वारा आयोजित बच्चों के लिए धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन हुआ। महावीर भवन में, संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा की अध्यक्षता में आयोजित समापन समारोह में स्वाध्याई गौतमचंद मकाना मुख्य अतिथि थे। शिविरार्थियों के मंगलाचरण के पश्चात अनेक बच्चों ने शिविर में सीखे ज्ञान की झलक प्रस्तुत की और कुछ बच्चों ने इस शिविर को ग्रीष्मावकाश का श्रेष्ठ आयोजन बताते हुए अध्यापकों और स्वाध्याय संघ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। शिविर अध्यापिका राजेश्वरी तातेड़ ने रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस शिविर में 90 बच्चों ने 10 दिन तक धार्मिक ज्ञान सिखा और 9 जनो ने अध्यापन सेवाएं दी। अलसूर संघ की ओर से मंत्री अभय कुमार बांठिया ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि स्वाध्याय संघ निरंतर ज्ञान मार्ग में सेवा कर रहा है। शिविर में बच्चों के अनुशासन को देखते हुए अध्यापकों को प्रेरणा दी कि वे तीन तीन बच्चों को ज्ञानार्जन कराने गोद ले और इन बच्चों को ज्ञान के साथ साथ धार्मिक संस्कार व व्यवहारिक ज्ञान भी सिखाएं, ताकि ऐसे बच्चों का समग्र विकास हो सके। मुख्य अतिथि गौतमचंद मकाना ने शिविर की सफल समाप्ति पर बच्चों को लगातार ज्ञान सीखते रहने की प्रेरणा दी और स्वाध्याय संघ की गतिविधियों से जुड़ने की प्रेरणा की। आशा बोहरा, सूरज बाई छाजेड़, राजू बाई बोहरा, सिमरन, मधु मकाना, राजेश्वरी तातेड, सुमित्रा सांखला, मंजू लोढ़ा एवं किरण बाई गादिया ने अध्यापन सेवा दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा के मंगलपाठ के साथ समारोह संपन्न हुआ।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा जेबीएन सिनर्जी का भव्य लॉन्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के आईटीसी विंडसर मैनर होटल में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा जेबीएन सिनर्जी का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के जाप और दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए बताया कि जेबीएन केवल व्यवसायिक प्लेटफार्म नहीं है, बल्कि यह नेटवर्किंग बढ़ाने एवं जैन समाज के परिवारों को आपस में जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि दुनिया के किसी भी कोने से किसी व्यापार से जुड़ी जानकारी चाहिए, तो जेबीएन पर एक संदेश भेजने मात्र से चंद मिनटों में पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जीतो नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी ने जेबीएन को एक ऐसा मंच बताया,

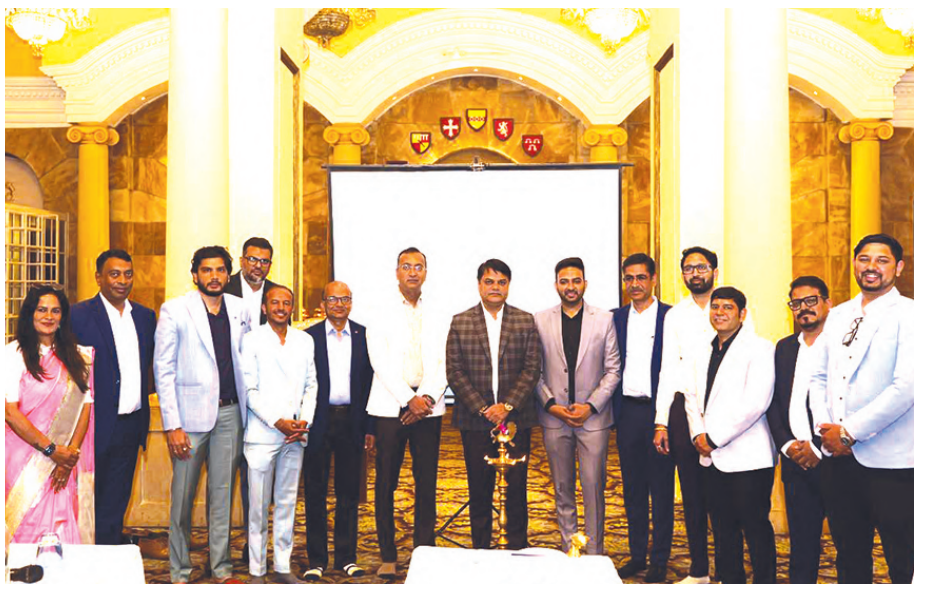

जहाँ जैन समाज के लोग एक-दूसरे के साथ व्यवसायिक सहयोग कर सकते हैं। इस मंच के माध्यम से व्यापारी एक-दूसरे के व्यापार को समझते हैं और नए अवसरों की खोज करते हैं। जीतो एपेक्स के मंत्री श्रीश्रीपाल बच्छावत ले बताया कि जेबीएन ना सिर्फ जीतो में आने का प्रवेश द्वार है बल्कि व्यक्तित्व निखारने वाली शाखा है।

जेबीएन के चेयरमैन कैलाश ने बताया कि यह मंच विशेष रूप से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है, जहाँ सदस्य अपने व्यवसाय का प्रचार-प्रसार कर सकते हैं। कार्यक्रम के कन्वीनर मदन ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम पूर्णतः व्यवसायिक चर्चा के लिए समर्पित है, और सभी को अपने व्यापार को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना चाहिए। को-कन्वीनर हर्ष चोरडिया ने व्यावसायिक नेटवर्किंग के तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला - पहला, अच्छा पहनावा, दूसरा, समय की पाबंदी और तीसरा, एक-दूसरे के व्यापार में रुचि लेना व प्रश्न पूछना। कार्यक्रम के दौरान जेबीएन की लीडरशिप टीम के तुषार एवं मनोज ने भी अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए और जेबीएन के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। जेबीएन की इस शाखा जेबीएन सिनर्जी के लीडरशिप टीम में निशांत जैन, विकेश शाह एवं विकास मेहता को मनोनीत किया गया। इस आयोजन में जेबीएन के मंत्री अजय जैन, सिद्धार्थ जैन, जीतो नॉर्थ के वाईस चेयरमैन दिनेश बाफना, नेमीचंद दलाल, मंत्री पंकज बालर, नितेश गांधी, राकेश पोखरणा एवं अरविंद टपरावत उपस्थित रहे। साथ ही जीतो साउथ से महामंत्री नितिन लूनिया, जेबीएन कन्वीनर विजय मेहता एवं ललित बागरेचा ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कलबुर्गी में सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का किया लोकार्पण

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कलबुर्गी में 216.53 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। इसके अलावा 6.20 करोड़ रुपये की लागत से किदवई कैंसर अस्पताल में ब्रेकीथैरेपी विकिरण उपचार इकाई का भी उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त 421.31 करोड़ की लागत के 8 विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार ने घोषणा की है कि हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और कैंसर अस्पताल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कलबुर्गी को मेडिकल हब बनाने की दिशा में डॉ. शरणप्रकाश पाटिल का काम सराहनीय है। इस वर्ष प्रस्तुत बजट में बागलकोट, मेंगलूरु और कोलार में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की गई है और इन्हें क्रियान्वित किया जाएगा।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता डॉ. मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कल्याण कर्नाटक के रायचूर में एम्स की स्थापना को मंजूरी देने के लिए केंद्र को पत्र लिख दिया है। उन्होंने कहा कि यदि इस क्षेत्र में एम्स की स्थापना होती है तो इससे न केवल कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के लोगों को लाभ होगा, बल्कि पड़ोसी महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र के लोगों को भी लाभ होगा। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कल्याण कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में उत्कृष्ट अस्पतालों का निर्माण करके स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक के जिलों के लोगों का कर्ज चुकाने के लिए काम किया जा रहा है। इससे पहले, चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल ने प्रस्तावना में बोलते हुए कहा कि यहां 8 कार्यों की आधारशिला रखी गई है और ये सभी एक-दो वर्षों में पूरे होकर जनता की सेवा में समर्पित कर दिए जाएंगे।

एमडीएमए बेचते हुए एक व्यक्ति पकड़ा गया, 1 लाख रुपये की ड्रग्स जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीसीबी पुलिस ने शहर के लालबाग इलाके में प्रतिबंधित दवा एमडीएमए बेचने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कूरियर के जरिए दवा खरीदी थी और शहर में इसे वितरित करने में शामिल था। पुष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कि प्रतिबंधित दवा एमडीएमए को दिल्ली से कूरियर के जरिए लाया जा रहा था और मेंगलूरु में लोगों और छात्रों को बेचा जा रहा था। सीसीबी पुलिस ने दवा के परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे एक दोपहिया वाहन का पता लगाया और इसमें शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मोहम्मद अशरफ अलंतदका (50) के रूप में हुई है, जो अलंतदका हाउस, मणिकरा पोस्ट, पेरुवाजे गांव, सुलिया का रहने वाला है।

पुलिस ने उसके कब्जे से 1 लाख रुपये मूल्य की 11 ग्राम प्रतिबंधित एमडीएमए, एक मोबाइल फोन और एक होंडा एक्टिवा स्कूटर जब्त किया, जिससे जब्त की गई वस्तुओं की कुल कीमत 1.6 लाख रुपये हो गई।

इस घटना के संबंध में बार्के पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने दिल्ली में एक दोस्त के माध्यम से एमडीएमए खरीदा था और कूरियर के माध्यम से अपने मूल सुलिया में इसे पहुंचाने की व्यवस्था की थी।

अवैध लाभ कमाने के इरादे से, उसने फिर अपने दोपहिया वाहन पर दवा को मेंगलूरु पहुँचाया, जहाँ वह कथित तौर पर इसे जनता और छात्रों को बेच रहा था। यह ड्रग भंडाफोड़ सीसीबी एसीपी मनोज कुमार नाइक के मार्गदर्शन में और पुलिस निरीक्षक रफीक के एम के नेतृत्व में किया गया, जिसमें पीएसआई सुदीप एम वी, शरणप्पा भंडारी, एएसआई मोहन के वी, राम और अन्य सीसीबी कर्मियों ने ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शादी से एक दिन पहले बोलर से दुल्हन लापता

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बोलर की रहने वाली पल्लवी (22) की सगाई उसके प्रेमी से तय थी और 16 अप्रैल को उसकी शादी होने वाली थी। लेकिन, पिछले दिन मेहंदी लगाने के लिए ब्यूटी पार्लर में अकेले जाने के बाद वह रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। होने वाला दूल्हा, जो पल्लवी के साथ खुशहाल शादीशुदा जीवन शुरू करने की उम्मीद कर रहा था, सदमे में है। पल्लवी की पूरी सहमति से सगाई हुई और 16 अप्रैल को शादी की तारीख तय की गई। 15 अप्रैल की दोपहर को उसने अपनी मां को बताया कि वह मेहंदी लगाने के लिए ब्यूटी पार्लर जा रही है और घर से अकेली निकल गई। लेकिन, वह वापस नहीं लौटी और तब से लापता है। सूत्रों ने बताया कि उसका मोबाइल फोन बंद है। मेंगलूरु दक्षिण पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई है। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

मरीजों ने कराया निशुल्क नेत्र ऑपरेशन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में शनिवार को लाभार्थी गवरी देवी कान सिंह सिया राजपुरोहित परिवार की ओर से आयोजित निशुल्क नेत्र जांच शिविर में चिकित्सकों के परामर्श के बाद नेत्र ऑपरेशन के लिए 55 लोगों को कोयम्बत्तूर स्थित अरविंद नेत्र चिकित्सालय भेजा गया। रोटरी के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि सभी मरीज नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन करा कर पुनः गुरुवार को सकुशल बन्नूर पहुंचे। लोगों ने लाभार्थी परिवार के माध्यम से जनहित में की जा रही सेवाओं की सराहना कर आभार जताया।*

मूल्य वृद्धि के खिलाफ सड़कों पर उतरी कांग्रेस

केंद्र सरकार बेरोजगारी और मूल्य वृद्धि के बारे में बात नहीं करती: सिद्धरामैया

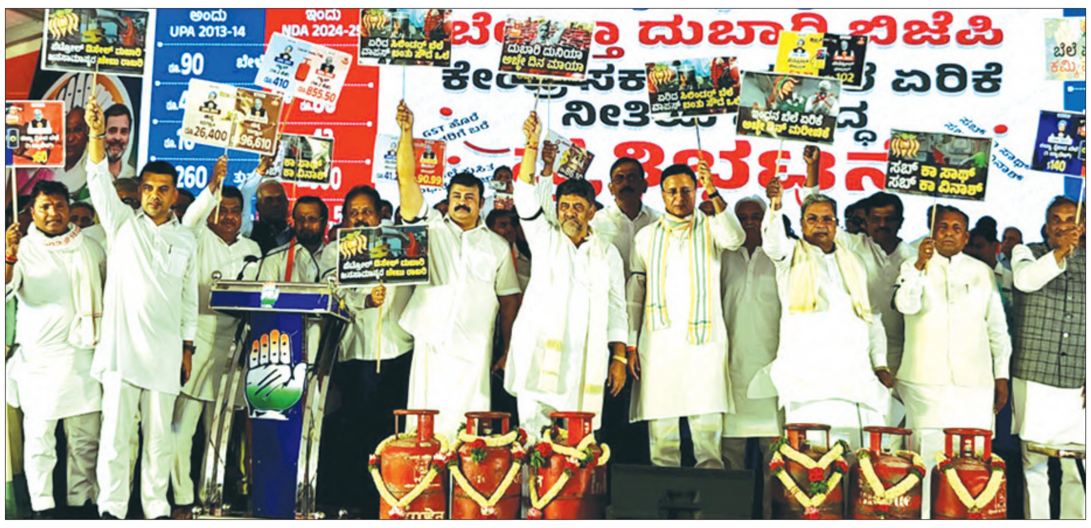

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस ने गुरुवार को शहर के फ्रीडम पार्क में विशाल राज्यस्तरीय विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केपी-सीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री एच.के. पाटिल, एच.सी. महादेवप्पा, कृष्णा बायरे गौड़ा, ईश्वर खंड्रे, रामलिंगा रेड्डी, चालुवरायस्वामी, बैरथी सुरेश, के.जे. जॉर्ज, के.एच. मुनियप्पा और कई अन्य मंत्रियों, विधायकों और कांग्रेस नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र की भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए उसे अनावश्यक रूप से महंगी कीमतों की सरकार बताया। विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि केंद्र सरकार बेरोज-गारी और मूल्य वृद्धि के बारे में बात नहीं करती है। प्रतिभाशाली व्यक्ति भी झूठ के माध्यम से लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा निकाली जा रही जनाक्रोश यात्रा से लोगों में गुस्सा है। कांग्रेस सरकार मूल्य वृद्धि से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पांच गारंटी दे रही है। भाजपा-जेडीएस ने जनहितैषी परियोजनाओं की आलोचना की। उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं पर इसके जरिए जनहितैषी कार्यक्रमों को बाधित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि भाजपा-जेडीएस पार्टियां कांग्रेस सरकार की जनहितैषी योजनाओं को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। इसके लिए वे हर दिन गलत सूचना फैला रहे हैं। लेकिन लोगों को वास्तविकता पता है। मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा कि जब से केंद्र में भाजपा सरकार आई है, तब से डीजल की कीमत 500 गुना और पेट्रोल की कीमत 250 गुना बढ़ गई है। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि रसोई गैस की कीमत 400 रुपये से बढ़कर 900 रुपये हो गई है।

उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि अमीरों पर कर कम किया जा रहा है और आम लोगों पर भारी कर लगाकर कीमतें बढ़ाई जा रही हैं। प्रदर्शन के दौरान दैनिक जरूरतों की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के खिलाफ नारे लगाए गए और कांग्रेसियों ने भाजपा द्वारा निकाली जा रही जनाक्रोश यात्रा का मजाक उड़ाया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय के आरोपपत्र की निंदा की गई। मंत्री के.के. जॉर्ज, के.एच. मुनियप्पा, रामलिंगा रेड्डी, डॉ. एम.सी. सुधाकर, राज्य महिला कांग्रेस अध्यक्ष सौम्या रेड्डी, एआईसीसी युवा शाखा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.वी. श्रीनिवास और अन्य ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। डी.के. शिवकुमार ने अपना विरोध जताने के लिए अपने कंधों पर एक सिलेंडर की प्रतिकृति रखी, जबकि मुख्यमंत्री ने एक विरोध पोस्टर दिखाया।

इन्फेंट्री रोड पर पेड़ गिरने से व्यक्ति घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेज हवाओं ने इन्फेंट्री रोड पर एक पेड़ को उखाड़ दिया, जिससे वहां से गुजर रहा एक व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हवा के कारण पेड़ पूरी तरह से उखड़ गया और फुटपाथ पर गिर गया। व्यक्ति के कंधे में चोट आई है और उसे बॉवरिंग अस्पताल ले जाया गया।

यातायात की आवाजाही कुछ समय के लिए प्रभावित हुई। शाखाओं को काटा गया और बाद में सड़क और फुटपाथ से हटा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, कई शिकायतों के बावजूद, बीबीएमपी ने पुराने पेड़ों की छंटाई या उन्हें काटने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। सड़क पर स्थित दुकानदारों ने शिकायत की कि इन्फेंट्री रोड पर कई शाखाएं अभी भी खतरनाक बनी हुई हैं, जिससे यात्रियों और पैदल चलने वालों को खतरा है। बीबीएमपी नियंत्रण कक्ष ने शहर भर में पेड़ गिरने की तीन घटनाओं और शाखाओं के गिरने की चार घटनाओं की सूचना दी। बेलंदूर में कुछ सड़कों पर बाढ़ की सूचना मिली।

दक्षिणी आंतरिक भागों में प्री-मानसून वर्षा जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में मानसून पूर्व बारिश जोरों पर है और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों के कई जिलों में बारिश जारी रहेगी। राज्य के अंदरूनी हिस्सों में एक द्रोणिका बनने के कारण आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे तथा छिटपुट बारिश हो सकती है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार शाम और रात के समय राज्य के अंदरूनी इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

कुछ स्थानों पर बिजली चमकने और गरज के साथ बारिश होने के संकेत हैं। बुधवार को राजधानी बेंगलूरु, रामनगर, बेंगलूरु ग्रामीण, चित्रदुर्ग, हावेरी, इलाकल और अनावत्ती सहित राज्य के अंदरूनी हिस्सों के कई हिस्सों में छिटपुट बारिश हुई। कुछ स्थानों पर बिजली चमकने और गरज के साथ बारिश हुई, जबकि अन्य स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। हालांकि, कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में गर्मी की तीव्रता बढ़ गई है और कलबुर्गी सहित उस क्षेत्र के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया है। दक्षिणी आंतरिक इलाकों में लगातार बारिश के कारण बेंगलूरु समेत कुछ स्थानों पर तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है और गर्मी में भी मौसम ठंडा है। अप्रैल माह में अब तक राज्य में सामान्य वर्षा हुई है। दक्षिणी आंतरिक, तटीय और पर्वतीय क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। ग्रीष्म ऋतु की बारिश छिटपुट रूप से हो रही है, अधिक मात्रा में नहीं। इससे वातावरण में उतार-चढ़ाव हो रहा है। मौसम विभाग ने तटीय क्षेत्रों, मलनाड और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में छिटपुट बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है।

कर्नाटक में कक्षा 1 की आयु सीमा अस्थायी रूप से घटाकर 5.5 वर्ष कर दी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अभिभावकों के लिए एक स्वागत योग्य कदम उठाते हुए, कर्नाटक सरकार ने राज्य शिक्षा नीति आयोग की सिफारिशों के बाद, वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए कक्षा 1 में प्रवेश के लिए आयु मानदंड में ढील दी है। आयु सीमा में ढील देने पर एक अस्थायी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, और अब स्कूल शिक्षा विभाग ने आधिकारिक तौर पर अपने निर्णय की घोषणा की है। संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, 5 वर्ष और 5 महीने की आयु वाले बच्चे अब कक्षा 1 में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। पहले, राज्य पाठ्यक्रम के अनुसार, कक्षा 1 में प्रवेश के लिए बच्चों की आयु 6 वर्ष पूरी करना अनिवार्य था। केवल एलकेजी और यूकेजी पूरी करने वाले बच्चों को ही कक्षा 1 में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, और उनकी आयु 5 वर्ष और 5 महीने होनी चाहिए। शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने स्पष्ट किया कि यह अभिभावकों के अनुरोध के कारण दी गई एक बार की छूट है और अगले शैक्षणिक वर्ष से लागू नहीं होगी। अगले वर्ष से, 6 वर्ष की आयु मानदंड को सख्ती से लागू किया जाएगा। नवंबर 2022 में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए कक्षा 1 में प्रवेश के लिए पात्र होने के लिए बच्चों को 1 जून 2025 तक 6 वर्ष की आयु पूरी करनी होगी। यह नियम प्रवेश चाहने वाले हजारों बच्चों के लिए एक बाधा बन गया था, जिससे कई अभिभावकों ने पहले के मानदंड के अनुरूप आयु सीमा में छूट की अपील की थी। नतीजतन, 5 साल और 5 महीने के बच्चे इस साल कक्षा 1 में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। साथ ही, एलकेजी में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 4 वर्ष निर्धारित की गई है। यह आयु छूट केवल राज्य पाठ्यक्रम का पालन करने वाले स्कूलों पर लागू होती है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास आईसीएसई या सीबीएसई बोर्ड पर यह नियम लागू करने का अधिकार नहीं है।

शोभा करंदलाजे ने सीएम से जाति जनगणना रिपोर्ट खारिज करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने मुख्यमंत्री से पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग द्वारा सरकार को सौंपी गई जाति जनगणना रिपोर्ट को लेकर व्यक्त की जा रही कई शंकाओं के मद्देनजर कैबिनेट की बैठक में लागू किए बिना इसे खारिज करने का आग्रह किया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को दो पृष्ठों का पत्र लिखने वाली शोभा करंदलाजे ने कांताराजू आयोग की देखरेख में तैयार की गई कर्नाटक जाति जनगणना रिपोर्ट पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि रिपोर्ट मूलतः त्रुटिपूर्ण है तथा राज्य की जनसांख्यिकीय वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने में विफल रही है।

आयोग के अनुसार, यह सर्वेक्षण 11 अप्रैल, 2015 से 30 मई, 2015 के बीच किया गया, जिसमें मात्र 50 दिनों की छोटी अवधि में 5.9 करोड़ की आबादी को शामिल किया गया। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि इससे प्रक्रिया की विश्वसनीयता और अखंडता पर गंभीर संदेह उत्पन्न होगा। सबसे उल्लेखनीय अंतर विभिन्न समुदायों के जनसंख्या आंकड़ों में है। उदाहरण के लिए, रिपोर्ट में कहा गया है कि वीरशैव लिंगायत की जनसंख्या केवल 30 मिलियन है, लेकिन विश्वसनीय अनुमानों के अनुसार यह संख्या 1.25 मिलियन से अधिक है। उन्होंने कहा कि इस तरह का कम प्रतिनिधित्व स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि डेटा संग्रहण वैज्ञानिक या व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था। यद्यपि अकेले चन्नगिरी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 60,000 सदारा लिंगायत रहते हैं, लेकिन रिपोर्ट में लिंगायत समुदाय के सदारा उप-संप्रदाय के अंतर्गत केवल 67,000 व्यक्तियों का ही उल्लेख है। ये विसंगतियां सर्वेक्षण के निष्कर्षों और जमीनी हकीकत के बीच विसंगति को उजागर करती हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि कर्नाटक में अनुसूचित जातियां सबसे बड़ा समुदाय है, जिनकी संख्या लगभग 1.1 करोड़ है और 109 उप-जातियां हैं, तथा मुस्लिम आबादी 12.6 प्रतिशत है। इसमें मुसलमानों की संख्या बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

शोभा ने इस कदम की आल-ोचना करते हुए कहा कि यह निष्पक्ष और समावेशी प्रतिनिधित्व पर आधारित होने के बजाय एक विशिष्ट वोट बैंक को खुश करने के उद्देश्य से किया गया है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने पुष्टि की है कि जाति जनगणना से राज्य के खजाने को 169 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। त्रुटियों और अशुद्धियों से भरे सर्वेक्षण पर इतना अधिक व्यय उसके उद्देश्य और उपयोगिता पर प्रश्न उठाता है। उन्होंने मांग की है कि सरकार जाति जनगणना से संबंधित पद्धतियों, अनुसंधान और लागत के बारे में स्पष्टीकरण देने वाला एक श्वेत पत्र जारी करे। कई धार्मिक और सामुदायिक नेताओं ने पहले ही इस रिपोर्ट पर असहमति व्यक्त की है। उन्होंने इसे अवैज्ञानिक, पक्षपातपूर्ण, अपूर्ण और पारदर्शिता से रहित बताया है। शोभा करंदलाजे ने रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा है कि यह सामाजिक न्याय की दिशा में कदम उठाने के बजाय राजनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ा रही है। यह दोहराना महत्व-पूर्ण है कि 1948 की जनगणना अधिनियम के तहत केवल केंद्र सरकार को ही पूर्ण पैमाने पर जाति जनगणना कराने का अधिकार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य सरकारें सर्वेक्षण करा सकती हैं, लेकिन इस अभ्यास को आधिकारिक जनगणना के रूप में प्रस्तुत करने का कोई भी प्रयास असंवैधानिक और अवैध है। इन चिंताओं के मद्देनजर, मैं राज्य सरकार से वर्तमान जाति जनगणना रिपोर्ट को अस्वीकार करने का पुरजोर आग्रह करती हूं। मैं अनुरोध करती हूं कि एक नया, वैज्ञानिक और निष्पक्ष सर्वेक्षण कराया जाए। यह नया सर्वेक्षण आधार से जुड़े नागरिक सत्यापन पर आधारित होना चाहिए तथा प्रत्येक व्यक्ति की सूचित सहमति से संचालित किया जाना चाहिए।

शादी के लिए धन जुटाने के दौरान हनीट्रैप में फंसा व्यक्ति

आत्महत्या का प्रयास

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक धर्मार्थ पहल ने उस समय दुखद मोड़ ले लिया जब बंटवाल का 28 वर्षीय व्यक्ति, जो एक गरीब महिला की शादी के लिए पैसे जुटा रहा था, कथित तौर पर हनीट्रैप और ब्लैकमेल का शिकार हो गया, और अंततः आत्महत्या का प्रयास किया।

पीड़ित अकबर सिद्दीकी, बदागाकाजेकरू गांव के पांडवरकाल्लू का निवासी है, वर्तमान में गंभीर हालत में है और मेंगलूरु के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अकबर मेंगलूरु की एक लड़की की शादी में सहयोग करने के लिए अल मदीना ट्रस्ट के बैनर तले दान एकत्र कर रहा था। 8 अप्रैल की रात को एक महिला ने दुल्हन की बहन होने का दावा करते हुए व्हाट्सऐप के जरिए उससे संपर्क किया। खुद को मिनाज के रूप में पेश करते हुए, उसने अधिक धन जुटाने में मदद करने की पेशकश की और उसके साथ चैट और वीडियो कॉल की एक श्रृंखला शुरू की। हालांकि, स्थिति तब और बिगड़ गई जब अगले दिन, आसिफ और रऊफ बेंगारे के रूप में पहचाने जाने वाले दो लोगों ने कथित तौर पर अकबर से संपर्क किया और धमकी दी। उन्होंने दावा किया कि उनके पास मीनाज के साथ उनकी बातचीत के स्क्रीनशॉट और रिकॉर्डिंग हैं और उन्होंने 3 लाख रुपये नकद और तीन सोने के सिक्के (लगभग 24 ग्राम) की मांग की।

साथ ही चेतावनी दी कि अगर उन्होंने 10 अप्रैल तक ऐसा नहीं किया तो सामग्री सोशल मीडिया पर लीक कर दी जाएगी। ब्लैकमेल से आहत अकबर ने कथित तौर पर 12 अप्रैल को जहर खा लिया। पुंजालकट्टे पुलिस स्टेशन में तीनों-आसिफ, रऊफ बेंगारे और मीनाज के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है।

सरकार शक्ति योजना के लाभार्थियों को स्मार्ट कार्ड जारी करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार महिलाओं के लिए राज्य कांग्रेस सरकार द्वारा क्रियान्वित शक्ति योजना को सरल बनाने के लिए कदम उठा रही है। जल्द ही लाभार्थियों को एसएअ-ारटी कार्ड वितरित किए जाएंगे। इससे महिलाओं को आधार कार्ड लेकर यात्रा करने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। राज्य में सार्वजनिक परिवहन बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं को अब केवल अपना एसएआरटी कार्ड दिखाना होगा और उन्हें अपना आधार कार्ड साथ ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। महिलाओं को अगले दो महीनों में निःशुल्क एसएआरटी कार्ड प्राप्त होंगे। बताया जा रहा है कि फाइल वित्त विभाग को भेज दी गई है और अब सिर्फ मंजूरी मिलना बाकी है। परिवहन विभाग भी निविदाएं आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। जो महिलाएं एसएआर टी कार्ड चाहती हैं, यानी अगर वे ग्राम वन या बेंगलूरु वन में आवेदन करती हैं, तो उन्हें एसएआर टी कार्ड मिलेगा। कार्ड अगले दो महीनों में उपलब्ध होगा।

सरकार द्वारा अलग से सार्ट कार्ड वितरित नहीं किये जायेंगे। यदि आप कार्ड के लिए आवेदन करते समय फर्जी आधार कार्ड का उपयोग करते हुए पकड़े जाते हैं, तो आपका आवेदन रद्द किया जा सकता है।

यह कार्ड जानकारी सहित एक मुद्रित दस्तावेज होगा। मासिक पास की तरह अलग से कोई पास जारी नहीं किया जाता। आवेदन जमा करने के तुरंत बाद दिया गया प्रिंटआउट ही एसएआरटी कार्ड माना जाता है। सेवा सिंधु वेबसाइट पर आवेदन प्रस्तुत करने की अनुमति है। राज्य में आधार कार्ड को दस्तावेज मानकर महिलाओं को एसएआरटी कार्ड जारी किए जा रहे हैं। कार्ड सर्विस सेंटर पर ही मुद्रित किया जाता है। कार्ड केवल राज्य के निवासियों को जारी किया जाता है। आधार कार्ड पर केवल कर्नाटक का ही पता होना चाहिए। कहा जा रहा है कि यदि आप शक्ति योजना का लाभ लेने के लिए अपने आधार कार्ड में पता बदलवाते हैं तो आपको कार्ड मिलने में संदेह है।

आप हिन्दुओं का अपमान क्यों कर रहे हो?

क्या आपने मुख्यमंत्री के तौर पर गरीबों, दलितों और किसानों के आंसू पोछने की कोशिश की: विजयेंद्र

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने गुरुवार को कहा कि सीएम सिद्धरामैया क्या आपने मुख्यमंत्री के तौर पर गरीबों, दलितों और किसानों के आंसू पोंछे हैं? क्या आपने विकास कार्य किया है?

यहां जनाक्रोश यात्रा के दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ लाठी का प्रदर्शन किया और बाद में पौधे को पानी भी दिया। बाद में एक जनसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जनाक्रोश यात्रा का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। प्रिय सिद्धरामैया, आपके मुख्यमंत्री बनने के बाद से किसानों की आत्महत्याएं बढ़ गई हैं। हिंदू लड़कियों के खिलाफ अपमान और लव जिहाद बढ़ गया है। गौहत्या बढ़ गई है। उन्होंने पूछा कि क्या लोग भविष्य में आपको इसके लिए याद रखेंगे? इससे पहले, येदियुरप्पा की भाजपा सरकार के दौरान, किसानों को अपने खेतों में ट्रांसफार्मर लगाने के लिए 25,000 रुपये का भुगतान करना पर्याप्त होता था। हालाँकि, किसानों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाने वाली सिद्धरामैया की सरकार के तहत यह राशि 2 लाख रुपये से 3 लाख रुपये के बीच है। सिद्धरामैया, जब आप पांच साल पहले मुख्यमंत्री थे तो आपने क्या हासिल किया? उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा क्या आपने अतीत में वीरशैव धर्म के नाम पर राज्य में आग नहीं लगाई थी? उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को इसके लिए आपको याद रखना चाहिए। आप मुसलमानों को सरकारी नौकरियों में 4 प्रतिशत आरक्षण दे रहे हैं। मुस्लिम लड़कियों को शादी के लिए 50 हजार रुपये दिए जाते हैं। क्या हिन्दुओं में कोई गरीब नहीं है? आपने कहा था कि अगर मुस्लिम युवा उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाएंगे तो आप उन्हें 30 लाख रुपये देंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या हिंदुओं में गरीब लोग नहीं हैं?

उन्होंने पूछा कि वे हिंदुओं का अपमान क्यों कर रहे हैं। राज्य में कोई लोकसभा या विधानसभा चुनाव नहीं है। हालाँकि, हमने एक सार्वजनिक आक्रोश मार्च का आयोजन किया है। कांग्रेस विकास कार्य और सर्वांगीण विकास का वादा करके सत्ता में आई थी। हालाँकि, सिद्धरामैया के नेतृत्व में एक जनविरोधी, किसान विरोधी, हिंदू विरोधी सरकार है। उन्होंने 50 से अधिक उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ाने के लिए सरकार की आलोचना की। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के 38 हजार करोड़ रुपये के धन का दुरुपयोग किया गया है।

उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण बढ़ गया है। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद जगदीश शेट्टर, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, सांसद पी.सी. गद्दीगौडर, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, राज्यसभा सदस्य नारायण के. भंडागे, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधान परिषद सदस्य हनुमंत निरानी, पी.एच. पुजारा, विधायक जगदीश गुडगांती, डोड्डनगौड़ा जी. पाटिल, रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक ए.एच. पाटिल नादहल्ली, भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव, बागलकोट जिला अध्यक्ष शांतागौड़ा पाटिल, प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष व पार्टी नेता उप-स्थित थे।

कुमारस्वामी ने सर्वेक्षण रिपोर्ट लीक की जांच की मांग की

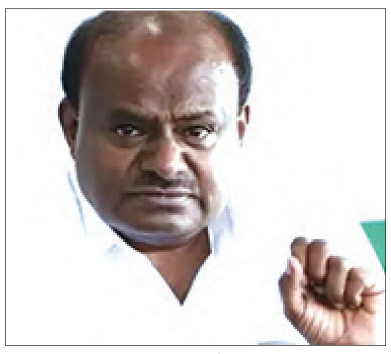

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से राज्य स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सरकार को सौंपी गई सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के लीक होने की तत्काल जांच करने का आग्रह किया है। उन्होंने इस संबंध में एक प्रेस बयान जारी कर पूछा क्या आयोग से कोई जानकारी लीक हुई थी? या फिर यह लीक कैबिनेट मंत्रियों के शामिल होने के बाद हुई? या फिर आपका गिरोह चतुर है? क्या आप कैबिनेट की बैठक में जांच के बारे में कोई निर्णय लेंगे? उन्होंने सिद्धरामैया पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें खुद ही यह बात कहनी चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सर्वेक्षण रिपोर्ट लीक होने के लिए आपकी सरकार जिम्मेदार है। इस लीक हुई रिपोर्ट को किसी भी कारण से कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा इसे पेश करके कैबिनेट की पवित्रता को धूमिल मत कीजिए। आपको शांतिपूर्ण राज्य में आग लगा दी है और जातियों में जहर के बीज बो दिए हैं। यह आपकी दुष्टता की पराकाष्ठा है। उन्होंने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया कि सभी राष्ट्रों के लिए शांति के बगीचे में जो पाप बोया गया है, उसे भुलाया नहीं जाएगा।

संदेह सच निकला। राज्य ने जाति जनगणना कराई। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह एक शैक्षिक और आर्थिक सर्वेक्षण था। सिद्धरामैया ने अब अपना रुख पलट दिया है। यह कोई जातिगत सर्वेक्षण नहीं है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि वे शैक्षिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण नामक एक नई सीटी बजा रहे हैं। तो फिर ये संख्याएं क्या हैं जो इधर-उधर तैर रही हैं, गिर रही हैं और सड़कों पर लुढ़क रही हैं? क्या लीक हुए आंकड़े और मुख्यमंत्री द्वारा उल्लिखित शैक्षिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े एक ही हैं? या नहीं? रिपोर्ट जारी होने से पहले उसे व्यवस्थित तरीके से किसने लीक किया? इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है? आप सड़क-स्तर के डेटा के साथ क्या करते हैं?

उल्लाल में युवती अर्धचेतन अवस्था में मिली

सामूहिक बलात्कार के प्रयास का संदेह

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उल्लाल पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में एक युवती अर्ध-चेतन अवस्था में मिली, उसके शरीर पर चोट के निशान थे। सामूहिक बलात्कार के प्रयास की आशंका जताते हुए उल्लाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता कथित तौर पर दूसरे राज्य की रहने वाली है, देर रात नशे की हालत में एक स्थानीय घर का दरवाजा खटखटाती हुई मिली। पानी मांगते समय वह वहीं गिर पड़ी। निवासियों ने तुरंत 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचित किया। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस ने युवती को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों के अनुसार, वह नशे की वजह से बोल नहीं पा रही थी और उसके शरीर पर कई चोटों के निशान थे।

बताया जा रहा है कि इलाके में एक सुनसान घर है और यह नशेड़ियों के लिए जाना जाता है जो देर रात अक्सर यहां आते हैं। घटना की रात कथित तौर पर चार लोगों का एक समूह वहां मौजूद था। हालांकि, जब युवती पड़ोसी के घर पहुंची तो वे कथित तौर पर मौके से भाग गए। पुलिस ने महिला से पूछताछ शुरू कर दी है, जिसका फिलहाल एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि, अर्धचेतन अवस्था के कारण उसने अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने घटनास्थल का दौरा किया है और जांच की निगरानी कर रहे हैं।

शिवकुमार द्वारा रखा गया टाइम बम नवंबर और दिसंबर में फट जाएगा: जगदीश शेट्टर

यह सरकार चली जाएगी

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद जगदीश शेट्टर ने गुरुवार को कहा कि मुडा घोटाला सिद्धरामैया को परेशान करने वाला है। डीके शिवकुमार द्वारा रखा गया टाइम बम नवंबर और दिसंबर में फट जाएगा और यह सरकार चली जाएगी।

बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और आसमान छूती कीमतों के कारण लोगों में गुस्सा है। लोगों ने सिद्धरामैया को घर भेजने और भाजपा को सत्ता में लाने का फैसला कर लिया है। यह एक ऐसी सरकार है जो सबको बांटती है। वोक्कालिगाओं और लिंगायतों को विभाजित कर दिया है। यदि हमारी सरकार न होती तो आंतरिक आरक्षण की घोषणा नहीं की जाती। हम आपसे इस बात पर नाराज हैं कि आपने यह दावा करके सत्ता हड़प ली है कि 40 प्रतिशत कमीशन सरकार का है। दलित सिद्धरामैया के झूठ के जाल में फंस गए हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल ने कहा यह एक भ्रष्ट और अविकसित सरकार है।

यह ऐसी सरकार है जो घोटालों और मूल्य वृद्धि से जनता पर बोझ डाल रही है। सिद्धरामैया वही हैं जिन्होंने बागलकोट, बीजापुर और उत्तर कर्नाटक के लोगों के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है। सिद्धरामैया, जिन्होंने यूकेपी को पैसा नहीं दिया है और कुर्सी से बंधे हुए हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली वर्तमान कांग्रेस सरकार शासन चलाने में पूरी तरह विफल रही है। भ्रष्टाचार बढ़ गया है। अगर मुख्यमंत्री में जरा भी नैतिकता होती तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु ने कहा कि जाति जनगणना के खिलाफ बहस चल रही है। कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की चर्चा हो रही है।

सुबह उठते ही पैसों की चर्चा होती है और रात को हनी ट्रैप की। ऐसा लगता है जैसे विधायक अनुदान की भीख मांग रहे हैं। मुख्यमंत्री कह रहे हैं, कल आइए। वे जाति सर्वेक्षण के माध्यम से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के साथ अन्याय करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी सरकार 2028 में सत्ता में आएगी।

गर्मी के कारण शहर में गर्मी का तापमान तेजी से बढ़ रहा

दो दिन पहले सबसे गर्म दिन 35.4 डिग्री सेल्सियस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में इस साल गर्मी का मौसम रिकॉर्ड तोड़ रहा है और इसका शहरी गर्मी द्वीप (यूएचआई) प्रभाव और भी खराब हो गया है, जो सफेद छत वाली सड़कों, पेड़ रहित लेआउट, कांच के मुखौटे वाली ऊंची इमारतों और गर्मी को अवशोषित करने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बढ़ते नेटवर्क से और भी बढ़ गया है। 14 मार्च को साल का सबसे गर्म दिन 35.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इसकी शुरुआत हो सकती है। अभी अप्रैल का मध्य है और बढ़ा हुआ यूएचआई प्रभाव इस महीने भीषण गर्मी को रिकॉर्ड स्तर पर ले जा सकता है। पिछले साल, इस महीने का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा था, जो कि अप्रैल में बेंगलूरु शहर में दर्ज किए गए अब तक के सबसे अधिक तापमान 25 अप्रैल, 2016 को 39.2 डिग्री सेल्सियस से एक डिग्री कम था। शहर का एक समय में मनाया जाने वाला हरा आवरण नाटकीय रूप से कम हो गया है, जिससे पहले से कहीं अधिक स्थानीय क्षेत्रों में गर्मी फंस गई है। आम तौर पर, यूएचआई प्रभाव शहरी क्षेत्रों में गर्मी को बनाए रखता है और इसके क्षय को रोकता है। इमारतों और कंक्रीट के बुनियादी ढांचे में गर्मी को अवशोषित करने वाली सामग्री इस घटना में महत्वपूर्ण रूप से सहायता करती है। शोध से पता चलता है कि यूएचआई क्षेत्रों के भीतर का तापमान आसपास के इलाकों की तुलना में 3 से 5 डिग्री अधिक हो सकता है, जिससे नागरिकों का जीवन नाटकीय रूप से खराब हो सकता है। बेंगलूरु में पेड़ों और जल निकायों के लगातार नुकसान ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) की नम्मा मेट्रो फेज 3 विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में कुल 11,137 पेड़ों को गिराने की योजना बनाई गई है, जिससे 44.65 किलोमीटर के दो कॉरिडोर बनेंगे।

लेकिन, जैसा कि पर्यावरणविद् और कानूनी कार्यकर्ता दत्तात्रेय देवरे कहते हैं, इन पेड़ों के स्थान के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के कारण वृक्षों के आवरण में कमी के लिए प्रतिपूरक वृक्षारोपण एक मानक प्रतिक्रिया है। लेकिन देवरे का तर्क है कि ये पौधे सड़क के किनारे लगाए जाने चाहिए, न कि नेलमंगला, गौरीबिदनूर या कोलार में। हर तिमाही में, बीएमआरसीएल को पेड़ों की कटाई की संख्या के लिए प्रतिपूरक वृक्षारोपण पर अदालत को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी। उन्होंने लगभग डेढ़ साल तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। अदालत के आदेश पर, उन्होंने सितंबर 2024 में आखिरी बार एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। अब दो तिमाहियाँ बीत चुकी हैं, हम उन्हें लगातार याद दिला रहे हैं। उन्होंने बताया कि एजेंसियों का तर्क है कि शहर में जगह नहीं है। मैंने उनसे कहा कि सड़कों के किनारे पर्याप्त जगह है। आखिरकार, हमारे निरंतर प्रयासों के बाद, बीबीएमपी (बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका) ने अदालत में हलफनामा दिया कि 2025-26 में, वे लगभग 50,000 पौधे लगाएंगे जिन्हें अब बीएमआरसीएल ले सकता है। देखते हैं वे क्या करते हैं, हम उनके पीछे हैं। घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के दशकों के शोध ने स्पष्ट रूप से हरियाली और शहरी तापमान के बीच संबंध स्थापित किया है। कर्नाटक राज्य हीट वेव एक्शन प्लान 2023-24 द्वारा व्यक्त किए गए प्रारंभिक उपायों पर एक मौजूदा खाका भी है। शहर-स्तरीय मध्यम/दीर्घकालिक उपायों के तहत, योजना एक रणनीतिक शमन कार्य योजना विकसित करने के लिए हीट वेव जोखिम और भेद्यता मानचित्र को अनिवार्य बनाती है। शहर के भीतर हॉट स्पॉट का मानचित्रण करना और उन्हें भेद्यता मूल्यांकन में एकीकृत करना भी इस योजना का हिस्सा है। यह इन हॉट स्पॉट में तापमान को कम करने के उपायों को भी अनिवार्य बनाता है, जिसमें ऊर्ध्वाधर उद्यान, पानी के फव्वारे वाले छोटे पार्क और अन्य संबद्ध सुविधाएँ विकसित की जाती हैं।

हीट वेव एक्शन प्लान

इस योजना में विभिन्न शोध और शैक्षिक संस्थानों के समन्वय के माध्यम से एक पर्यावरणीय मूल्यांकन का निर्माण करने का भी प्रयास किया गया है। हीट वेव एक्शन प्लान में कहा गया है कि इस मूल्यांकन के निष्कर्षों को शहरी नियोजन डिजाइन नीतियों में शामिल किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में शहरी हीट आइलैंड्स के उभरने पर अंकुश लगाया जा सके। तीन साल पहले सरक्की झील के कायाकल्प के एक साल के भीतर, वहाँ का भूजल स्तर 300 फीट तक सुधर गया। पिछले साल, जब पूरा शहर जल संकट और उच्च तापमान का सामना कर रहा था, तब झील में पर्याप्त पानी था, और भूजल स्तर 500 फीट से भी कम था। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) में पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र ने दशकों से बेंगलूरु के भूमि उपयोग पैटर्न पर नजर रखी है, जिससे पता चलता है कि शहर में हरियाली में भारी गिरावट आई है। शहर के छिद्रित भू-भाग (वनस्पति और जल निकाय) का हिस्सा 1973 में 68.2 प्रतिशत से घटकर 2025 में मात्र 6.02 प्रतिशत रह गया है। इसी अवधि के दौरान, जैसा कि बेंगलूरु शहरी सूचना प्रणाली पोर्टल में दर्शाया गया है, पक्के भू-भाग (भवन, सड़कें, आदि) का हिस्सा 7.97 प्रतिशत से बढ़कर 87.64 प्रतिशत हो गया।

कन्नूर में वक्फ बिल विरोधी प्रदर्शन के चलते आज यातायात में रहेगा बदलाव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ 18 अप्रैल को कन्नूर में होने वाले बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर, जिला औद्योगिक केंद्र के संयुक्त निदेशक ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर संभावित भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के लिए यातायात डायवर्जन आदेश जारी किया है। विरोध प्रदर्शन में 50,000 से अधिक प्रतिभागियों के इकट्ठा होने की उम्मीद है, और पडिल-फरंगीपेटे और फरंगीपेटे-पडिल खंडों पर भारी यातायात भीड़भाड़ की संभावना है।

स्थिति को कम करने के लिए, विरोध प्रदर्शन के दिन दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक लॉरी, टैंकर और मालवाहक वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। इसके तहत उडुपी की ओर जाने वाले वाहनों को बीसी रोड - पोलाली - कल्पाने - नीरमार्ग - बैतुरली - कुलशेखर - नंथूर के रास्ते डायवर्ट किए गए। मेंगलूरु से बीसी रोड की ओर जाने वाले वाहनों को पंपवेल - थोक्कोट्टू - डेरलाकट्टे - बोलियार - मेलकर के रास्ते डायवर्ट किए गए। वैकल्पिक रूप से, वे बीसी रोड तक पहुँचने के लिए नंथूर - नीरमर्ग - पोलाली मार्ग ले सकते हैं। केपीटी (कादरी पार्क क्षेत्र) से आने वाले वाहनों को पचनाडी - बोंदेल - कावूर - बाजपे - कैकम्बा - मूडबिद्री के रास्ते डायवर्ट किए जाएँगे। मुल्की से आने वाले वाहन किन्निगोली - मूडबिद्री - सिद्दकट्टे - बीसी रोड के रास्ते आगे बढ़ेंगे। उडुपी से आने वाले वाहन उडुपी - करकला - मूडबिद्री - सिद्दकट्टे - बंटवाल मार्ग लेंगे। शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने यात्रियों से सहयोग करने और विरोध प्रदर्शन के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का आग्रह किया है ताकि देरी और यातायात जाम से बचा जा सके।

उत्तराखंड में रिस्पना, बिंदाल नदियों किनारे भारी अतिक्रमण

देहरादून, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी और आसपास में नदियां नाले सब जगह सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे ही कब्जे हो रहे हैं देहरादून की रिस्पाना बिंदाल और अन्य नदियों के मुहाने तक अतिक्रमण हो गया है। सरकारी जमीनों, नदी श्रेणी की भूमि पर बाहर से आए लोग कब्जे कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने इस अतिक्रमण को लेकर सरकार का जवाब तलब किया है जिस पर शासन ने हाईकोर्ट से 30 जून तक अतिक्रमण हटाने की मोहलत मांगी है।

पिछले साल रोशनी के नदी नालों किनारे हो रहे अवैध कब्जों पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दबाव में प्रशासन ने मई जून माह में रिस्पना नदी किनारे अतिक्रमण हटाने के लिए एक्शन लेना शुरू किया था। उम्मीद की जा रही थी कि ये अभियान जारी रहेगा कुछ अतिक्रमण एन जी टी को दिखाने के लिए हटाए भी, किंतु अब वो फिर से काबिज हो गए। उल्लेखनीय है पूर्व में अतिक्रमण नहीं हटाने पर एन जी टी द्वारा जिला अधिकारी सहित अन्य अधिकारियो पर एक एक लाख का जुर्माना भी डाला था और इसे प्रशासनिक लापरवाही माना था।

देहरादून प्रशासन, नगर निगम और एमडीडीए अब 2016 के बाद हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए अवैध कब्जेदारों को नोटिस देकर कब्जा हटाने की कारवाई कर रहा है। जबकि 2016 के बाद के 534 से ज्यादा अतिक्रमण प्रशासन द्वारा चिन्हित हुए हैं। 2016 से पहले के अतिक्रमण की बात इसलिए नहीं की जा रही, क्योंकि तत्कालीन सरकार ने रिस्पना और बिंदाल बरसाती नदियों किनारे हुए अतिक्रमण को मलिन बस्तियों का रूप देते हुए इन्हें नियमित करने का फैसला लिया था। देहरादून के बीच बहने वाली ये बिंदाल और रिस्पना नदियां अब नाले में तब्दील हो चुकी है। इनके किनारे बदसूरत बस्तियां, राजनेताओं की राजनीति का अखाड़ा बन चुकी है।

तुष्टिकरण, वोट बैंक की राजनीति ने यहां बाहरी लोगों को बसने दिया जो कि अब देहरादून की सबसे बड़ी समस्या का रूप ले चुकी है। ये अवैध कब्जे ही उत्तराखंड की डेमोग्राफी चेंज की समस्या का भी कारण बने हुए हैं। एनजीटी का मानना है कि ये अवैध अतिक्रमण नदी के फ्लड जोन में है और एक दिन कोई बड़ा जानमाल का नुकसान हो सकता है। नदी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि नदियां तीस पैंतीस साल में अपने पुरानी मार्ग पर जरूर लौट कर आती है। इसलिए बिंदाल और रिस्पना में भी हमेशा खतरा बना रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट में रिस्पना रिवर फ्रंट को बनाए जाने को रखा था। लेकिन उनकी सरकार के जाते ही ये योजना भी ठंडे बस्ते में चली गई।

एनजीटी ने इन नदियों के अतिक्रमण को नहीं हटाने पर देहरादून की डीएम और अन्य अधिकारियों पर एक-एक लाख रु का जुर्माना भी डाला और आगे अतिक्रमण नहीं हटाने पर उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अग्रिम कारवाई के लिए निर्देशित भी कर दिया था। इस अतिक्रमण को बचाने या संरक्षण के लिए राजनीति भी शुरू हो चुकी है, स्थानीय पार्षद, विधायक, मंत्री, विपक्षी दलों के नेताओ को इसमें अपना वोट बैंक दिखता है लिहाजा वो प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई को रोकने के लिए अपने-अपने प्रभाव का इस्तेमाल भी करते रहे हैं। प्रशासन के आगे एक तरफ कुआं एक तरफ खाई जैसी कहावत चरितार्थ हो रही है। एक तरफ राजनीतिक प्रभाव तो दूसरी तरफ एनजीटी के भय उन्हें सता रहा है। बताया जाता है कि एनजीटी बेहद सख्त कारवाई का संकेत दे चुकी है। ऐसे में अतिक्रमण हटाना प्रशासन की मजबूरी बना हुआ है।

विधानसभा के पीछे से बहने वाली रिस्पना नदी की खूबसूरती कभी देहरादून की शान होती थी, इस नदी के 13 किमी क्षेत्र में 27 मलिन बस्तियों बन चुकी है। बिंदाल और रिस्पना में 129 बस्तियां चिन्हित हुई हैं, जिनमें करीब 40 हजार से अधिक लोग सरकार की जमीन पर अतिक्रमण करके बैठे हुए हैं और ये नदी श्रेणी की भूमि फ्लड जोन का हिस्सा है। इस मामले में हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका पर भी सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने राज्य सरकार को तत्काल ये अतिक्रमण हटाने को कहा है। देहरादून प्रशासन ने अतिक्रमण प्रभावित नदी क्षेत्र में अवैध कब्जों का सर्वे कर निशान भी लगा दिए हैं, किंतु ये अवैध कब्जे क्या मुक्त होंगे? ये अभी सवाल ही है।

राज्य और राजधानी बनने के बाद हजारों लोग यहां अवैध रूप से बाहरी प्रदेशों से यहां आकर बसते चले गए।

जिनमें ज्यादातर अल्पसंख्यक समुदाय से थे। 2016 में हरीश रावत सरकार ने वोट बैंक की लालच में अपने स्थानीय विधायकों पार्षदों के कहने पर इन मलिन बस्तियों को रेगुलाइज करने का जिओ जारी कर दिया, जिसके बाद से ये अवैध कब्जे की जमीन सौ-सौ के स्टांप पेपर पर बिकने लगी। 2017 में जब बीजेपी सरकार आई तो एक हाई कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर एक आदेश के बाद इन बस्तियों के नियमितकरण की प्रकिया पर रोक लगानी पड़ी। अब इस पर एनजीटी भी संज्ञान ले रहा है, जिसके बाद प्रशासन को अतिक्रमण हटाना पड़ रहा है।

ग्राहम स्टेंस हत्याकांड के दोषी महेंद्र हेम्ब्रम 25 साल बाद रिहा

भुवनेश्वर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 1999 में ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टेंस और उनके दो बेटों की हत्या के मामले में दोषी महेंद्र हेम्ब्रम को ओड़ीशा की केंदुझर जेल से बुधवार को रिहा कर दिया गया। महेंद्र ने 25 साल की सजा पूरी की थी। महेंद्र की रिहाई ओड़ीशा राज्य दंड पुनरीक्षण बोर्ड की मंजूरी के बाद अच्छे आचरण के आधार पर की गई। जेल अधिकारियों ने हेम्ब्रम को अच्छे व्यवहार के लिए सम्मानित करते हुए औपचारिक विदाई दी और माला पहनाई। जेल से बाहर निकलने के बाद 50 वर्षीय हेम्ब्रम ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे धर्मांतरण से जुड़े एक मामले में झूठा फंसाया गया था। मैंने 25 साल जेल में बिताए हैं और आज रिहा हुआ हूं।

जेलर मनस्विनी नायक ने पुष्टि की कि हेम्ब्रम ने राज्य की समयपूर्व रिहाई नीति के तहत सभी आवश्यक शर्तें पूरी की थीं। उन्होंने कहा कि महेंद्र हेम्ब्रम को राज्य दंड पुनरीक्षण बोर्ड के निर्णय के अनुसार और नियमों के अनुरूप रिहा किया गया है । जेल प्रशासन ने हेम्ब्रम को एक बैंक पासबुक भी सौंपी, जिसमें उनकी जेल अवधि के दौरान की गई श्रम की कमाई जमा की गई थी। ओड़ीशा सरकार की 2022 की समयपूर्व रिहाई नीति के अनुसार, आजीवन कारावास पाए दोषियों को रिहा करने से पहले कम से कम 14 साल की सजा पूरी करनी होती है।

गंभीर मामलों, जैसे कि हत्या, में यह अवधि आमतौर पर 20 से 25 साल की होती है। वृद्ध कैदियों के लिए भी विशेष प्रावधान हैं- 60 वर्ष से अधिक आयु की महिला और 65 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष दोषियों को अलग से विचार किया जाता है। इस निर्णय की प्रक्रिया में जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों की सिफारिशें शामिल होती हैं, जिसके बाद दंड पुनरीक्षण बोर्ड, मुख्यमंत्री कार्यालय और अंत में राज्यपाल की मंजूरी ली जाती है।

अब इस मामले में दूसरे प्रमुख दोषी दारा सिंह की रिहाई याचिका पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। दारा सिंह को 2003 में भुवनेश्वर की सीबीआई अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी लेकिन उस सजा को 2005 में उड़ीसा उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास में बदल दिया था। दारा सिंह भी पिछले 25 वर्षों से केंदुझर जेल में बंद है। सुप्रीम कोर्ट ने 19 मार्च को ओडिशा सरकार को निर्देश दिया था कि वह दारा सिंह की रिहाई याचिका पर छह सप्ताह के भीतर निर्णय ले। इस याचिका पर सुनवाई मई के आरंभ में होने की संभावना है। दारा सिंह ने राज्य की समयपूर्व रिहाई नीति के अधिक उदार व्याख्या की मांग करते हुए जल्दी रिहाई की अर्जी दी है। ज्ञात हो कि 2003 में भुवनेश्वर स्थित सीबीआई अदालत ने दारा सिंह को फांसी और 12 अन्य को, जिनमें हेम्ब्रम भी शामिल थे, आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बाद में उड़ीसा उच्च न्यायालय ने इनमें से 11 सह-अभियुक्तों को बरी कर दिया था।

झारखंड में 44 ईसाइयों ने अपनाया सनातन धर्म

रांची, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में 44 ईसाइयों ने ईसाइयत को त्यागकर सनातन धर्म में घर वापसी कर ली। इन सभी को करीब 9 साल पहले बरगलाकर ईसाई में धर्मांतरित करा दिया गया था। चाईबासा के नोवामुंडी प्रखंड क्षेत्र के बड़ा पासेया के रहने वाले ये सभी लोग जनजातीय समाज से आते हैं। 2016 में ईसाई मिशनरियों ने इन्हें अच्छी शिक्षा, अच्छा जीवन और अच्छे रहन सहन का लालच देकर इन सभी का धर्मांतरण करवाया था। जब इन्हें इनकी गलती का अहसास हुआ तो ये सभी सनातन धर्म की ओर वापस लौटने की कोशिशें कर रहे थे। इस मामले में हो समाज युवा महासभा के महासचिव गब्बर सिंह हेंब्रम ने दावा किया कि प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में बाहर से आकर मिशनरी लोगों का धर्मांतरण करने का षणयंत्र रच रहे हैं। हो समाज इससे निपटने के लिए लगातार लोगों में जागरूकता फैलाने की कोशिश कर रहा है। कोशिश है कि लोग वापस अपने मूल में लौटें। इसी क्रम में 44 लोगों ने घर वापसी की है। हिंदू संगठनों का कहना है कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। गौरतलब है कि दूसरे मतों में बरगलाकर ले जाए गए हिंदुओं को जब अपनी गलती और सनातन धर्म की महानता का अहसास होता है तो वे वापस अपने मूल में लौटते ही हैं। इसी क्रम में पिछले महीने मार्च 17 को भी झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में ही 68 ईसाई परिवारों के 200 लोगों ने जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के सानिध्य में स्वधर्म में वापसी की थी। इन लोगों मतांतरण कराने वालों ने अपने झूठे माया जाल में फंसाकर इनका स्वधर्म त्याग करवा दिया था। लेकिन, इनसे इनका सनातन धर्म के प्रति लगाव खत्म नहीं हुआ।

सांबा में पाकिस्तानी कनेक्शन में एक व्यक्ति गिरफ्तार

जम्मू, 17 अप्रैल (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने सांबा जिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिसके मोबाइल फोन पर काल रिकॉर्ड के साथ कुछ पाकिस्तानी फोन नंबर पाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पुंछ जिले के निवासी फारूक अहमद नामक व्यक्ति को संदिग्ध परिस्थितियों में डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय के पास घूमते हुए देखा गया। उसके मोबाइल फोन की प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को तीन अलग-अलग पाकिस्तानी नंबरों से आने वाली काल के रिकार्ड मिले। जम्मू कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति के आतंकवादियों या राष्ट्र-विरोधी तत्वों से किसी तरह के संबंध होने का पता लगाने के लिए बैकवर्ड और फारवर्ड दोनों तरह के संबंधों की जांच शुरू की है।

कश्मीरी अखरोट पर भारी पड़ रहा चीनी अखरोट

जम्मू, 17 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर का फलता-फूलता अखरोट उद्योग आज गंभीर संकट का सामना कर रहा है। पिछले चार वर्षों में इसके जैविक अखरोट की मांग 85 परसेंट से घटकर सिर्फ 30 प्रतिशत रह गई है। उत्पादक और व्यापारी इस बात से काफ़ी चिंतित हैं कि 2020 में 1.70 लाख मीट्रिक टन से बिक्री में भारी गिरावट आई है और 2024 में यह सिर्फ 30,000 मीट्रिक टन रह गई है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारणों में सस्ते चीनी अखरोट की आमद, अपर्याप्त प्रसंस्करण सुविधाएं और कमजोर विपणन रणनीतियां शामिल हैं।

इस व्यापार में संलिप्त लोगों के अनुसार, स्थानीय बाजारों में, कश्मीरी जैविक अखरोट की कीमत वर्तमान में 700-800 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है, जबकि चीनी अखरोट लगभग आधी कीमत 350-400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिकता है। कीमतों में यह भारी अंतर मुख्य रूप से चीन के बड़े पैमाने पर उत्पादन के तरीकों के कारण है, जो रासायनिक उर्वरकों पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जिससे कम लागत पर बड़े पैमाने पर निर्यात संभव हो पाता है। कश्मीर के अखरोट उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती फसल की कटाई के बाद उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रसंस्करण इकाइयों की कमी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि कश्मीरी अखरोट में तेल की मात्रा अधिक होती है, लेकिन अपर्याप्त प्रसंस्करण के कारण उनका प्राकृतिक रंग सफेद नहीं होता है, जिससे वे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में कम आकर्षक हो जाते हैं।

बागवानी विपणन विभाग के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि वर्तमान में केवल 15 परसेंट अखरोट औपचारिक चौनलों के माध्यम से बेचे जा रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों से पता चलता है कि उचित ग्रेडिंग प्रणाली की अनुपस्थिति और जैविक प्रमाणीकरण को बढ़ावा देने में विफलता ने स्थिति को और खराब कर दिया है। उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए, बागवानी विभाग ने 70,000 हेक्टेयर में 2 लाख मीट्रिक टन के वार्षिक उत्पादन का समर्थन करने के उद्देश्य से नई पहल शुरू की है।

प्रमुख उपायों में प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करना, जैविक प्रमाणीकरण और भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग हासिल करना, विपणन प्रयासों में सुधार करना और एक मजबूत ग्रेडिंग प्रणाली को लागू करना शामिल है।

जिलेवार उत्पादन के आंकड़े महत्वपूर्ण असमानताओं को उजागर करते हैं, जिसमें अनंतनाग 11,915 मीट्रिक टन के साथ सबसे आगे है, इसके बाद कुपवाड़ा 8,824 मीट्रिक टन और गंदेरबल 5,454 मीट्रिक टन के साथ दूसरे स्थान पर है। पुलवामा, बडगाम, कुलगाम, शोपिया और श्रीनगर जैसे अन्य जिले छोटी लेकिन उल्लेखनीय मात्रा में उत्पादन करते हैं।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा के अब्दुल रहीम बंदे जैसे थोक व्यापारियों ने अतिरिक्त चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि लगभग 10 प्रतिशत कश्मीरी अखरोट टूटने पर खाली निकलते हैं और उनका छोटा आकार उन्हें चीनी अखरोट के बड़े गिरी की तुलना में कम आकर्षक बनाता है। कश्मीरी अखरोट के सख्त छिलके ने भी मांग में गिरावट में योगदान दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, उच्च उपज वाली पहाड़ी किस्मों पर शोध के माध्यम से उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास चल रहे हैं। कृषि समग्र विकास योजना के तहत, सरकार अखरोट की खेती को बढ़ावा दे रही है और किसानों को प्रसंस्करण इकाइयों सहित आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने की योजना बना रही है। प्रसंस्करण में सुधार होने के बाद विभाग कश्मीरी अखरोट की विपणन क्षमता बढ़ाने के लिए जीआई टैग प्राप्त करने पर भी काम कर रहा है।

भाषा विवाद के बीच फडणवीस सरकार का बड़ा आदेश

महाराष्ट्र में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी अनिवार्य

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण भारत के कई राज्यों से लेकर महाराष्ट्र तक हिंदी भाषा को लेकर उपजे विरोध के बीच महाराष्ट्र राज्य सरकार ने हिंदी भाषा को लेकर एक बड़ा आदेश जारी किया है, जिसके अनुसार, महाराष्ट्र के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया जाएगा और यह आदेश नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग, महाराष्ट्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति यानि एनईपी 2020 के तहत ही नए शैक्षणिक ढांचे को लागू करने का आदेश जारी किया है और यह आदेश लागू होने के बाद अब राज्य में मराठी और अंग्रेजी के बाद तीसरी भाषा हिंदी अनिवार्य रूप से स्थापित हो जाएगी। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में अब तक केवल दो भाषाएं ही पढ़ाई जाती थी, जिसे बदलकर शिक्षा विभाग ने तीन भाषा फॉर्मूले को लागू किया है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नए कार्यक्रम के अनुसार स्कूली शिक्षा को चार चरणों में विभाजित किया गया है। पहले चरण में शुरुआती पांच साल जिसमें 3 वर्ष प्री प्राइमरी और क्लास 1 और 2 फाउंडेशनल स्टेज को शामिल किया गया है। दूसरे चरण में कक्षा 3 से 5 तक की शिक्षा को प्राइमरी लेवल को प्रारंभिक स्तर माना जाएगा। तीसरे चरण में क्लास 6 से 8 तक की शिक्षा को मिडिल स्कूल के तहत गिना जाएगा। चौथे चरण में चार साल का कार्यक्रम होगा जिसमें 9 से 12वीं तक की शिक्षा को सेकंडरी एजुकेशन में गिना जाएगा।

शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए नए पाठ्यक्रम के अनुसार, अब महाराष्ट्र बोर्ड की सभी किताबें एनसीईआरटी कोर्स पर आधारित होंगी लेकिन सोशल साइंस और भाषा विषयों की किताबों में राज्य के स्थानीय संदर्भों को न सिर्फ शामिल किया जाएगा बल्कि उसमें आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जाएंगे।

धार्मिक स्थलों पर तय मानकों से तेज नहीं बजेगा लाउडस्पीकर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अब दिल्ली में किसी भी जगह लाउडस्पीकर लगाने पर पुलिस से परमिशन लेनी होगी। टेंट हाउस से लाउडस्पीकर लेने पर भी पुलिस परमिशन होना जरूरी होगा। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सभी टेंट, लाउडस्पीकर और जनरेटर आपूर्तिकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए कि वे स्थानीय पुलिस की लिखित अनुमति के बिना उपयोगकर्ताओं को उपकरण न दें। दिल्ली पुलिस ने लाउडस्पीकर को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। अब किसी भी धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर तय मानकों से तेज नहीं बजेगा। किसी भी जगह लाउडस्पीकर लगाने पर पुलिस से परमिशन लेनी होगी। सार्वजनिक स्थलों पर लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रयोग बिना अनुमति के नहीं किया जा सकता। टेंट हाउस से लाउडस्पीकर लेने पर भी पुलिस परमिशन होना जरूरी होगा।

दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सभी टेंट, लाउडस्पीकर और जनरेटर आपूर्तिकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए कि वे स्थानीय पुलिस की लिखित अनुमति के बिना उपयोगकर्ताओं को उपकरण न दें। जिला डीसीपी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपूर्तिकर्ता इस आवश्यकता का अनुपालन करें और अनुपालन न करने वाले आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें।

सवा तीन महीनों में साढ़े पांच लाख पर्यटक कश्मीर पहुंचे

जम्मू, 17 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर में इस साल पर्यटन में बड़ी उछाल देखी जा रही है, 2025 के पहले तीन महीनों और एक सप्ताह में ही 5,25,272 पर्यटक कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। इसमें 5,14,845 घरेलू और 10,427 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। ऐसे में कश्मीरियों का मानना है कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिला है और उन लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई है जो अपनी आजीविका के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में 1,51,023 पर्यटक आए (1,48,439 घरेलू और 3,585 विदेशी) फरवरी में 1,47,560 पर्यटक आए (1,43,444 घरेलू और 4,116 विदेशी) - मार्च में सबसे ज्यादा 1,76,355 पर्यटक आए (1,74,349 घरेलू और 2,006 विदेशी) 1 से 7 अप्रैल तक 49,544 पर्यटक आए (48,614 घरेलू और 930 विदेशी) थे। 2025 हाल के समय में सबसे अच्छे वर्षों में से एक बन रहा है। पर्यटकों की संख्या में बढ़ौतरी का एक बड़ा कारण मार्च में गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स की सफल मेजबानी थी। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी के बकौल, विंटर गेम्स ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और बड़ी संख्या में साहसिक प्रेमी यहां आए। श्रीनगर का ट्यूलिप गार्डन हर दिन हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। दिल्ली से आए पर्यटक राजेश शर्मा कहते थे कि यह जगह धरती पर स्वर्ग जैसी लगती है। फूल, ठंडी हवा और जबरवान पहाड़ियों का नजारा मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। स्थानीय लोग भी पर्यटकों की भीड़ से खुश हैं। हाउसबोट के मालिक इश्फाक अहमद कहते थे कि लंबे समय के बाद, हम अपने हाउसबोट में इतनी भीड़ देख रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे पुराने दिन आ गए हों। डल झील में शिकारा के मालिक मुश्ताक अहमद के बकौल, झील पर फिर से रौनक लौट आई है। पर्यटक शिकारा की सवारी का आनंद ले रहे हैं और तस्वीरें खींच रहे हैं। यह हम सभी के लिए एक अच्छा संकेत है जो पर्यटन पर निर्भर हैं।

दंगाइयों द्वारा मारे गए रामगोपाल मिश्रा का परिवार योगी से मिला

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बहराइच में इस्लामी कट्टरपंथियों के हाथों मारे गए युवक रामगोपाल मिश्रा का परिवार आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला। रामगोपाल मिश्रा के परिवार ने हत्याकांड के मामले में हो रही पुलिस की कार्रवाई से संतुष्टि जताई है। रामगोपाल की पत्नी नौकरी के लिए प्रयासरत है। सीएम योगी ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के बहराइच में एक प्रतिमा विसर्जन जुलूस में शामिल रामगोपाल मिश्रा की 13 अक्टूबर 2024 को इस्लामी कट्टरपंथियों ने हत्या कर दी थी। रामगोपाल मिश्रा को भगवा झंडा लहराने पर गोली मारी गई थी। इस मामले में आधे दर्जन

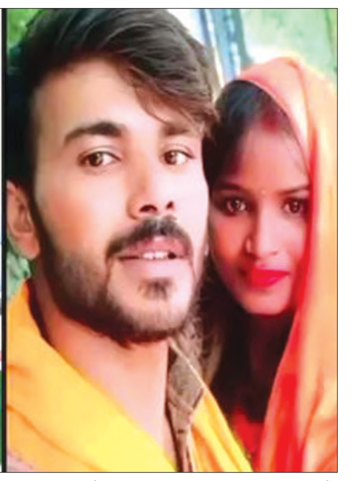

मुस्लिम नामजद किए गए थे। हिंसा की घटना के बाद रामगोपाल मिश्रा के परिजनों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। उन्होंने पीड़ित परिवार को इस मामले में त्वरित न्याय का भरोसा दिया था। घटना के लगभग 6 माह पूरे होने के बाद रामगोपाल मिश्रा के परिजनों ने बताया कि सारे आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं। रामगोपाल मिश्रा के भाई हरमिलन मिश्रा ने बताया है कि वह अभी कोर्ट में इस मामले में गवाहियां दे रहे हैं। मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। रामगोपाल मिश्रा की हत्या करने वाले अब्दुल हमीद समेत बाकी सारे आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब्दुल हमीद और उसके परिजन जमानत का भी प्रयास कर रहे हैं लेकिन वह नहीं उन्हें मिली है। पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई के विषय में पूछने पर उन्होंने बताया, पुलिस और सरकारी वकील इस मामले को अभी मजबूती से रख रहे हैं।उनकी कार्रवाई पर हमें से हम संतुष्ट हैं।

रामगोपाल मिश्रा की हत्या के बाद 6 मुस्लिमों को एफआईआर में आरोपित बनाया गया था। इसमें अब्दुल हमीद, सरफराज उर्फ़ रिंकू , फहीम, राजा उर्फ़ साहिल, ननकऊ और साहिल को शुरुआत में आरोपित बनाया गया था। इस मामले में बाद में और भी आरोपित जोड़े गए थे। इन सबकी गिरफ्तारी पुलिस ने कर ली थी। रामगोपाल मिश्रा की हत्या से मात्र 2 महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। रामगोपाल मिश्रा के भाई हरमिलन ने बताया कि उनकी विधवा भाभी रोली मिश्रा को नौकरी देने का आग्रह सीएम से किया गया है।

संघ का संकल्प : विजयदशमी तक घर-घर देंगे दस्तक

कानपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष आने वाली विजयदशमी को पूरे हो रहे हैं। संघ की ओर से संकल्प लिया गया है कि विजयदशमी तक घर-घर दस्तक देंगे। सभी जातियों को एकजुट करेंगे। संघ प्रमुख ने संघ के शताब्दी वर्ष में सभी जातियों को एक जुट करने का संकल्प दिलाया है।

इस साल अक्टूबर में विजयदशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने वाले हैं। ऐसे में संघ की ओर से संकल्प लिया गया है कि तब तक पूरे देश की सभी जातियों को एकजुट करने के लिए हर हिंदू के घर-घर जाकर दस्तक दी जाएगी। संघ प्रमुख मोहन भागवत बुधवार को कारवालो नगर के संघ भवन से करीब 12 किलोमीटर दूर कोयला नगर में स्थापित शाखा में सुबह-सुबह पहुंचे। यहां उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि शहर के प्रत्येक मोहल्ले, गली, बस्ती, कस्बों और गांव-गांव में शाखाएं लगाई जाएं इसके लिए काम करना है।

उन्होंने कहा कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी का संघ से परिचय हो, यह आवश्यक है। समाज में संघ के विचार फैलें, इसके लिए भी स्वयं सेवकों को काम करना है। उन्होंने कहा कि हर बस्ती के प्रत्येक घर में एक-एक स्वयंसेवक तैयार करें जो समाज के लिए काम करे, हमें इस दिशा में काम करना है। भागवत ने कहा कि हर समाज का विचार, संस्कृति, भावना, सोच एक जैसी हो, इस दिशा में हम सभी को सोचना है। उन्होंने कहा कि यह काम सिर्फ स्वयंसेवकों को ही नहीं समाज में रहने वाले हर व्यक्ति, जनप्रतिनिधि सभी को करना है।

जलवायु परिवर्तन की वजह से पर्यावरण में हो रहे बदलाव और लोगों पर पड़ रहे उसके दुष्प्रभाव को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने चिंता जाहिर की है। बुधवार को पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों से जुड़े संघ के कार्यकर्ताओं की बैठक में उन्होंने कहा कि लगातार कम हो रहे वन, नीचे जा रहा भूजल, मिलावटी खाद्य सामग्रियां, सिकुड़ रहीं नदियों पर अंकुश नहीं लगा तो स्थिति काफी भयावह होगी। भागवत ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर छह स्तर पर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक संस्थाओं, नारी शक्ति, स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ जनसम्पर्क और जन संवाद के माध्यम से इसमें सुधार लाया जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के तहत पौधे लगाओ, पानी बचाओ, पॉलीथिन हटाओ के नारे के साथ काम करने की जरूरत बताई। सौर ऊर्जा पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने इस अभियान से प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ते हुए कहा कि घर की बनावट चाहे जैसी हो लेकिन वहां की बालकनी में, छत पर पौधे जरूर लगाएं। सरसंघचालक ने कहा कि जीवन में राष्ट्रभक्ति का भाव आना चाहिए। जैसे यह बिजली और पानी हमारे देश का है। इसे बेकार नहीं करना है। जब राष्ट्र प्रथम का भाव होगा तो हम छोटी-छोटी बातों पर भी विचार करेंगे।

अनधिकृत ई-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई जारी, 20 जनपदों को नोटिस

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नागरिक सुरक्षा और सुगम यातायात के मद्देनजर परिवहन विभाग की तरफ से पहली से 30 अप्रैल तक अवैध ई-रिक्शा के खिलाफ अभियान चल रहा है। अभियान के 16 वें दिन की परिवहन आयुक्त ने इसकी समीक्षा की। अभियान में अनधिकृत ई-रिक्शा व ऑटो के खिलाफ कार्रवाई कर आमजन को सुगम यातायात की सुविधा मुहैया कराने वाले जनपदों की समीक्षा की गई। इसमें सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाले जनपदों व न्यूनतम योगदान देने 20 जनपदों की सूची तैयार की गई है। न्यूनतम प्रदर्शन करने वाले जनपदों को कारण बताओ नोटिस भी जारी की गई है।

अभियान में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जनपदों में बरेली, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, फिरोजाबाद, बाराबंकी, एटा, कानपुर देहात, बहराइच, चंदौली, संत रविदास नगर, चित्रकूट, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, गाजीपुर व हमीरपुर में अभियान की स्थिति काफी अच्छी है। अभियान के नोडल अधिकारी एवं अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) संजय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर यह अभियान पहली अप्रैल से निरंतर चल रहा है। इसकी शासन स्तर से मॉनिटरिंग भी की जा रही है। अभियान की गति जिन जनपदों में धीमी है, वहां के अफसरों को नोटिस भेजकर जवाब-तलब किया गया है। श्री सिंह के मुताबिक अमरोहा, कासगंज, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सुल्तानपुर, सिद्धार्थनगर, मऊ, इटावा, फर्रुखाबाद, बदायूं, संभल, श्रावस्ती, झांसी, संतकबीरनगर, बस्ती, शामली, महराजगंज, देवरिया, हाथरस व ललितपुर के परिवहन अधिकारियों को नोटिस भेजकर जवाब-तलब किया गया है।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा, सुगम यातायात और आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत पहली से 30 अप्रैल तक अभियान चलेगा। इस क्रम में अवैध ई-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई जारी है। अभियान की समीक्षा की गई, जिन जनपदों में अभियान को लेकर स्थिति कमजोर है, वहां के अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है। वहीं अभियान को लेकर सजगता बरतने वाले अधिकारियों की हौसलाअफजाई भी की गई है। परिवहन, जनपद और पुलिस प्रशासन के संयुक्त देखरेख में अभियान निरंतर चल रहा है।

मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश पर विपक्ष की चुप्पी ने इन्हें नंगा कर दिया : योगी

- सीएम योगी ने पिछली सरकारों और विपक्ष के कारनामों को जमकर उधेड़ा
- पहले यूपी के शहर भी मुर्शिदाबाद की तरह ही दंगों की आग में जलते थे

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश स्वर्णिम शताब्दी की ओर विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने अपनी सरकार में हुए राज्य के विकास, बुनियादी ढांचे और माफिया मुक्त शासन की उपलब्धियां गिनाईं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर प्रदेश में भ्रष्टाचार, जातिवाद और माफियावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने योजनाओं में घोटाले कर लंदन में होटल बनाए, वही लोग प्रदेश को लूटने और जातियों में बांटने के लिए जिम्मेदार हैं। मुर्शिदाबाद की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने विपक्ष की चुप्पी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ये लोग, जिन्होंने भ्रष्टाचार, जातिवाद, माफियावाद और परिवारवाद से अपना साम्राज्य खड़ा किया, वही लोग अब मुर्शिदाबाद जैसे मामलों पर मौन हैं। बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने यूपी को दंगा और माफिया मुक्त बनाया है। पहले हर जिले में माफिया पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करते थे, ठेके लेते थे, दंगे करवाते थे और महिलाओं व व्यापारियों को परेशान करते थे। लोग त्यौहारों पर सशंकित रहते थे। अब यूपी में त्यौहार शांतिपूर्ण और भव्यता के साथ मनाए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है वह कभी यूपी में मुजफ्फरनगर, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहर के हुआ करते थे। मुख्यमंत्री ने पूर्वी यूपी में इंसेफलाइटिस जैसी घातक बीमारी के उन्मूलन को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 40 वर्षों में इस बीमारी से 50,000 बच्चों की मौत हुई, इनमें से ज्यादातर बच्चे अल्पसंख्यक समाज के होते थे, लेकिन किसी नेता के आंसू नहीं बहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष

ने कभी इंसेफलाइटिस बीमारी पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि बच्चे वोट बैंक नहीं होते। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले वन डिस्ट्रक्ट वन माफिया होते थे, आज वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज हैं और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं।

सीएम योगी ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए बताया कि 2016 में बिना किसी तैयारी के इसका शिलान्यास कर दिया गया। तब 15,200 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट अनियमितताओं से भरा था। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार ने इसे रद्द कर दोबारा से प्रोजेक्ट को डिजाइन किया और पूरी परियोजना को केवल 11,800 करोड़ रुपए में पूरा किया, जिससे जनता के पैसे की लूट रोकी गई। योगी ने कहा कि यह वही पैसा है, जिसे लूटकर इंग्लैंड में इनके होटल बनते हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर शिवाजी, महाराणा प्रताप और राणा सांगा जैसे महा-पुरुषों का अपमान करने और औरंगजेब, बाबर और जिन्ना जैसे राष्ट्रतोड़कों का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग वोट बैंक के लिए प्रोपेगेंडा करते हैं और समाज में विद्वेष फैलाते हैं। हमें एक समृद्ध यूपी, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए राष्ट्रनायकों का सम्मान करना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री के पंचप्रण का एक संकल्प यह भी है कि राष्ट्रनायकों का हमें सम्मान करना है।

सीएम योगी ने यूपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर को देश में सर्वश्रेष्ठ बताया, जिसमें हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, और मेट्रो शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यूपी की जीएसडीपी 12.75 लाख करोड़ थी, जो अब 30 लाख करोड़ तक पहुंच रही है। प्रति व्यक्ति आय भी 46,000 रुपए से बढ़कर 1.10 लाख रुपए से अधिक हो गई है, जल्द ही यह सवा लाख रुपए पहुंच जाएगी। सीएम ने कहा कि निवेश के क्षेत्र में यूपी ने 15 लाख करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतारा है। निवेश मित्र पोर्टल के जरिए 500 से अधिक मंजूरियां एक ही प्लेटफॉर्म के जरिए दी जा रही हैं, निवेश की मॉनिटरिंग हो रही हैं और निवेशकों को इंसेंटिव भी दिए जा रहे हैं।

सीएम योगी ने महाकुंभ 2025 की सफलता का जिक्र किया, जिसमें 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पुलिस के व्यवहार और व्यवस्थाओं ने सभी को प्रभावित किया। यूपी को भारत की आस्था का केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य देश को जोड़ने का काम करता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में 122 चीनी मिलें संचालित हो रही हैं, और पिछले आठ वर्षों में 2.80 लाख करोड़ रुपए का गन्ना भुगतान किया गया है। खाद्यान्न उत्पादन में भी यूपी देश में अग्रणी है। सीएम ने लोकतंत्र के चार स्तंभों, विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को अपनी-अपनी लक्ष्मण रेखा का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अधिकार के साथ साथ कर्तव्यों का भान होना भी बेहद जरूरी। भारत में लोकतंत्र इसलिए मजबूत क्योंकि इसके चारों स्तम्भ अपनी अपनी लक्ष्मण रेखा का पालन करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि संवाद लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यह कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां संवाद समाप्त होता है, वहीं से संघर्ष शुरू होता है, इसलिए हमें हर हाल में संवाद का मार्ग अपनाना होगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, सलाहकार अवनीश अवस्थी, गणमान्य नागरिक और पत्रकार मौजूद थे।

अयोध्या की तर्ज पर विकसित होगा नैमिषारण्य

लखनऊ,17 अप्रैल (एजेंसियां)। नैमिषारण्य गोमती नदी के तट पर बसी 88 हजार ऋषि-मुनियों की पावन तपोभूमि है। इसके विकास को लेकर वर्ष 2023 में महात्मा गांधी की जयंती के एक दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां के संतों से मुलाकात की थी। उसी समय उन्होंने घोषणा की थी कि तीर्थ क्षेत्र नैमिष के विकास में धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। पूरे क्षेत्र का कायाकल्प कुछ इस तरह होगा कि धर्म एवं अध्यात्म की यह धरती पर्यटन के केंद्र के रूप में भी उभरे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि मेरा प्रयास यह होगा कि नैमिष का विकास अयोध्या से भी बेहतर हो।

नैमिषारण्य तीर्थ परिषद के गठन के पीछे योगी सरकार की मंशा इस तीर्थ स्थल के नियोजित विकास की रही है। इसके तहत

नैमिषारण्य तीर्थ क्षेत्र में नए घाट का निर्माण होगा। यह घाट राजघाट और दशाश्वमेध घाट के बीच होगा। पुराने घाटों का भी जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण होना है। इनमें से कई काम हो चुके हैं और कुछ पर काम जारी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि जैसे अयोध्या में पर्यटकों/श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी वैसे-वैसे नैमिषारण्य का भी आकर्षण बढ़ेगा। यूं भी हर हिंदू ऋषियों की इस तपोस्थली में आना चाहता है। लखनऊ से पास होने और सनातन धर्म में आस्था रखने वालों की भावना के अनुरूप उसका विकास बहुत पहले हो जाना चाहिए था। अयोध्या और काशी के कायाकल्प और पर्यटकों की रुचि देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है। इसीलिए एक ओर योगी सरकार अयोध्या को सजाने एवं संवारने के साथ वहां एक नव्य अयोध्या बना रही है। उसी तरह नैमिषारण्य में भी वैदिक सिटी बन रही है। नए घाट के निर्माण और पुराने घाटों के सौंदर्यीकरण के साथ सड़कों का भी चौड़ीकरण हो रहा है। ललिता देवी और भूतेश्वरनाथ जैसे प्रमुख मंदिरों के अलावा अन्य मंदिरों और ऋषि-मुनियों से जुड़े प्रमुख स्थलों और पर्यटकों की सुविधा एवं सुरक्षा के मद्देनजर इनके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं का भी विकास होगा। स्थानीय संतों की मंशा के अनुसार आधुनिकता के साथ प्राचीनता का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

नैमिषारण्य शीघ्र ही प्रदेश की राजधानी और अन्य प्रमुख धार्मिक शहरों, खासकर अयोध्या एवं वाराणसी से हेलिकाप्टर सेवा से जुड़ जाएगा। ठाकुरनगर रुद्रावर्त धाम मार्ग के किनारे नौ करोड़ रुपये की लागत से हेलीपोर्ट बनकर तैयार है। यहां एक साथ तीन हेलीकॉप्टर्स की लैंडिंग हो सकती है।

औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसकी सेवाएं उपलब्ध होने लगेंगी। रेल और सड़क कनेक्टिविटी को भी और बेहतर बनाया जाएगा। सीतापुर जिले में स्थित नैमिषारण्य एक पवित्र तीर्थ स्थल है।

कहा जाता है कि यहीं पर महापुराण लिखे गए और यहीं पर पहली बार सत्यनारायण की कथा की गई थी। इस धाम का इतिहास रामायण से भी जुड़ा है। यहीं पर भगवान श्रीराम ने अश्वमेध यज्ञ पूरा किया था। इस जगह का संबंध महर्षि वाल्मीकि, लव-कुश से भी रहा है। साथ ही महाभारत काल में युधिष्ठिर और अर्जुन भी यहां आए थे। नैमिषारण्य की यात्रा के बिना चार धाम की यात्रा भी अधूरी मानी जाती है।

सरकारी जमीन पर पर बना दी दरगाह, करने लगे झाड़-फूंक

बरेली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में वक्फ संशोधन कानून लागू होने के बाद पहली एफआईआर दर्ज की गई है।

यह कार्रवाई सीबीगंज थाना क्षेत्र में बुधवार 16 अप्रैल को हुई, जहां सब्जे महमूद अली और 10 अन्य लोगों पर सरकारी जमीन को फर्जी तरीके से वक्फ सम्पत्ति बताकर कब्जा करने का आरोप लगा।

एसएसपी अनुराग आर्य के मुताबिक, सब्जे महमूद अली ने फर्जी दस्तावेज बनाकर कब्रिस्तान के नाम दर्ज तीन बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया। फिर उसने जमीन को सेंट्रल वक्फ बोर्ड, लखनऊ में रजिस्ट्री कराई और खुद को ट्रस्ट का

अध्यक्ष बनाया। अपने परिवार को भी ट्रस्ट में शामिल किया। वो वहां दरगाह बनाकर झाड़ फूंक भी करने लगा। शिकायतकर्ता पुत्तन जुल्फिकार शाह ने 2020-21 में तहरीर दी थी। इसके बाद मामले की जांच की गई और अब पुलिस ने आईपीसी की धाराओं 323, 504, 506, 420, 467, 471, 447 और 120बी के तहत केस दर्ज किया है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

संपादकीय

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी। हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाकिस्तान को आईना दिखा दिया गया है जो तहव्वुर राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था। निश्चित रूप से इस सफलता में भारत के राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों की भी बड़ी भूमिका रही है। भारतीय अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की।

> देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए।

बोध कथा

परमात्मा के साथ

छह साल का एक छोटा सा बच्चा अक्सर परमात्मा से मिलने की जिद किया करता था। उसे परमात्मा के बारे में कुछ भी पता नहीं था पर मिलने की तमन्ना भरपूर थी। उसकी चाहत थी कि एक समय की रोटी वो परमात्मा के साथ खाए। एक दिन उसने थैले में ५ ६ रोटियां रखीं और परमात्मा को ढूंढने निकल पड़ा। चलते चलते दूर निकल गया। संध्या हो गई। उसने देखा नदी के तट पर एक बुजुर्ग बैठे हैं जिनकी आंखों में गजब की चमक थी प्यार था और लग रहा था जैसे वहां बैठे उसका रास्ता ही देख रहे हों। छह साल का वो मासूम बालक बुजुर्ग के पास जा कर बैठ गया अपने थैले में से रोटी निकाली और खाने लग गया। और उसने अपना रोटी वाला हाथ बूढ़े की ओर बढ़ाया और मुस्कुरा के देखने लगा बूढ़े ने रोटी ले ली बूढ़े के झुर्रियों वाले चेहरे पे अजीब सी खुशी आ गई। आंखों में खुशी के आंसू भी थे बच्चा बूढ़े को देखे जा रहा था जब बूढ़े ने रोटी खा ली तो बच्चे ने १ और रोटी बूढ़े को दी। बूढ़ा खुश था। बच्चा भी बहुत खुश था। दोनों ने आपस में स्नेह के पल बिताए। जब रात घिरने लगी तो बच्चा इजाजत ले घर की ओर चलने लगा वो बार–बार पीछे मुड़ कर देखता! तो पाता बुजुर्ग उसी की ओर देख रहा था। बच्चा घर पहुंचा तो मां ने अपने बेटे को आया देख जोर से गले से लगा लिया और चूमने लगी बच्चा बहुत खुश था। मां ने अपने बच्चे को इतना खुश पहली बार देखा तो खुशी का कारण पूछा तो बच्चे ने बताया! मां आज मैंने परमात्मा के साथ बैठ कर रोटी खाई आपको पता है उन्होंने भी मेरी रोटी खाई.मां परमात्मा बहुत बूढ़े हो गए हैं।

अमृत कलश

सबको अपने में समाहित कर लेना ही धर्म है

आपके कर्मों से ज्यादा-से-ज्यादा लोगों का भला हो और फिर उसी हिसाब से कर्म करिए। जब बाहरी क्रिया-कलापों की बात आती है, तो उस पल के लिए उचित निर्णय लेना ही धर्म है। कोई यह तय नहीं कर सकता कि क्या सही है और क्या गलत। धर्म की व्याख्या प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने ढंग से करता है। इसलिए इसके रूप को लेकर मतभेद रहते हैं। लेकिन शाश्वत धर्म किसी भी परिभाषा से ऊपर है। यह व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़ता है। अपने 'मैं' और तुम्हारे 'तुम' से मुक्त होकर सबको अपने में समाहित कर लेना ही वास्तविक धर्म है। धर्म क्या है? कृष्ण के जीवन में बहुत लोगों ने उनसे यह प्रश्न पूछा था। जब द्रौपदी का विवाह होने वाला था, तो उन्होंने हर संभव कोशिश की कि द्रौपदी का विवाह पांच पांडवों से हो। उस वक्त द्रौपदी ने उनसे पूछा, 'आपको पता है धर्म क्या है?' एक बार कृष्ण ने भीम से कहा था, 'हस्तिनापुर दुर्योधन के लिए छोड़ दो। चलो हम नया नगर बसाएंगे।' इस पर भीम ने जवाब दिया, 'आप देशद्रोही हैं। मैं दुर्योधन को मार डालना चाहता हूं और आप मुझसे यह कह रहे हैं कि मैं यह राज्य उसके लिए छोड़ कर चला जाऊं। कहीं और जाकर अपना राज्य बसाऊं।' धर्म के बारे में आप क्या जानते हैं? अर्जुन और बहुत से दूसरे लोगों ने भी ऐसे ही सवाल उठाए। लोगों ने कृष्ण से पूछा, 'क्या आपको वास्तव में पता है कि धर्म क्या है?' कृष्ण ने हर किसी को धर्म के बारे में विस्तार से समझाया। मैं उनके एक-एक उत्तर की बात तो नहीं करूंगा, लेकिन उन्होंने सामान्य तौर पर यह कहा कि, अभी इस पल के कर्म के मामले में धर्म क्या है, यह मैं भी नहीं जानता, क्योंकि कर्म परिस्थितियों पर आधारित होते हैं। हालांकि हम इसके बारे में सही-गलत का फैसला करते हैं, लेकिन बाहर से देखने पर हम थोड़े-बहुत गलत भी हो सकते हैं। लेकिन जब बात अपने स्वधर्म (जीवन में खुद का कर्तव्य) की आती है, यानी मैं स्वयं अपने अंदर कैसे रहूं, तो उसके बारे में मैं पूरी तरह स्पष्ट हूं।

नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है

मोदी का नया मंत्रः देरी विकास का दुश्मन

उमेश चतुर्वेदी

> प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया।

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है। लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता

के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया। प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास का दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी। देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। 'देरी, विकास का दुश्मन है' के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को 'तेज और निडर भारत' के रूप में देख रही है।

कुछ अलग

बेहाल बुजुर्ग

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है।

देश दुनिया से

कम न हो पाएंगे यमुना के दुःख-दर्द

पहली बार में दिल्ली की यमुना पर सफेद झाग नजर आते हैं। थोड़ा करीब से देखें तो पानी निपट काला नजर आता है। खासकर कालिंदी कुंज पर तो लगता था कि यह नदी नहीं, बर्फ का ढेर हो। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना को साफ करने के मुद्दे पर खूब चर्चा हुई, होनी भी चाहिए थी क्योंकि केजरीवाल सरकार ने इस बारे में बहुत से दावे किए लेकिन नतीजा सिफर रहा था। लेकिन आश्चर्य तब हुआ जब चुनावी नतीजे आते ही, बगैर सरकार के गठन के यमुना में कुछ ऐसी मशीन तैरती दिखीं जो कचरा साफ कर रही थीं। वैसे तो ऐसा कचरा यदि कोई भी नदी अविरल रहे और उसमें बरसात के दिनों में दो-चार बाढ़ आ जाये तो खुद-ब-खुद किनारे लग जाता है। सभी जानते हैं कि आप सरकार के दौरान दिल्ली में आधा राज तो 'लपटन साब' अर्थात लेफ्टिनेंट गवर्नर का चलता रहा है। फिर यह मशीन उतारने के लिए सरकार बदलने का इंतज़ार क्यों किया गया? कड़वा सच तो यह है कि यमुना के दर्द से जब जनता बेपरवाह हुई और महज छठ के आसपास इसकी याद आने लगी तो राजनीतिक दलों ने भी इसे गम्भीरता से लेना छोड़ दिया। यह समझना होगा कि बीते दो दशकों से दिल्ली में हरियाणा से दिल्ली आने वाली यमुना में साल में कम से कम 10 बार अमोनिया की मात्रा बढ़ती है। यह भी समझना होगा कि साल दर साल यमुना में पानी की मात्रा कम हो रही है, जबकि उसके किनारे बसे शहरों-बस्तियों की आबादी बढ़ रही है। जाहिर है कि वहां से निकलने वाले जल-मल में भी वृद्धि हो रही है और कड़वा सच यह है कि यह आधे अधूरे ट्रीटमेंट के बाद यमुना में मिल रहा है। एक तरफ हम यमुना से ज्यादा पानी ले रहे हैं, दूसरा हम

इसमें अधिक गंदगी डाल रहे हैं, तीसरा इसमें पानी कम हो रहा है। वैसे दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने इस साल यमुना के मद में 500 करोड़ का प्रावधान रखा है लेकिन कोई ठोस योजना प्रस्तुत की नहीं। लेकिन यमुना की जमीनी हकीकत को परे रखकर जिस तरह अहमदाबाद के साबरमती फ्रंट की तर्ज पर दिल्ली की यमुना को दमकाने की योजनाएं सरकार के खजाने से बाहर आईं उससे जाहिर हो गया कि यमुना में निर्मल जल और विशाल जलनिधि के बनिस्बत उसकी भूमि छुड़ाकर उसका व्यावसायिक इस्तेमाल करने की मंशा है। वैसे एनजीटी सन् 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रही। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास 'बांस घर' के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। और अब यही सराय कालेखां के सामने 22 एकड़ का जो रिवर फ्रंट बनाने की बात है, वह भी एनजीटी के आदेश की खुली अवहेलना ही होगा। दिल्ली में यमुना कोई 52 किलोमीटर का सफर तय करती है। सराय कालेखां तक आने में उसका आधा सफर हो जाता है और इसमें ही अधिकांश नाले, औद्योगिक कचरा आदि मिलता है। आईटीओ पुल पर पहुंचते ही यह मृतप्राय हो जाती है। इसमें घुलित ऑक्सीजन की मात्रा नहीं मिलती है। यानी ऑक्सीजन शून्य है। किसी भी नदी की जीवनधारा के लिए घुलित ऑक्सीजन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के किसी भी हिस्से में यमुना जल मनुष्यों के उपयोग के लायक नहीं है। यहां फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा भी मानक स्तर से कहीं ज्यादा है। इससे पहले ही श्मशान घाट है और इससे पहले ही, कभी अरावली से आने वाली साहबी नदी और नजफ़गढ़ वेट लेंड की बीच का चैनल रहे और अब सबसे दूषित नाला बन गया नजफ़गढ़ ड्रेन भी है। एक नजर में स्पष्ट हो जाता है कि सरकार का असली मन्तव्य समूची नदी को पावन बनाने की जगह सबसे पहले इसके पाट को काम कर इसे संकरी नहर में बदलना है। फिर नदी से ली गई जमीन पर दुकानें खोलना और उससे पैसा कमाना है। दिल्ली में बहने वाली नदी की लंबाई के दो प्रतिशत से भी कम को चमका कर लोगों को मुगालते में रखने की यह परियोजना कम से कम यमुना के आंसू तो पोंछ नहीं पाएगी। यहां जानना जरूरी है कि यमुना नदी के आसपास की भूगर्भ संरचना कठोर चट्टानों वाली नहीं है। यहां की मिट्टी सरंध्र है। नदी में प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण इसमें कई फुट गहराई तक गाद भरी है, जो कि नदी के जलग्रहण क्षमता को तो कम कर ही रही है, साथ ही पानी के रिसाव के रास्ते भी बना रही है। इसका परिणाम यमुना के तटों पर दलदली भूमि के विस्तार के तौर पर देखा जा सकता है। जब व्यापक निर्माण के कारण यमुना के उद्गम, पहाड़ों पर जम कर जंगल काटे गए और इस तरह हुए पारिस्थितिकी हानि के कुप्रभाव से नदी भी नहीं बच सकती। महज सिंचाई और बिजली के सपने में यमुना हरियाणा में आने से पहले ही हार जाती है।

भारत की विरासत

आगरा

आगरा किला

यदि आप मुगलों के इतिहास को थोड़ा और करीब से देखना चाहते हैं, तो आगरा किला घूमने जाएं, जो भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है, जिसे मुगल सम्राट अकबर ने वर्ष 1665 में पूरी तरह से लाल बलुआ पत्थर से बनवाया था। इस ऐतिहासिक स्थल के दो द्वार हैं; एक अमर सिंह द्वार और दूसरा दिल्ली द्वार। यदि आप मस्जिदों, प्रवेशद्वारों, दरबारों और मार्गों से भरे प्राचीन शहर को देखना चाहते हैं, तो आपको अमर सिंह द्वार से प्रवेश करना चाहिए। आगरा किला आगरा में घूमने के लिए सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है और इसका उपयोग ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय अभिनीत लोकप्रिय फिल्म जोधा अकबर की शूटिंग के समय किया गया था।

दृष्टि कोण

सही नहीं धर्म राष्ट्र एवं संप्रदाय को व्यापार से जोड़ना

बाबा रामदेव एक बार फिर चर्चा में हैं। वैसे वे ऐसे बाबा हैं जिन्हें चर्चा में रहने के 'फन' में उस्तादी हासिल है। कभी साइकिल के करियर पर लकड़ी की संदूकची रखकर चूरण और दवाइयां बेचने वाला हरियाणा का दुबला पतला यदुवंशी दाढ़ीधारी रामदेव नाम का साधु जैसा व्यक्ति किस तरह देखते ही देखते पतंजलि योगपीठ स्थापित करके अरबों रुपए के संस्थान का सर्वेसर्वा हो गया, यह इस देश ने देखा है। पूरे देश में अपनी लच्छेदार बातों और घने काले बालों के साथ योग प्रदर्शन करने वाले रामदेव ने बेशक योग को घर-घर पहुंचाने का काम किया है। शुरुआती दौर में उनके साथी रहे कर्मवीर आज भी हरियाणा में योग सिखा रहे हैं लेकिन न चर्चा में हैं और न ही उन्होंने कोई बड़ा औद्योगिक संस्थान खड़ा किया है. बस उनका काम धंधा चल रहा है जबकि रामदेव का साथ निभा रहे आचार्य बालकृष्ण कभी नेपाली मूल के होने एवं भारत में अवैध प्रवास करने के आरोपी होने के बाद भी मजबूती के साथ उनके साथ खड़े हैं। बाबा रामदेव ने कुशल प्रबंधन, चतुराई भरा प्रचार, अपने उत्पादों में घोली गई राष्ट्रवाद की चाशनी, केंद्र एवं प्रदेश सरकारों के साथ गज़ब का संयोजन एवं समायोजन अपनाते हुए पतंजलि योगपीठ को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि बीच में उन्होंने कांग्रेस सरकार को आंखें भी दिखाने की कोशिश की लेकिन कपिल सिब्बल के कठोर रुख के चलते उन्हें सलवार पहन कर भागना भी पड़ा था। लालू यादव एवं वृंदा करात भी एक समय उनके पीछे पड़े और उनके सबसे प्रसिद्ध उत्पादों में से एक दंतकांति टूथपेस्ट जिसे वह आज विज्ञापनों में 'टूथपेस्ट' कह रहे हैं, में हड्डियों का चूरा होने के आरोप भी उन पर लगे हैं तो साथ ही साथ पतंजलि के शहद के भी गुणवत्ता के मानकों पर घटिया होने के चर्चे भी बाजार में आए लेकिन यह बाबा का चतुर प्रबंधन ही रहा कि उन पर न कोई आंच आई और न ही उनके उत्पादों पर। आज बाबा रामदेव केवल योग के सहारे नहीं है बल्कि वह एक मल्टीपरपज उत्पाद संस्थान की प्रतिमूर्ति के रूप में डटकर खड़े हैं जिनमें आयुर्वेदिक दवाइयां, कॉस्मेटिक क्रीम, पाउडर, शक्ति वर्धक औषधीयां, खाद्य

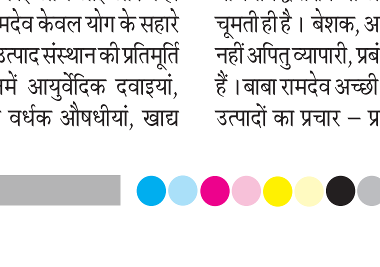

पदार्थ, शीतल पेय, कपड़े, मसाले और भी न जाने कितने ही उत्पाद उन्होंने पतंजलि के माध्यम से दिए हैं। साबुन, सर्फ, टॉयलेट क्लीनर, बर्तन साफ करने वाले उत्पाद, साबुन तेल फुलेल आदि क्या नहीं शामिल है, यानी बाबा ने जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा न छोड़ने का संकल्प लिया है जिसमें पतंजलि के उत्पादन न खप सकें। भले ही बाबा रामदेव की शिक्षा दीक्षा कैसी भी रही हो लेकिन उनकी व्यापारिक समझ देश की बड़ी से बड़ी कंपनी के एमबीए या सीईओ पदधारक पढ़े लिखे लोगों को आईना दिखाने वाली है और उन्होंने सिद्ध किया है कि लग्न, संकल्प एवं जुनून के साथ यदि योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जाए तो फिर सफलता कदम चूमती ही है। बेशक, आज बाबा एक बहुत सफल योगाचार्य ही नहीं अपितु व्यापारी, प्रबंधक एवं सफल सीईओ बनकर सामने हैं। बाबा रामदेव अच्छी तरह से जानते हैं कि अपना एवं अपने उत्पादों का प्रचार – प्रसार कैसे किया जाए। चाहे सोशल मीडिया, टेलीविजन, अख़बार, पत्रिकाएं एवं दूसरे मंचों से विज्ञापन देने हों या फिर कोई विवाद खड़ा करके चर्चा पानी हो, रामदेव हर तरह की रणनीति से अच्छी तरह न केवल वाक़िफ हैं अपितु उसका उपयोग करना भी जानते हैं और अपने इन सब आजमाए हुए तरीकों की बदौलत वे एक बड़ी हस्ती बन चुके हैं मगर अति महत्वाकांक्षा के चलते हुए कई बार खुद को अनावश्यक रूप से विवादास्पद भी बनाते रहे हैं एवं अपने लिए ही संकट भी खड़ा कर लेते हैं या फिर यूं कहिए कि यह भी उनके रणनीति है और वह आपदा पैदा करके उसे अवसर में तब्दील करने की कला अच्छी तरह से जानते हैं। इन दिनों बाबा शरबत जेहाद के अपने बयान के चलते सुर्खियों में हैं। हालांकि उन्होंने किसी उत्पाद का या उत्पादक का नाम नहीं लिया लेकिन इशारों ही इशारों में देश भर में सबसे ज्यादा एवं सबसे लोकप्रिय शरबत पर प्रहार कर दिया है। अब यह तो सब जानते हैं कि वह कौन सा शरबत है जिसका उत्पादन मुस्लिम उद्योगपति करते हैं एवं दूसरे कई बड़े औद्योगिक घरानों के उत्पादों के बावजूद यह उत्पाद आज भी सबसे ऊपर नज़र आता है और उसके प्रयोग करने वाले मानते हैं कि उसके पीने से रूह अफजा होती है।

टैरिफ की मार से बेहाल कैलीफोर्निया ने ट्रम्प सरकार के खिलाफ किया मुकदमा

कैलीफोर्निया ,17 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ की मार से अन्य देश ही नहीं, बल्कि अमेरिका के राज्य भी काफी परेशान हैं। हालात यह हैं कि कैलीफोर्निया राज्य ने लगाए गए टैरिफ पर रोक के लिए संघीय अदालत में मुकदमा दायर कर दिया है।

राज्य सरकार ने कहा: राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार ही नहीं

राज्य का आरोप है कि राष्ट्रपति ने शक्तियों का गलत प्रयोग किया है। इससे उनके राज्य ही नहीं बल्कि पूरे अमेरिका की अर्थ व्यवस्था को काफी नुकसान पहुंच रहा है।

बीते दनों डोनाल्ड ट्रम्प ने दस फीसदी से लेकर ऊंची दरों पर टैरिफ लगाए हैं। इस टैरिफ से अमेरिका के कमोवेश सभी राज्य परेशान हैं, लेकिन अभी कैलीफोर्निया खुलकर टैरिफ के विरोध में आ गया है। संघीय अदालत में दायर मुकदमे में कैलीफोर्निया स्टेट ने कहा कि संविधान के मुताबिक टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस के पास है। राष्ट्रपति के पास इसका कोई अधिकार ही नहीं हैं ।राष्ट्रपति ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट की दलील देकर टैरिफ लगाया है, जो कि गलत है। यह कानून राष्ट्रपति को उनके मन मुताबिक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। गौरतलब है कि कैलिफोर्निया अमेरिका में सबसे अधिक सामान आयात करता है। यहां के 12 बंदरगाहों के जरिए 40 फीसदी आयात होता है। इसलिए टैरिफ लगाने से सबसे अधिक यह राज्य ही प्रभावित हुआ है। इस टैरिफ से राज्य की अर्थ व्यवस्था के साथ ही नौकरियों पर भी असर पड़ सकता है।

उधर मामला अदालत तक जाने पर व्हाइट हाउस ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। सरकारी प्रवक्ता कुश देसाई ने कैलीफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजम से कहा कि उनके राज्य में अपराध चरम पर है। महंगाई की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। उन्हें राज्य की समस्याओं पर ध्यान दें, न कि टैरिफ को रोकने के प्रयास करनी चाहिए। उनका यह कदम किसी भी सूरत में उचित नहीं कहा जा सकता।

न्यूज ब्रीफ

रूस ने किया हमला: खेरसान में एक की मौत, नौ घायल

कीव। रुस लगातार यूक्रेन पर हमले कर रहा है। लोग मारे जा रहे हैं और शांति के प्रयास लगातार असफल होते जा रहे हैं। यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसान पर बुधवार को रूस ने ग्लाइड बम और तोपों से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारी ओलेक्सांद्र प्रोकोडिन ने बताया कि सुबह पहले रूस ने बमबारी की और जब बचाव दल मौके पर पहुंचे, तो रूसी सेना ने दोबारा तोपों से हमला कर दिया। प्रोकोडिन ने कहा, यह रूस की एक सोची-समझी चाल है ताकि घायलों को बचाया न जा सके और डॉक्टरों, पुलिस और बचाव कर्मियों को नुकसान पहुंचे।

टैरिफ की मार से परेशान अमेरिकी राज्य ने खटखटाया अदालत का दरवाजा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेशों से केवल दुनियाभर के देश परेशान नहीं हैं बल्कि खुद अमेरिका भी इन दिक्कतों से अछूता नहीं है। कैलिफोर्निया ने ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को रोकने के लिए संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। राज्य का आरोप है कि ट्रंप ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है और इससे न केवल कैलिफोर्निया बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है। कैलिफ़ोर्निया अमेरिका में सबसे ज्यादा सामान आयात करता है और जिसकी 12 बंदरगाहों के जरिए 40 प्रतिशत आयात होता है, सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। 2022 में कृषि निर्यात 23.6 बिलियन डॉलर था, जो अब खतरे में है और इससे हजारों नौकरियों पर असर पड़ सकता है।वाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कैलिफ़ोर्निया के ऐक्शन पर गवर्नर गैविन न्यूजम पर निशाना साधते हुए कहा, उन्हें अपने राज्य की अपराध, बेघरपन और महंगाई की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, न कि ट्रंप के टैरिफ्स को रोकने की कोशिश करनी चाहिए। कैलिफोर्निया स्टेट द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया है कि टैरिफ लगाने का अधिकार संविधान के अनुसार कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। ट्रंप ने एक्ट का हवाला दिया, लेकिन यह कानून राष्ट्रपति को अपने मन से सभी वस्तुओं पर टैक्स लगाने की इजाजत नहीं देता। नए टैरिफ्स से शेयर बाजार और बांड मार्केट में भारी गिरावट आई है, जिससे अरबों डॉलर की पूंजी नष्ट हो गई। ट्रंप ने सभी देशों से आने वाले सामानों पर 10प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। कुछ देशों के लिए जो अमेरिका के आयात पर ऊंची बाधाएं लगाते हैं, उनके लिए यह दर और ज्यादा है। इसके अलावा, चीन पर 245 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है, हालांकि कुछ इलेक्ट्रॉनिक सामानों को इससे छूट मिली है।

जहां भारतीयों की एंट्री बंद थी वहीं लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा

ब्लूमफोनटेन। दक्षिण अफ्रीका के फ्री स्टेट प्रांत की राजधानी ब्लूमफोनटेन में अब महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा शान से खड़ी है। यह वही इलाका है, जहां रंगभेद कानूनों के चलते एक सदी से ज्यादा समय तक भारतीयों का प्रवेश वर्जित था। महात्मा गांधी की यह प्रतिमा मशहूर मूर्तिकार पद्मभूषण रामवांगी सुतार ने बनाई है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने इसे आंग्ल-बोअर युद्ध संग्रहालय को दान किया। 11 अप्रैल को भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने आंग्ल-बोअर युद्ध संग्रहालय में इसका अनावरण किया। इस मौके पर भारतीयों की इस युद्ध में भूमिका पर एक डॉक्युमेंट्री और किताब भी जारी की गई। 1994 में नेल्सन मंडेला के राष्ट्रपति बनने से पहले इस प्रात को पहले ऑरेंज फ्री स्टेट कहा जाता था और यहां कानूनी रूप से भारतीयों का प्रवेश वर्जित था। यहां तक कि जो भारतीय डर्बन जैसे शहरों की तरफ जाते थे, उन्हें भी यहां से गुजरने के लिए पहले से इजाजत लेनी पड़ती थी ।

50 लाख साल पहले आई भयावह बाढ़ ने सूख चुके भूमध्य सागर को पानी से भर दिया : शोध

लंदन,17 अप्रैल (एजेंसियां)।

करीब 50 लाख साल पहले धरती पर एक ऐसी विनाशकारी घटना हुई, जिसने न सिर्फ भूगोल को बदल दिया बल्कि आज के भूमध्य सागर का जन्म को भी तय किया। वैज्ञानिकों के अनुसार तब भूमध्य सागर पूरी तरह सूख चुका था और यह इलाका एक विशाल, गर्म, सूखी और नमकीन घाटी जैसा था। अटलांटिक महासागर से संपर्क टूटने के कारण यहाँ का जल स्तर हजारों फीट नीचे चला गया और नमक की मोटी परतें समुद्र तल पर जम गई। इस सूखे काल को 'मेसिनियन नमक संकट' बताया गया। परंतु यह संकट तब खत्म हुआ जब अटलांटिक महासागर का पानी एक विशाल बाढ़ के रूप में घाटी में घुस आया।

इस बाढ़ को ज़ैंकलीन मेगाफ्लड के नाम जाना गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह बाढ़ जिब्राल्टर की जगह से आई, जहां आज अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर आपस में मिलते हैं। बाढ़ की रफ्तार इतनी तेज थी कि पानी एक किलोमीटर ऊंची ढलान से गिरा और इसकी गति एक तेज रफ्तार कार से भी ज्यादा थी। इतना ही नहीं पानी ने अपने रास्ते में इतनी गहरी खाई बनाई, जितनी ऊंची आज की गगनचुंबी इमारतें होती हैं। इतना सारा पानी कुछ सालों या शायद कुछ महीनों में पूरे सूखे भूमध्य बेसिन को भर गया। जब यह बाढ़ चरम पर थी, तब इसमें अमेज़न नदी से करीब 1,000 गुना अधिक पानी बह रहा था।

2009 में वैज्ञानिकों ने बताया कि जिब्राल्टर के पास समुद्र के नीचे एक बड़ी घाटी का पता लगाया, जो शायद विशाल बाढ़ के कारण बनी थी। हाल ही में वैज्ञानिकों ने ज़ैंकलीन युग की तलछटी चट्टानों की जांच की, जिनसे यह स्पष्ट हुआ कि कैसे पानी ने सिसिली और अफ्रीका के बीच की जमीन को पार कर पूर्वी भूमध्य सागर को भी भरा। सिसिली के दक्षिणी हिस्से में वैज्ञानिकों ने असामान्य आकृतियों वाली पहाड़ियों का अध्ययन किया, जो वाशिंगटन (अमेरिका) में पिछली बर्फीली महाबाढ़ से बनी पहाड़ियों जैसी थीं। वहां मिली चट्टानें और कटाव इस बात का संकेत देती हैं कि यह इलाका भी एक भयानक बाढ़ से गुजरा था। वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि पानी की रफ्तार 115 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती थी और यह 40 मीटर तक गहराई में जमीन को काटता हुआ बहा। एक अनुमान के अनुसार हर सेकंड 1 करोड़ 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी इस बाढ़ में बह रहा था। यह आंकड़ा इसकी पुष्टि करता है कि यह पृथ्वी के इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ों में से एक रही होगी। इसने न केवल समुद्र का रूप बदला बल्कि जीव-जंतुओं की प्रजातियों पर भी गहरा असर डाला। भूमध्य सागर की आज की संरचना इसी घटना की देन है।

बेटियों से उनका आईपैड लेना, मां को पड़ गया इतना भारी

लंदन। ब्रिटेन से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां इतिहास की टीचर को गिरफ्तार किया गया। टीचर की गिरफ्तारी का कारण ही सबसे चौंकाने वाली वजह है। दरअसल उन्होंने अपनी बेटियों से उनका आईपैड छीन लिया था। वेनेसा ब्राउन ने बेटियों से उन्हें पढ़ाई पर ध्यान देने का कहकर उनका आईपैड अपने पास रख लिया था। इसके बाद क्या पुलिस ने उन्हें मामले में चोर करार देकर सात घंटे तक सलाखों के पीछे रखा। उनकी 80 साल की मां के साथ अपराधी जैसा बर्ताव किया गया। वेनेसा ने पूरे घटना को नर्क जैसा अनुभव बताया। इसके बाद में उन्हें जमानत की शर्तों के साथ रिहा किया गया। शर्तों में मामला खत्म होने तक उन पर जांच से जुड़े किसी भी व्यक्ति से बात करने पर रोक लगाई गई। पुलिस ने कहा कि इन डिवाइसों की खोज तब शुरू हुई जब 40 वर्ष के एक व्यक्ति ने दो आईपैड चोरी होने की सूचना दी। 26 मार्च को वेनेसा ने अपनी बेटियों के आईपैड इसलिए छीन लिए, ताकि वे पढ़ाई पर ध्यान दें। ये आईपैड उन्होंने अपनी मां के घर में रख दिए। ब्राउन ने बताया, मैं अब भी इस बारे में सोचकर सिहर जाती हूं। पुलिस को एक पल के लिए भी नहीं लगा कि ये मामला इतना बड़ा नहीं। मैंने बस अपने बच्चों के आईपैड रखे थे और मम्मी के घर कॉफी पीने गई थी। लेकिन पुलिस ने मामले में चोरी का केस बना दिया। उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाकर तलाशी ली गई, फिंगरप्रिंट लिए गए, और जेल में डाल दिया गया। सात घंटे तक वह जेल में रहीं। इस दौरान मैं सदमें में थी, जैसे मेरी जिंदगी ही छिन गई हो। हद तब हो गई, जब वेनेसा को जेल में डालकर भी पुलिस नहीं रुकी। उन्होंने वेनेसा की एक बेटी को स्कूल जाकर उसकी क्लास से बाहर निकाल लिया, ताकि मामले की जांच हो सके। वेनेसा ने कहा, 'मेरे इलाके में चोरी, हमले और हिंसा के अपराध की शिकायतों पर हफ्तों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। लेकिन मेरे खिलाफ झूठी चोरी की शिकायत पर पुलिस ने एक घंटे से भी कम में काम शुरू कर दिया। आखिर इतनी जल्दबाजी किस की चीज की थी' वेनेसा ने कहा, 'पुलिस का रवैया बेहद गैर-पेशेवर था। मेरी मां से इसतरह बात की, जैसे वे कोई खतरनाक अपराधी हों।

साल 2024 में 76 हजार से ज्यादा अकेले लोगों की हुई मौत

टोक्यो,17 अप्रैल (एजेंसियां)।

जापान में अकेली मौतों का संकट गहराता जा रहा है। इस देश में सामाजिक अलगाव और अकेलेपन की समस्या अब एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। साल 2024 में देशभर में 76,020 लोगों की मौत उनके घर में अकेले हुई, जिनमें से 76.4 प्रतिशत यानी तीन चौथाई से अधिक की उम्र 65 वर्ष या उससे अधिक थी। यह आंकड़े जापान की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी द्वारा जारी किए गए। आंकड़ों के अनुसार, अकेली मौतों के सबसे अधिक मामले 85 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों में सामने आए, जिनकी संख्या 14,658 रही। इसके बाद 75-79 वर्ष के आयु वर्ग में 12,567 और 70-74 वर्ष के लोगों में 11,600 मौतें दर्ज की गईं। हैरान करने वाली बात यह रही कि इनमें से लगभग 39.2 प्रतिशत शव 24 घंटे के भीतर मिल गए, लेकिन 7.8 प्रतिशत मामलों यानी 4,538 लोगों के शव एक महीने से भी अधिक समय तक उनके घरों में पड़े रहे, जिनका किसी को पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक, इन मौतों का पता अधिकतर तब चला जब लंबे समय तक डाक इकट्ठा होती रही या पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने व्यक्ति से संपर्क न हो पाने पर चिंता जताई। क्षेत्रवार आंकड़ों में सबसे ज्यादा अकेली मौतों के मामले टोक्यो (7,699) में दर्ज किए गए। इसके बाद ओसाका (5,329), कानागावा (3,659) और आइची (3,411) रहे। यह पहली बार है जब जापान में अकेली मौतों को लेकर इस तरह के आंकड़े आधिकारिक रूप से संकलित किए गए हैं। सरकार अब इन आंकड़ों के आधार पर अकेलेपन और सामाजिक अलगाव की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए नई नीतियां तैयार करने की योजना बना रही है। गौरतलब है कि जापान लंबे समय से कोडोकुशी यानी अकेली मौत की समस्या से जूझ रहा है। यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल होता है जो अकेले जीवन बिताते हुए इस दुनिया से चले जाते हैं और जिनकी मौत का पता काफी समय तक किसी को नहीं चलता। यह मुद्दा पहली बार 1980 के दशक में व्यापक रूप से सामने आया था ।

काठमांडू में दो करोड़ के अवैध सोने- चांदी के गहने सहित नौ भारतीय गिरफ्तार

नेपाल के काठमांडू से दो करोड़ रुपये से अधिक के सोने और चांदी के गहने सहित नौ भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह राजधानी के विभिन्न स्थानों सोना और चांदी की अवैध बिक्री कर रहे थे। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता अपील बोहरा कहा कि पुलिस कार्रवाई के दौरान छापा मार कर एक किलो 76.518 ग्राम सोना तथा एक किलो 845.429 ग्राम चांदी जब्त की गई है। जब्त किए गए सोने की कीमत एक करोड़ 70 लाख रुपए, जबकि चांदी की कीमत 30 लाख रुपये है। इसके अलावा उनके कब्जे से 8 लाख 27 हजार रुपये नेपाली करेंसी और 91 हजार 700 रुपये भारतीय करेंसी बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 30 वर्षीय नव नाथ बाकू कासिद, संदीप पोपट हजारे 20 वर्ष, अंसार दिलावर सिकलगर 22 वर्ष, सुरेश राजेश मदने 18 वर्ष, अरमान हनीफ इमांडया 21 वर्ष, मनोज सुभाष सकत 22 वर्ष, अमोल कुमार गोस्ले 38 वर्ष, सुनील मितकारी 20 वर्ष और सूरज नंदीवाली 20 वर्ष शामिल हैं।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी भारतीय नागरिक महाराष्ट्र से हैं और वर्तमान में काठमांडू में विभिन्न स्थानों पर रह रहे थे।

पाक चीफ ने उगला जहर, कहा-हम हिन्दुओं से हर क्षेत्र में अलग

इस्लामाबाद,17 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत और हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगला। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है। हमारे रीति रिवाज अलग हैं और हमारी संस्कृति व सोच भी अलग है। यह द्वि-राष्ट्र की आधार शिला है, जिसे डाला गया था। हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। पाकिस्तान के बनाने के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया। पाक सेना प्रमुख ने बीते दिन इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानियों के सम्मेलन में किसी मौलाना की तरह कहा कि पाकिस्तान की नींव कलमे के आधार पर रखी गई थी।

किसी को भी पाकिस्तान की इस कहानी को कभी नहीं भूलना है। इस बात को अपनी अगली पीढ़ी को बताएं, जिससे वह पाकिस्तान के साथ अपने जुड़ाव को महसूस कर सकें।

इसी तरह हमारी तीसरी, चौथी या फिर पांचवी पीढ़ी हो, सभी को पता होना चाहिए कि पाकिस्तान उनके लिए क्या है। उन्होंने कहा कि आज तक इंसानियत की तारीख में सिर्फ दो रियासतें हैं, जो कि कलमें की बुनियाद पर बनी हैं। पहले जो भी है वह रियासत है तैयबा। क्योंकि तैयबा को हमारे नबी ने नाम दिया था। कुरान में उसका नाम हैं यस रब, जिसे आज मदीना कहते हैं। दूसरी रियासत पाकिस्तान है। 1300 साल बाद अल्लाह ने इसकी बुनियाद कलमे पर रखी है। हैरत की बात तो यह रही कि जब आर्मी चीफ यह तकरीर कर रहे थे, उस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री समेत सभी बड़े नेता मौजूद थे। लेकिन किसी ने भी इस बात पर आर्मी चीफ को नहीं टोका।

कृत्रिम रंग गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं बच्चों के स्वास्थ्य पर

लंदन,17 अप्रैल (एजेंसियां)।

बच्चों को रंग-बिरंगे उत्पाद जितने सुंदर और स्वादिष्ट दिखते हैं, ये उनके लिए उतने ही खतरनाक भी हो सकते हैं। इन प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए जाने वाले आर्टिफिशियल फूड कलर यानी कृत्रिम रंग बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो इन उत्पादों में रेड 40, येलो 5,येलो6 और ब्ल्यू 1 जैसे सिंथेटिक रंगों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। ये रंग बच्चों में एलर्जी, त्वचा रोग, अस्थमा, पेट दर्द, नींद की कमी, डायरिया जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ मामलों में ये रंग बच्चों के ब्रेन फंक्शन और व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। बच्चों में अचानक चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी या गुस्से में बदलाव जैसे लक्षण देखे जा सकते हैं, जिसे कई बार माता-पिता सामान्य व्यवहार मानकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इन खाद्य पदार्थों में मौजूद रंग लंबे समय तक शरीर में रहकर धीरे-धीरे असर करते हैं। ऐसे में इनसे जुड़ी समस्याएं धीरे-धीरे उभरती हैं और माता-पिता को इसका पता तब चलता है जब स्थिति गंभीर हो जाती है। इसलिए सबसे पहले जरूरी है कि बाजार से किसी भी पैक्ड फूड को खरीदते समय उसका लेबल जरूर पढ़ें। अगर उसमें ई102, ई110, ई129 जैसे कोड या आर्टिफिशियल कलर का जिक्र हो, तो उसे बच्चों को देने से बचें। बच्चों को ताजा, घर का बना खाना दें जिसमें प्राकृतिक रंग और पोषण दोनों मौजूद हों। घर में भी आकर्षक रंगों वाला खाना चुकंदर, अनार, पालक, हल्दी, केसर, जामुन और ब्लूबेरी जैसी चीजों से तैयार किया जा सकता है।

अमेरिकी नीतियों से खफा ईरान चाहता है भारत से पक्की दोस्ती, पाक नहीं देता भाव

तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से पूरी दुनिया परेशान हो रही है। ईरान भी इसको लेकर काफी दिक्कतों को महसूस कर रहा है। ऐसे में ईरान भारत से नजदीकी रिश्ते और पाकिस्तान को अलग थलग रखने की कोशिश कर रहा है। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के संदेश से साफ पता चलता है कि ईरान ब्रिक्स देशों के संगठन में शामिल होना चाहता है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। पाकिस्तान पिछले कई वर्षों से ब्रिक्स में शामिल होने की कोशिश कर रहा है। चीन उसकी मदद करना चाहता है लेकिन भारत इसके पक्ष में नहीं है। अगर ईरान को इस ग्रुप में एंट्री मिलती है तो ब्रिक्स एक फौलादी इकॉनामिक ताकत बन कर उभर सकता है। ब्रिक्स में शामिल देशों का दुनिया के कुल व्यापार में लगभग 18 प्रतिशत और कुल जीडीपी में 32 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा है। इसमें चीन सबसे आगे है। चीन का निर्यात 2023 में 13प्रतिशत बढ़ा और उसका बड़ा हिस्सा उसकी अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। चीन अब तक सस्ते में अपना सामान अमेरिका में ठेल रहा था लेकिन ट्रंप टैरिफ के बाद ऐसा मुश्किल लग रहा है।इसलिए उसकी कोशिश भारत और रूस के साथ रिश्ते बढ़ाने की है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग कई बार हाथी और ड्रैगन के बीच डांस की बात कर चुके हैं। उन्हें पता है कि बदले माहौल में भारत का बड़ा मार्केट उनके लिए संजीवनी है। चीन और रूस के बीच व्यापार 2023 में रिकॉर्ड 240 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। चीन रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है और रूस इलेक्ट्रॉनिक्स खरीद रहा है। भारत और रूस का व्यापार भी बढ़कर 45 बिलियन डॉलर हो गया है, जिसमें तेल और उर्वरक जैसे खनिज उत्पादों की अहम भूमिका है। ब्रिक्स देशों के आपस में भी व्यापार बढ़ा है।

रायजा पहली बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचीं, पांचवें स्थान पर रहीं

नई दिल्ली , 17 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपियन रायज़ा ढिल्लों ने अपने करियर का पहला वर्ल्ड कप फाइनल खेलते हुए स्कीट महिला इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया और पांचवें स्थान पर रहीं। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप हासिल किया।

राइफल/पिस्टल/शॉटगन के दूसरे चरण के दूसरे दिन भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ चीन के बाद कुल तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया।

पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीतने वाली रायज़ा ने बुधवार को अपने पहले सीनियर वर्ल्ड कप फाइनल में मजबूत प्रदर्शन किया।

60 शॉट के फाइनल में उन्होंने 30 शॉट्स के बाद 26 हिट किए और बाहर हो गईं। उन्हें चीन की जियांग यीटिंग को पछाड़ना था, जो पेरिस ओलंपिक में मिक्स्ड टीम ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

रायज़ा को उच्चतम बिब नंबर का नुकसान भी झेलना पड़ा। उन्होंने पहले 20 में से 19 शॉट्स हिट किए, जिससे दूसरी चीनी फाइनलिस्ट चे यूफेई को पीछे छोड़ने में कामयाब रहीं।

शॉटगन की दिग्गज और तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किम्बरली रोड ने 56 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता, और अमेरिकी टीम ने इस इवेंट में 1-2-3 स्थान हासिल किया।

सामंथा साइमोंटन को स्वर्ण के लिए शूट-ऑफ में रोड से 1-2 से हारकर रजत से संतोष करना पड़ा, जबकि पूर्व विश्व चैंपियन डानिया जो विज़ी ने कांस्य पदक जीता। किम्बरली का यह 19वां व्यक्तिगत वर्ल्ड कप स्वर्ण और कुल मिलाकर 26वां स्वर्ण है, जिसमें डबल ट्रैप और मिक्स्ड टीम स्कीट शामिल हैं।

उनका यह प्रदर्शन बुधवार शाम लास पाल्मास रेंज में हुआ।

रायज़ा रातभर 10वें स्थान पर थीं और फाइनल की टॉप 6 में जगह बनाने के लिए उन्हें दो बेहतरीन राउंड की ज़रूरत थी। उन्होंने पहले राउंड में परफेक्ट 25 और फिर 24 का स्कोर किया, जिससे वह कज़ाखस्तान की ज़ोया क्रावचेंको के साथ 117 पर टाई कर गईं।

शूट-ऑफ में ज़ोया ने अपनी दूसरी शॉट मिस कर दी और रायज़ा ने छठी और आखिरी जगह हासिल कर ली। रायज़ा की साथी ग़नेमत सेखों ने उल्टा ग्राफ दिखाया। दिन की शुरुआत छठे स्थान से की, लेकिन 116 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर खत्म किया। दर्शना राठौर 110 अंकों के साथ 15वें स्थान पर रहीं।

न्यूज़ ब्रीफ

डे क्रिकेट अकादमी के लिए 20 अप्रैल को ट्रायल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन एचपीसीए द्वारा अंडर-19 डे क्रिकेट अकादमी धर्मशाला के लिए 20 अप्रैल को ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान वर्ष 2025-26 के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। ट्रायल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे से होंगे। ट्रायल में पूर्व वर्ष में चयनित खिलाड़ियों को भी भाग लेना होगा, उनकी प्रतिभा के तहत ही उन्हें आगामी वर्ष के लिए रिटेन किया जाएगा। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का जन्म एक सितंबर 2006 के बाद होना जरूरी है। साथ ही मात्र हिमाचली बोनोफाईड खिलाड़ी ही ट्रायल में भाग ले सकेंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को ट्रायल वाले दिन ही रजिस्ट्रेशन करवानी होगी। बिना पंजीकरण के ट्रायल में खिलाड़ी भाग नहीं ले पाएंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, बोनोफाईड हिमाचली व दो पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ लाने होंगे। अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार का अलांउस प्रदान नहीं किया जाएगा। उन्हें ट्रायल में भाग लेने के लिए अपनी क्रिकेट यूनिफार्म व किट लाना भी जरूरी होगा।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही इन सदस्यों को बाहर किये जाने की चर्चाएं थीं। इसका कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के साथ ही ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आना बताया जा रहा है। बोर्ड इस बात से सबसे अधिक नाराज था कि टीम की गोपनीय बातें कैसे बाहर आ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को हटा दिया है। नायर 8 महीने पहले ही भारतीय टीम से जुड़े थे। इसके अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई को भी बाहर कर दिया गया है। ये दोनों ही गत तीन साल से भारतीय टीम से जुड़े हुए थे। इनकी जगह पर शीघ्र ही नया सहायक स्टाफ रखा जाएगा।
एक साल से भी कम समय में सहयोगी स्टाफ को बाहर किये जाने का कारण टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आने को बताया गया है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा था और उसे 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। बीसीसीआई इस कारण भी नाराज थी कि ड्रेसिंग रूम की बातें बाहर आने से टीम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रह था और खिलाड़ियों के बीच मतभेद की आशंका बढ़ गयी थी।

श्रेयस ने अपने प्रदर्शन से केकेआर प्रबंधन को दिया करारा जवाब

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में अब तक कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में टीम मालिक शाहरुख खान व सीईओ वेंकी मैसूर और प्रबंधन कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं करने के लिए पछता रहे होंगे।

श्रेयस की कप्तानी में पिछली बार केकेआर ने खिताब जीता था। वहीं श्रेयस ने अपनी पुरानी फ्रैंचाइजी केकेआर को इस सत्र में हराकर अपनी उपेक्षा के लिए करारा जवाब दिया है। इस मैच के बाद श्रेयस केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर से भी मिले। तब अय्यर के साथ सुनील नरेन भी मौजूद थे। केकेआर से अलग होने के बाद श्रेयस अय्यर का अपनी पुरानी टीम के खिलाफ ये पहला मैच था। इसमें अय्यर ने अपनी शानदार कप्तानी से अपीन टीम को सिर्फ 111 रन बनाने के बाद भी जीत दिला दी।

मुंबई ने हैदराबाद को चार विकेट से हराया, दर्ज की तीसरी जीत

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां) । पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस आईपीएल 2025 में लय में लौटती दिख रही है। पहले 5 मैचों में चार हार झेलने के बाद हार्दिक पंड्या की टीम ने लगातार दो मुकाबले जीत लिए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई ने 6 विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाजी के लिए मुश्किल विकेट पर हैदराबाद की टीम ने 5 विकेट पर 162 रन बनाए। मुंबई ने 19 ओवर में 4 विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। स्कोर बराबर होने के बाद मुंबई ने दो विकेट खो दिए। 5 डॉट बॉल के बाद मुंबई की टीम लक्ष्य हासिल कर पाई। यह 7 मैचों में मुंबई की तीसरी जीत जबकि इतने ही मैचों में हैदराबाद की 5वीं हार है।हैदराबाद के बल्लेबाज चले ही नहीं

वानखेड़े स्टेडियम की पिच स्पिनरों को मदद मिल रही थी और तेज गेंदबाजों को धीमी गेंदों से फायदा मिल रहा था जिससे सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों को पारी में विकेट के अनुकूल ढलने में संघर्ष करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी में देर से लय हासिल की। टीम ने आखिरी पांच ओवरों में 57 रन बनाकर अंत में स्कोर में इजाफा किया। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने सटीक योजना बनाई जिसमें जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट झटका।

ट्रेंट बोल्ट ने फिर से अपनी यॉर्कर गेंद का फायदा उठाते हुए चार ओवर में 29 रन देकर एक विकेट झटका जबकि विल जैक्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। सनराइजर्स हैदराबाद को शुरू से ही संघर्ष करना पड़ा और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 28 गेंद में सात चौकों की मदद से 40 रन बनाए। पहले ओवर में दीपक चाहर की गेंद पर टीम के दोनों सलामी बल्लेबाजों को जीवनदान मिला।

अभिषेक का कैच पहली ही गेंद पर जैक्स ने छोड़ दिया जबकि चौथी गेंद पर कर्ण शर्मा भी ट्रैविस हेड का कैच लपकने में विफल रहे। अभिषेक ने पांचवें ओवर में चाहर की गेंदों पर तीन चौके जड़े, लेकिन वह लय में नहीं दिखे। आठवें ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर अभिषेक आउट हुए। जैक्स ने इसके बाद ईशान किशन का महत्वपूर्ण विकेट लिया जो मात्र दो रन पर स्टंप आउट हो गए।दूसरे छोर पर हेड खुलकर खेलने की पूरी कोशिश करने के बावजूद भी रन नहीं बना पाए।

वह 29 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। मुंबई इंडियंस ने इतना दबदबा बनाया हुआ था कि मैच का पहला छक्का 18वें ओवर में लगा जो सनराइजर्स की पारी का सबसे बेहतरीन ओवर रहा। इसमें हेनरिक क्लासेन (28 गेंद में 37 रन) ने 21 रन बनाये जिससे चाहर के आंकड़े को खराब कर दिया। अंतिम ओवर में अनिकेत वर्मा ने पंड्या पर दो छक्के लगाए और पैट कमिंस ने एक छक्का लगाकर 22 रन बटोरे।मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने मोहम्मद शमी के खिलाफ तीसरे ओवर में दो छक्के मारे। इसके बाद चौथे ओवर में पैट कमिंस के खिलाफ छक्का उड़ाया। 16 गेंदों पर 3 छक्के की मदद से रोहित 26 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने ही उनका विकेट लिया। पावरप्ले के बाद मुंबई का स्कोर एक विकेट पर 55 रन था।

संजू सैमसन की चोट ने राजस्थान रॉयल्स की हार में डाला बड़ा असर

नई दिल्ली , 17 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के दौरान राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन चोटिल हो गए और रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए।

छठे ओवर में लगी चोट, सुपर ओवर में भी नहीं उतरे सैमसन - राजस्थान रॉयल्स की 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू सैमसन जब शानदार लय में बल्लेबाज़ी कर रहे थे, तभी छठे ओवर में लेग स्पिनर विप्रज निगम की गेंद पर कट शॉट लगाने की कोशिश में उनकी पसलियों में खिंचाव आ गया। दर्द के चलते वह तुरंत मैदान पर ही अपने साइड को पकड़ते नज़र आए। अगली गेंद नो-बॉल थी और फ्री हिट पर सैमसन ने शॉट तो खेला लेकिन दौड़ नहीं पाए।

इसके बाद उन्होंने फिजियो की मदद ली और अंततः रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर चले गए। उस वक्त सैमसन 19 गेंदों में 31 रन बनाकर खेल रहे थे और यशस्वी जायसवाल के साथ 5.3 ओवर में 61 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप कर चुके थे।

सुपर ओवर में भी रहना पड़ा बाहर - संजू सैमसन चोट के बाद दोबारा बल्लेबाज़ी के लिए नहीं उतरे। सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से शिमरॉन हेटमायर, रियान पराग और यशस्वी जायसवाल बल्लेबाज़ी करने आए, लेकिन टीम केवल 11 रन ही बना सकी।

मैच के बाद सैमसन ने दी चोट पर अपडेट - मैच के बाद सैमसन ने अपनी चोट को लेकर कहा, फिलहाल ठीक लग रहा है। बस वापसी करने के लिए तैयार नहीं था। कल देखेंगे कैसा रहता है। उन्होंने माना कि स्कोर चेज़ किया जा सकता था लेकिन मिचेल स्टार्क की बेहतरीन डेथ ओवर गेंदबाज़ी ने खेल का रुख बदल दिया।

डब्लयूटीए 500 टेनिस टूर्नामेंट

रमनी में डब्लयूटीए 500 टेनिस टूर्नामेंट में रुस की मिरा एंड्रीवा खेलती हुई।

आर्सेनल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में , रियल मैड्रिड को 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

मैड्रिड , 17 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इंग्लिश क्लब आर्सेनल ने चैंपियंस लीग 2024-25 सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टरफाइनल में 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से मात दी। बुधवार रात हुए दूसरे लेग के मुकाबले में आर्सेनल ने 2-1 से जीत दर्ज कर 16 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से होगा। पहले लेग की बढ़त ने रखा मजबूत आधार आर्सेनल ने पिछले हफ्ते लंदन में खेले गए पहले लेग में 3-0 की बड़ी जीत दर्ज की थी, जिसका फायदा उन्हें मैड्रिड में मिला। मैच की शुरुआत से ही आर्सेनल ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और रियल मैड्रिड के आक्रामक खेल को ज़्यादा मौके नहीं दिए। साका ने चूकी पेनल्टी, फिर दागा पहला गोल पहले हाफ में आर्सेनल को पेनल्टी का मौका मिला जब वीएआर की मदद से

रियल के राउल असेंसियो द्वारा मिकेल मेरिनो को खींचने का मामला पकड़ में आया। हालांकि, साका का पेनल्टी किक थिबो कोर्टुआ ने रोक लिया। इस चूक के बाद साका ने दूसरे हाफ में 65वें मिनट में शानदार वापसी की और टीम के लिए पहला गोल दागा। विनीसियस जूनियर ने लौटाई उम्मीद, मार्टिनेली ने की निर्णायक वार साका के गोल के दो मिनट बाद ही विलियम सलीबा की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने बराबरी का गोल कर रियल को थोड़ी उम्मीद दी। लेकिन, स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे के चोटिल होकर मैदान छोड़ने से रियल मैड्रिड की मुश्किलें और बढ़ गईं। मैच के इंजरी टाइम में गेब्रियल मार्टिनेली ने आर्सेनल के लिए दूसरा और निर्णायक गोल कर रियल मैड्रिड की वापसी की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं।

रियल मैड्रिड का फीका प्रदर्शन

पिछले सीज़न में चैंपियंस लीग और ला लीगा डबल जीतने वाली रियल मैड्रिड इस बार अपनी लय में नहीं दिखी। पहले लेग में 3-0 की हार के बाद टीम मैड्रिड में भी ज़्यादा कुछ नहीं कर पाई। स्टार स्ट्राइकर एम्बाप्पे भी पूरी तरह लय में नहीं दिखे और आखिरी मिनटों में चोटिल होकर बाहर हो गए। आर्सेनल तीसरी बार सेमीफाइनल में आर्सेनल ने अब तक चैंपियंस लीग इतिहास में सिर्फ तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पिछली बार 2009 में टीम इस मुकाम पर पहुंची थी। अब उनका सामना पेरिस सेंट जर्मेन से होगा, जो इस सीज़न में भी दमदार लय में है।

इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को 4-3 से हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

मिलान, 7 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इंटर मिलान ने यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टरफाइनल के रोमांचक मुकाबले में बायर्न म्यूनिख को 4-3 के एग्रीगेट स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। बुधवार देर रात सान सिरो स्टेडियम में हुए दूसरे लेग का मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन पहले लेग में मिली 2-1 की जीत के चलते इटालियन चैंपियन इंटर ने अंतिम-4 में प्रवेश किया। अब इंटर का मुकाबला सेमीफाइनल में बार्सिलोना से होगा।

लौटारो और पावार्ड के गोल ने इंटर को दिलाई बढ़त

बारिश और तेज़ हवाओं के बीच खेले गए इस मुकाबले में पहले हाफ तक दोनों टीमों के बीच गोल नहीं हुआ। हालांकि, दूसरे हाफ में मुकाबला रोमांचक हो उठा। बायर्न के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने 52वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया

और मुकाबले को नई जान दे दी। इसके बाद इंटर के कप्तान लौटारो मार्टिनेज ने 58वें मिनट में गोल दागकर इंटर को फिर से बढ़त दिलाई। महज तीन मिनट बाद, बेंजामिन पावार्ड ने एक शानदार हेडर से गोल कर इंटर को निर्णायक बढ़त दिला दी। डायर ने दिलाई उम्मीद, लेकिन समर ने बचाई जीत 75वें मिनट में एरिक डायर ने बायर्न के लिए हेडर के जरिए गोल कर मुकाबले को फिर रोमांचक बना दिया। इसके बाद बायर्न ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया। स्टॉपेज टाइम में हैरी केन का हेडर इंटर के गोलकीपर यान समर ने शानदार तरीके से रोक लिया और यहीं से इंटर की जीत तय हो गई।

सान सिरो में दिखा अलग नज़ारा, ट्रेबल सपना ज़िंदा

इंटर मिलान के फैंस ने टिकट की बढ़ी कीमतों के विरोध में शुरुआती 20 मिनट तक स्टेडियम में सन्नाटा बनाए रखा। इसके बाद फैंस ने जोरदार शोर और गानों से अपनी टीम का हौसला बढ़ाया। इंटर अब 2010 के जोसे मोरिन्हो युग की तरह एक बार फिर से सीरी ए, चैंपियंस लीग और इटालियन कप ट्रेबल जीतने की ओर बढ़ रही है। टीम इस समय इटली की लीग टेबल में नेपोली से तीन अंकों की बढ़त बनाए हुए है और डोमेस्टिक कप के सेमीफाइनल में एसी मिलान से भिड़ने वाली है।

आईपीएल के सामने पीएसएल कहीं नहीं टिकता : बिलिंग्स

लाहौर। आजकल जहां भारत में (आईपीएल) की धूम है वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में सुपर लीग (पीएसएल) खेल जा रहा है। वैसे तो आईपीएल और पीएसएल में कोई मुकाबला नहीं है पर फिर भी दोनो की तुलना की जाती रही है। इसी को लेकर एक वीडियो आया है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग में भाग ले रहे इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स कहते हैं कि आईपीएल के सामने पीएसल कहीं नहीं टिकता। लाहौर कलंदर्स की ओर से खेल रहे बिलिंग्स ने कहा कि उनसे आईपीएल की तुलना पीएसएल से नहीं की जा सकती। साथ ही कहा कि आईपीएल के ग्लैमर के आगे पीएसएल कहीं नहीं है। केवल सिर्फ पीएसएल ही क्यों दुनिया की कोई भी टी-20 लीग आईपीएल की श्रेणी में नहीं आती। बिलिंग्स ने कहा कि वह चाहते हैं कि वह कुछ बेवकूफी की बात कहे, हालांकि, वह अपने रुख पर बने रहे और आईपीएल को दुनिया की किसी भी दूसरी टी-20 लीग से बेहतर बताया। बिलिंग्स ने रिपोर्टर से कहा, 'आप चाहते हैं कि मैं कुछ मूर्खतापूर्ण बात कहूं दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रतियोगिता के तौर पर आईपीएल को नजरअंदाज करना मुश्किल है, यह बहुत स्पष्ट है, हर दूसरी प्रतियोगिता उससे पीछे है।' वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब किसी पाक रिपोर्टर ने आईपीएल पर पूछा है। हाल ही में एक पाकिस्तानी रिपोर्टर ने कराची किंग्स के कप्तान डेविड वॉर्नर से आईपीएल में नहीं बिकने के बाद पीएसएल खेलने पर भारतीय प्रशंसकों से मिली नफरत के बारे में पूछा था। जिसके जवाब में वॉर्नर ने कहा था, 'मैंने पहली बार ऐसा सुना है, इस प्रकार की कोई बात नहीं है। मैं केवल क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

इस साल एफएमसीजी कंपनियों को राहत दे सकता है अच्छा मानसून

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

देश के मौसम विभाग ने इस साल मॉनसून के दौरान भारी वर्षा के आगंतुकीय संकेत दिए हैं, जो कंपनियों को राहत दे सकते हैं। एफएमसीजी से लेकर सरकार तक ने अपनी नीतियों में सुधार कर मांग के निश्चित सुधार की बात की है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वाणिज्यिक गतिविधियों की बढ़ती मांग का अनुमान लगातार बढ़ रहा है। इस पूरे मौसम धारा के बारे में जानकरी के साथ, उपभोक्ता

ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगी मांग

और कंपनियों में आर्थिक उतार-चढ़ाव की उम्मीदें उचित हैं। खुशखबरी के साथ मांग की वृद्धि की उम्मोदें हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आगे कुछ अच्छे समय आने वाले हैं। पभोक्ता कंपनियों का कहना है कि देश में लगातार चौथे साल मॉनसून में पर्याप्त वर्षा का अनुमान लगाया गया है। इन कंपनियों ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में देश की 65 फीसदी आबादी रहती है। कंपनियों के अनुसार खरीफ फसलें अच्छी रहने से लोगों की आय बढ़ेगी जिसका फायदा उन्हें भी मिलेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर न लगाने की भी घोषणा की है। साथ ही देश में सामान्य से अधिक बारिश के अनुमान से उपभोग को और अधिक ताकत मिल सकती है। सामान्य से अधिक बारिश होने पर ग्रामीण क्षेत्र में मांग को दम मिलेगा। इन क्षेत्रों में पिछले कुछ महीनों से मांग में पहले से ही सुधार देखा जा रहा है। अब मॉनसून अच्छा रहने से मांग को और बढ़ावा मिलेगा। उपज बढ़ने से मुद्रास्फीति में और कमी आ सकती है। अन्य उपभोक्ता कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यही राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि अच्छे मॉनसून के कारण ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों से मांग बढ़ेगी। एनआईक्यू के ताजा आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 2025) में शहरी एवं ग्रामीण मांग में वृद्धि देखी गई है।

न्यूज ब्रीफ

रसायन, पेट्रोरसायन क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने देश के रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन करने की सरकारी पहल की घोषणा की है। निवेदिता शुक्ला ने एक विचार-विमर्श सत्र में बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत के साथ संवाद स्थापित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतिरिक्त 26 प्रतिशत के जवाबी शुल्क लागू करने का फैसला लिया था, जिसे अब नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। इसके बावजूद, 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है इसका अंतरराष्ट्रीय निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। निवेदिता शुक्ला ने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ विचार-विमर्श के बाद उपाय निर्धारित करेगी और उद्योग के स्थिति का समीक्षा करेगी। इस नए विकल्प का अनुसरण करते हुए, भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग अपने व्यापारिक प्रवृत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से :मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में :तेजी नजर आ रही है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल द्वारा टैरिफ की वजह से अमेरिका में महंगाई बढ़ने और ग्रोथ पर दबाव पढ़ने की आशंका जताए जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जॉन्स 700 अंक टूट गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 120.93 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,275.700 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 516.01 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,307.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स :फिलहाल 279.94 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,947.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

वन97 कम्युनिकेशन के एमडी ने 1,800 करोड़ के शेयर स्वेच्छा से छोड़े

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। शेयरों को पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की सूचीबद्धता के समय ईएसओपी के हिस्से के रूप में शर्मा को दिया गया था। अब ये शेयर वन97 के कर्मचारियों की शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत ईएसओपी पूल में लौट आएंगे। कंपनी ने कहा कि कंपनी के सीएमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने 16 अप्रैल, 2025 को दिनांकित पत्र में सूचित किया है कि उन्होंने स्वेच्छा से सभी 2,10,00,000 ईएसओपी को वन97 कम्युनिकेशन के कर्मचारी शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत लौटा दिए हैं।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,275.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत उछल कर 21,311.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर सीएसी इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,329.97 अंक के स्तर पर बंद किया गया।

एशियाई बाजारों में :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 125.50 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,343.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.31 प्रतिशत लुढ़क कर 19,407.18 के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत फिसल कर 1,135.64 अंक के स्तर पर पहुंचे गए हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 304.15 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 34,224.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.70 प्रतिशत उछल कर 2,464.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में :जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 328.83 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की उछाल के साथ 21,385.81 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,714.23 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,282.82 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत फिसल कर 6,405.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आरबीआई ने अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुजरात के शहर अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने जारी किए गए बयान में यह निर्धारित किया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) की मौद्रिक सीमा बढ़ाकर जमाकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार करने का प्रस्ताव भी किया है। अब जमाकर्ताओं को केवल 5 लाख रुपये तक की जमा राशि पर डीआईसीजीसी द्वारा बीमा की गारंटी प्राप्त होगी। कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के सहकारी समितियों के पंजीयक के खिलाफ भी एक परिसमापक की मांग की गई है। आरबीआई ने बैंक के असमर्थन के कारण उसके लाइसेंस को रद्द किया है और बैंक को बंद करने के लिए परामर्श दिया है। इस घटना से उठने वाले विवाद के बीच आरबीआई ने सामान्य सार्वजनिक को सुनिश्चित किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई का निर्णय केवल बैंक और उसके ग्राहकों के हितों के लिए हो गया है।

विप्रो का मुनाफा 25.9 फीसदीः बढ़कर 3,569.6 करोड़ पहुंचा, कंपनी ने विडेंड का भी किया ऐलान

मुंबई। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों में शामिल विप्रो ने मार्च 2025 में खत्म हुई चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का मुनाफा 25.9 फीसदी बढ़कर 3,569.6 करोड़ हो गया है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 2,834.6 करोड़ था। इस तिमाही में विप्रो की कुल कमाई यानी ऑपरेशंस से आया रेवेन्यू 1.3 फीसदी बढ़कर 22,504.2 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल 22,208.3 करोड़ था। कंपनी के कुल खर्चों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, यह 18,978.6 करोड़ रुपए रहा। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में विप्रो का मुनाफा 13,135.4 करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 24 में 11,045.2 करोड़ रुपए था। हालांकि, कंपनी की सालाना कमाई थोड़ी घटी, वित्त वर्ष 24 में 89,760.3 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त् वर्ष 25 में 89,088.4 करोड़ रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुपर संसद न...

माध्यम बताया जा रहा है।उपराष्ट्रपति ने कहा, ऐसे न्यायिक आचरण से लोगों के दिल पर गहरी चोट लगी है, लोगों का विश्वास डगमगा गया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक सर्वे की भी चर्चा की, जिसमें पता चला था कि न्यायपालिका में लोगों का विश्वास कम हो रहा है। धनखड़ ने कहा कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पारदर्शी हों और कानून के सामने सबके बराबर होने के सिद्धांत का पालन करें। यह हमारे लोकतंत्र का आधार है।गुरुवार 17 अप्रैल को राज्यसभा इंटर्न्स के छठे बैच को संबोधित करते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस देश में किसी के खिलाफ एफआईआर हो सकती है, उनके खिलाफ भी। लेकिन कैश बरामदगी मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। जिस जज की बात जगदीप धनखड़ कर रहे थे, वे यशवंत वर्मा हैं। कैश बरामदगी पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग करने वाले जनहित याचिका को भी दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस घटना और राष्ट्रपति के लिए डेडलाइन तय करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट सुपर संसद बन जाएगा और विधायी जिम्मेदारियां भी निभाने लगेगा, इसकी उन्होंने कल्पना नहीं की थी। लोकतंत्र में भी इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि कानून बनाना संसद का अधिकार है और सरकार जनता के प्रति जिम्मेदार है।जगदीप धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 142 का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ न्यूक्लियर मिसाइल की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती है। उपराष्ट्रपति ने कहा, अब जज विधायी चीजों पर फैसला करेंगे। वे ही कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही भी नहीं होगी क्योंकि इस देश का कानून उन पर लागू ही नहीं होता। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि भारत में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा, सुप्रीम कोर्ट को सिर्फ संविधान के अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या का अधिकार है और वह भी पांच या उससे ज्यादा जजों की संविधान पीठ ही कर सकती है। जबकि राष्ट्रपति पर सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने खुदमुख्तार बन कर आदेश जारी कर दिया!

रूस के...

वैश्विक सहमति और चीन जैसे देशों के रुख पर निर्भर करती है। फ्रांस और रूस का समर्थन भारत के लिए एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसे वास्तविकता में बदलने के लिए भारत को कूटनीतिक प्रयासों को और तेज करना होगा।

भारत विरोधी ...

गांधी ने अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा की थी। तब उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षा समुदाय से जुड़े लोगों से मुलाकात की थी और भारत के खिलाफ अनर्गल प्रलाप किया था। अमेरिका में रह रहे राहुल गांधी के सिपहसालार सैम पित्रोदा राहुल के लिए अमेरिका यात्रा का बहाना आयोजित कराते रहते हैं। इस बार राहुल गांधी का ब्राउन यूनिवर्सिटी में भाषण आयोजित है। वे संकाय सदस्यों और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को अमेरिका के रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भाषण देंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता एनआरआई समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे।

कानून के सख्त...

जिसके बाद कुंटे ने भिवंडी मजिस्ट्रेट की अदालत में शिकायत की थी। राहुल गांधी ने 2015 में दिल्ली में आरएसएस पर आरोप लगाते हुए कहा था कि जब वे असम में एक मंदिर के दौरे पर जा रहे थे तो संघ कार्यकर्ताओं ने उन्हें मंदिर में घुसने से रोक दिया। इस मामले में संघ कार्यकर्ता अंजन बोरा ने राहुल पर गुवाहाटी में मानहानि की शिकायत की थी। पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या को भाजपा-आरएसएस की विचारधारा से जोड़ने वाली टिप्पणी के लिए राहुल के खिलाफ 2017 में मुंबई में मानहानि का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में पहले सोनिया गांधी और सीताराम येचुरी भी आरोपी थे। हालांकि, सोनिया को बाद में राहत दे दी गई। सीताराम येचुरी का निधन हो गया है।राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप है। राहुल ने कहा था कि शाह ने अहमदाबाद के जिला कोऑपरेटिव बैंक के साथ मिलकर नोटबंदी के दौरान 745 करोड़ के बंद हो चुके नोटों को गलत तरह से बदल लिया था। मामले में बैंक और उसके चेयरमैन ने राहुल पर अहमदाबाद की अदालत में केस किया था। 2018 में राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर राहुल गांधी ने घोटाले का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री पर हमला बोला था। उन्होंने इस दौरान पीएम मोदी की ओर इशारा करते हुए कमांडर-इन-थीफ टिप्पणी की थी। इस मामले में राहुल के खिलाफ भाजपा से महाराष्ट्र प्रदेश समिति के सदस्य महेश श्रीश्रीमाल ने मुंबई में राहुल के खिलाफ मानहानि का केस किया था।राहुल पर आरोप है कि कर्नाटक चुनाव के दौरान बेंगलुरु में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा था कि भाजपा जो कि ईमानदारी व स्वच्छता की राजनीति करती है, उसका राष्ट्रीय अध्यक्ष एक हत्या अभियुक्त है। इसके बाद राहुल के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में केस दर्ज हुआ था। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले झारखंड के चाईबासा में एक सार्वजनिक भाषण के दौरान राहुल गांधी ने कथित तौर पर अमित शाह के लिए हत्यारा शब्द का प्रयोग किया था। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने राहुल के खिलाफ चाईबासा में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इसी मामले में उनके खिलाफ एक एफआईआर रांची में भी दर्ज हुई थी। इतना ही नहीं राहुल गांधी पर लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान ही जबलपुर में एक रैली के दौरान भी शाह को हत्या केस का आरोपी बुलाने का आरोप लगा था। इस मामले में अहमदाबाद के कालूपुर वार्ड के कार्पोरेटर कृष्णवदन ब्रह्मभट्ट ने मेट्रो कोर्ट नम्बर 16 में राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज किया गया।2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी हैं? इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा दो और जगहों पर शिकायत हुई। इनमें सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को दोषी मानते हुए दो साल की सजा भी सुनाई। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट से राहुल को राहत दे दी गई।राहुल पर 17 नवंबर 2022 को भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान महाराष्ट्र के अकोला में वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा था। मामले में एक शिकायत ठाणे में और दूसरी शिकायत उत्तर प्रदेश में भी दर्ज हुई थी। मार्च 2023 में लंदन में एक भाषण के दौरान राहुल ने कहा था कि सावरकर ने अपनी किताब में लिखा था कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें इस पर खुशी हुई। इसे लेकर सावरकर के भतीजे सत्यकी सावरकर ने राहुल के खिलाफ पुणे की कोर्ट में शिकायत दायर की थी।राहुल गांधी पर 2021 में एक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप भी है। इसे लेकर राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने 2021 में ही केस दर्ज कराया था और पीड़िता की पहचान उजागर करने को लेकर राहुल पर कार्रवाई की मांग की थी।। इस मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट में भी सुनवाई हुई थी।2024 में लहरी म्यूजिक की सहयोगी कंपनी एमआरटी म्यूजिक के एम नवीन कुमार ने बेंगलुरु के यशवंतपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि फिल्म का संगीत कांग्रेस पार्टी की ओर से भारत जोड़ो यात्रा के एक प्रचार वीडियो में प्रयोग किया गया था, जिसका कॉपीराइट उनके पास है। मामले में राहुल गांधी के साथ जयराम रमेश और सुप्रिया श्रीनेत के खिलाफ एफआईआर हुई थी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भी इन नेताओं को राहत देने से इनकार कर दिया था। दिसंबर 2024 में राहुल गांधी एक अन्य मामले में भी घिरे थे। यह केस था संसद के बाहर प्रदर्शन के दौरान धक्का मुक्की करने का। भाजपा का आरोप था कि राहुल ने उनके नेता प्रताप सारंगी से धक्का मुक्की की, जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद चोटिल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज हुआ था।राहुल गांधी पर एक मामला 2012 में दर्ज हुआ था। यह मामला नेशनल हेराल्ड की सम्पत्ति से जुड़ा है। इसमें सोनिया गांधी, दिवंगत मोतीलाल वोरा व अन्य को भी आरोपी बनाया गया। हाल ही में इस मामले में चार्जशीट दाखिल हुई है और राहुल को धन शोधन मामले का आरोपी बनाया गया है। राहुल गांधी के खिलाफ भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पहले कर्नाटक के बंगलूरू और फिर असम के गुवाहाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयान और हिंसा भड़काने के आरोप में केस दर्ज हुए थे। राहुल गांधी पर अमेरिका में बैठकर सिख समुदाय को लेकर कुछ विवादास्पद टिप्पणियां करने का भी आरोप लगा था। इस मामले में छत्तीसगढ़ और दिल्ली में एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें राहुल पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा था।राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी पर भी तीन मामले चल रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने 2024 में केरल के वायनाड सीट से उपचुनाव लड़ा था। इस दौरान दिए गए हलफनामे में उन्होंने अपने ऊपर चल रहे तीन मामलों के बारे में बताया था। प्रियंका गांधी वाड्रा पर अगस्त 2023 में मध्य प्रदेश के इंदौर में एक केस दर्ज हुआ था। दरअसल, प्रियंका ने राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा पर ठेकेदारों से ठेकों के लिए 50 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगाया था। इस पर भाजपा नेताओं ने पुलिस को शिकायत दी थी और धारा 420, 469 के तहत धोखाधड़ी और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जालसाजी की धाराओं में केस दर्ज कराया। हाथरस में एक दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिलने के लिए हाथरस जाने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा पर अक्टूबर 2020 में कोरोनावायरस महामारी एक्ट का उल्लंघन करने का आरोप लगा था। उन पर धारा 144 को भी तोड़ने का आरोप लगा था। इसमें उनके साथ-साथ 203 और कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर एफआईआर हुई थी। इनमें 153 नामजद और 50 अन्य लोगों पर केस हुआ था। उन पर आम लोगों का जीवन संकट में डालने के मामले में आईपीसी की धारा 188, धारा 269 और धारा 270 के तहत केस दर्ज हुआ था। प्रियंका गांधी वाड्रा पर एक और केस वाइल्डलाइफ एक्ट के तहत दर्ज हुआ है। 2019 में जब वह लोकसभा चुनाव से पहले रायबरेली में चुनाव प्रचार कर रही थीं, उस दौरान वे सपेरों के गांव पहुंची थीं और सांपों को अपने हाथ में उठा लिया था। मामले में उन पर वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की धारा 9 और धारा 51 के तहत केस दर्ज हुआ।कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पिछले साल ही राज्यसभा के लिए चुनकर पहुंची थीं। तब उन्होंने जो हलफनामा दिया था, उसके मुताबिक उन पर सिर्फ एक मामला चल रहा है। यह मामला नेशनल हेराल्ड केस से ही जुड़ा है, जिसमें वे अपने बेटे राहुल गांधी के साथ आरोपी बनाई गई थीं। यह मामला उनके खिलाफ 2012 में दर्ज हुआ था। 15 अप्रैल 2025 (मंगलवार) को इस मामले में चार्जशीट दायर हुई।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के शिकोहपुर में 2008 में हुई एक भूमि डील से जुड़े मामले में रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की है। वाड्रा पर आरोप हैं कि उनसे जुड़ी कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ रुपए में 3.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। इस सौदे का म्यूटेशन भी असामान्य तरीके से कर दिया गया। आरोप है कि हरियाणा के तत्कालीन भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार ने इस जमीन में से 2.70 एकड़ जमीन को कमर्शियल कॉलोनी के तौर पर डेवलप करने की इजाजत देते हुए रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को इसका लाइसेंस दिया था। आवासीय परियोजना का लाइसेंस मिलने के बाद जमीन की कीमत बढ़ गई। बाद में वाड्रा से जुड़ी कंपनी ने कंपनी ने ये जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ में बेच दी। आगे चलकर हुड्डा सरकार ने आवासीय परियोजना का लाइसेंस डीएलएफ को ट्रांसफर कर दिया। आरोप है कि इस पूरी डील में कई अनियमितताएं की गई। हरियाणा पुलिस ने 2018 में इस सौदे से जुड़े मामले में केस दर्ज किया। आगे चलकर ईडी ने भी इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की।

ममता ने मुसलमानों...

संशोधन कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस बयान पर बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने पलटवार किया। उन्होंने कहा है कि ममता बनर्जी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं। उन्होंने दिल्ली जाने के बयान पर कहा कि जो लोग दिल्ली जाएंगे वे याद रखें कि उन्हें यूपी होकर जाना होगा। वहां योगी आदित्यनाथ का राज है। वहां उनकी अच्छी खातिरदारी होगी। और दिल्ली पुलिस भी गृहमंत्री अमित शाह के अन्तर्गत आती है। ऐसे में जो भी अराजकतावादी हैं, वे ध्यान रखें कि वहां उन पर ममता नहीं बरसेगी।

कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं को टार्गेट कर किए जा रहे हमलों पर प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में खुद ममता बनर्जी ही हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गई हैं। राज्य में ममता ही सांप्रदायिक तनाव फैला रही हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू बेघर हो गया है। वह राहत कैंपों में रहने और खिचड़ी खाने को मजबूर है। आखिर उसकी गलती क्या है? उन्होंने कहा कि सीएम ममता बनर्जी अपनी राजनीति के लिए साम्प्रदायिक तनाव फैलाकर दो समुदायों के बीच फूट डालने का काम कर रही हैं। वो जानबूझकर पहले मुस्लिम समुदाय के लोगों को भ्रमित करती हैं और फिर उन्हें भड़काती हैं।

कैसे बनते हैं योग? जिनसे तय होता है किसी भी काम का शुभ-अशुभ फल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जीवन में ग्रह और नक्षत्रों का विशेष महत्व माना गया है। सनातन धर्म में कोई भी मांगलिक कार्य शुभ मुहूर्त देखने के बाद ही किया जाता है, जिसमें ग्रह और नक्षत्रों का जरूरी योगदान होता है।

जहां शुभ योग में किए गए शुभ व मांगलिक कार्य करने का विशेष महत्व माना गया है, वहीं अशुभ योग में शुभ कार्यों को करने के मनाही होती है।

कैसे होता है योग का निर्माण

सूर्य और चंद्रमा की एक-दूसरे से स्थिति के आधार योग का निर्माण होता है, अर्थात सूर्य और चंद्रमा की विशेष दूरीयों की स्थितियों को योग कहते हैं। इसी के साथ पंचांग, तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण के आधार पर भी योग का निर्माण होता है। ज्योतिष शास्त्र में 27 प्रकार के योग माने गए हैं, जिनमें से कुछ शुभ परिणाम देते हैं, तो वहीं कुछ अशुभ भी होते हैं।

ये हैं 27 योग

1.	विष्कुंभ	2.	प्रीति
3.	आयुष्मान	4.	सौभाग्य
5.	शोभन	6.	अतिगंड
7.	सुकर्मा	8.	धृति
9.	शूल	10.	गंड
11.	वृद्धि	12.	ध्रुव
13.	व्याघात	14.	हर्षण
15.	वज्र	16.	सिद्धि
17.	व्यतिपात	18.	वरीयान
19.	परिध	20.	शिव
21.	सिद्ध	22.	साध्य
23.	शुभ	24.	शुक्ल
25.	ब्रह्म	26.	इंद्र
27.	वैधृति		

कौन से होते हैं शुभ योग

शुभ योग में योगानुसार शुभ या मंगल कार्य कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में प्रीति योग, आयुष्मान योग, सौभाग्य योग, शोभन योग, सुकर्मा योग, ब्रह्म योग, घृति योग, शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग आदि को शुभ योग माना गया है। ऐसे में आप इन शुभ योग में शुभ यात्रा, गृह प्रवेश, कोई नया काम शुरू करना और विवाह जैसे कार्य कर सकते हैं। इसका आपको शुभ परिणाम मिलता है।

ये हैं अशुभ योग

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, विष्कुम्भ, अतिगण्ड, शूल, गण्ड, व्याघात, वज्र, व्यतिपात, परिध और वैधृति योग को अशुभ माना जाता है।

इन 9 योग के अलावा अन्य सभी योग को शुभ माने गए हैं। ऐसे में इन योग में सभी प्रकार के शुभ कामों को करने से बचने की सलाह दी गई है।

इन तारीखों पर जन्मे लोगों से प्रसन्न रहती हैं मां लक्ष्मी, आनंद से बीतता है जीवन!

अंक ज्योतिष शास्त्र में 1 से लेकर 9 तक मूलांक माने गए हैं, जो व्यक्ति की जन्मतिथि पर आधारित होते हैं। हर मूलांक का एक प्रतिनिधि ग्रह भी होता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में हर ग्रह से संबंधित एक रत्न बताया गया हैं। ऐसे में अगर आप अपने मूलांक के अनुसार रत्न पहनते हैं, तो इससे आपको काफी लाभ मिल सकता है। रत्न धारण करते समय व्यक्त को किसी अच्छे ज्योतिष की सलाह भी जरूर लेनी चाहिए।

ये है लकी मूलांक –किसी भी महीने की 6, 15 या फिर 24 तारीख को जन्मे लोगों का मूलांक 6 माना जाता है, क्योंकि इन

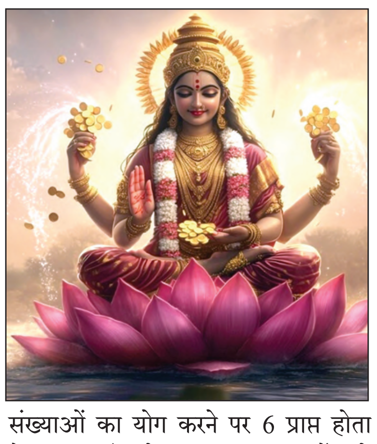

संख्याओं का योग करने पर 6 प्राप्त होता है। इस मूलांक के स्वामी शुक्र ग्रह हैं, जो धन, वैभव, सौंदर्य, प्रेम और कला के कारक हैं। साथ ही इस मूलांक के जातकों पर मां लक्ष्मी की कृपा भी विशेष रूप से बरसती है।

कर सकते हैं ये काम – मां लक्ष्मी की कृपा से मूलांक 6 के जातकों को भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। इन लोगों को अपने जीवन में सभी प्रकार के आनंद मिलते हैं। होती है। इस मूलांक के लोग अपनी मेहनत के बल पर धनी बनते हैं। इन जातक को सफेद रंग की चीजों का दान जैसे खीर, चावल, कौड़ी आदि का दान करना चाहिए। वहीं, पूजा के समय मां लक्ष्मी को कमल के फूल, कौड़ी, श्रीफल आदि चीजें अर्पित करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की विशेष कृपा मिलती है।

ये होती है खासियत – मूलांक 6 के लोग खुद को व्यवस्थित रखना पसंद करते हैं। इनके प्रभावशाली व्यक्तित्व के कारण लोग इनकी तरफ जल्दी आकर्षित होते हैं, जिससे यह जल्दी दोस्त बना लेते हैं। विश्वसनीय और शांति प्रिय होने के साथ-साथ मूलांक 6 के लोग काफी उदार भी होते हैं। इसी के साथ शुक्र ग्रह के प्रभाव से इन लोगों को संगीत और चित्रकला में विशेष रुचि होती है। अभिनेता अनिल कपूर और बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा इसी मूलांक के कुछ उदाहरण हैं।

20 को कालाष्टमी मनाई जाएगी

प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी मनाई जाती है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा एवं भक्ति की जाती है। साथ ही मनचाहा वरदान पाने के लिए कालाष्टमी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है। काल भैरव देव की कृपा से साधक को शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है।

कालाष्टमी शुभ मुहूर्त – वैदिक पंचांग के अनुसार, 20 अप्रैल को शाम 7 बजे से वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि शुरू होगी। वहीं, 21 अप्रैल को शाम 06 बजकर 58 मिनट पर वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि समाप्त होगी। काल भैरव देव की निशा काल में पूजा की जाती है। इसके लिए वहीं, निशा काल में पूजा का समय देर रात 11 बजकर 58 मिनट से लेकर 12 बजकर 42 मिनट तक है।

कालाष्टमी शुभ योग – ज्योतिषियों की मानें तो वैशाख माह की कालाष्टमी पर सिद्ध और शिववास का संयोग बन रहा है। शिववास योग शाम 07 बजे से बन रहा है। इस दौरान देवों के देव महादेव कैलाश पर जगत की देवी मां पार्वती के साथ रहेंगे। शिववास योग में काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को दोगुना फल मिलेगा। साथ ही सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। वहीं, सिद्ध योग में काल भैरव देव की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 51 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 50 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 22 मिनट से 05 बजकर 06 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 22 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 49 मिनट से 07 बजकर 11 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 42 मिनट तक

पूजा विधि – वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर ब्रह्म बेला में उठें। इस समय भगवान शिव को प्रणाम कर दिन की शुरुआत करें। इसके बाद घर की साफ-सफाई करें। सभी कामों से निवृत्त होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इसके बाद आचमन कर सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद भक्ति भाव से देवों के देव महादेव की पूजा करें। भगवान शिव को सफेद रंग के फल, फूल और मिष्ठान अर्पित करें। पूजा के समय शिव चालीसा का पाठ करें। वहीं, संध्याकाल में भगवान शिव जी की आरती करें। समय की उपलब्धता होने पर मंदिर जाकर काल भैरव देव के दर्शन करें।

कुंभ राशि के जातकों को कब मिलेगी शनि की साढ़ेसाती से मुक्ति? इन उपायों से पाएं राहत

शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित है। इस दिन कर्मफल दाता शनिदेव की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त शनिवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही करियर और कारोबार संबंधी परेशानी दूर होती है। इसके अलावा, जीवन में आने वाली बलाएं भी टल जाती हैं।

वर्तमान समय में न्याय के देवता गुरु की राशि मीन में विराजमान हैं। इस राशि में शनिदेव अगले ढ़ाई साल तक रहेंगे। मीन राशि में शनि की उपस्थिति से मेष राशि के जातकों पर साढ़े साती शुरू हुई है। लेकिन क्या आपको पता है कि कुंभ राशि के जातकों पर साढ़ेसाती कब समाप्त होगी?

कुंभ राशि

कुंभ राशि के स्वामी न्याय के देवता शनिदेव हैं और आराध्य देवों के देव महादेव हैं। इस राशि का शुभ रंग आसमानी है और शुभ अंक 10 और 11 है। कुंभ राशि के जातकों पर भगवान शिव की विशेष कृपा रहती है। भगवान शिव की पूजा करने से न्याय के देवता शनिदेव प्रसन्न होते हैं। शनिदेव की कृपा से कुंभ राशि के जातकों को सभी क्षेत्रों में सफलता मिलती है। इस राशि के जातकों के लिए नीलम बेहद शुभ होता है। अत: कुंभ राशि के जातक ज्योतिष से सलाह लेकर नीलम धारण कर सकते हैं।

कब समाप्त होगी शनि की साढेसाती?

न्याय के देवता शनिदेव 03 जून, 2027 को शनिदेव अपनी चाल बदलेंगे। इस दिन न्याय के देवता शनिदेव मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के मेष राशि में गोचर करने से वृषभ राशि के जातकों पर साढ़ेसाती शुरू होगी। वहीं, कुंभ राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही सिंह और धनु राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिलेगी।

शनिदेव को कैसे करें प्रसन्न?

कुंभ राशि के स्वामी शनिदेव हैं। इसके लिए कुंभ राशि के जातक शनिवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद पीपल के पेड़ में जल का अर्घ्य दें। इस समय तीन बार परिक्रमा करें। इसके साथ ही शनिवार के दिन काले तिल, सरसों तेल, छतरी, कंबल, चमड़े के जूते -चप्पल आदि चीजों का दान करें। इसके साथ ही सोमवार और शनिवार के दिन काले तिल मिश्रित जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। इन उपायों के करने से साढ़ेसाती में अवश्य ही राहत मिलेगी।

धूमिल होती विवाह संस्कार की गरिमा और मर्यादा

देश के अधिकांश हिस्सों में हिन्दू समाज के कुछ वर्गों खासकर एलीट और सम्पन्न समझे जाने वाले लोगों द्वारा विवाह आयोजन में जिस तरह का वैभव प्रदर्शन किया जा रहा है उन सबके बीच विवाह का संस्कार यानि परंपरागत सप्तपदी के फेरे की रस्में गौण बनती जा रही है। जबकि सबसे महत्वपूर्ण अग्नि के समक्ष वर वधू के फेरे और जन्म जन्मांतर साथ निभाने के वचन ही हैं जिनके लिए यह सारा समारोह आयोजित किया जाता है। इन दिनों दक्षिण में विवाह की रस्म कराते कर्म कांडी पुरोहित के साथ अभद्र मजाक बनाने का विडियो वायरल हुआ। यह वायरल वीडियो तो सिर्फ आइना है वास्तव में कुछ लोग विवाह के संस्कार को बहुत हल्के और बेहद गैर गंभीर तरीके से लेने लगे हैं। उनका सारा जोर ही डांस और पार्टी हल्ला-गुल्ला पर रहने लगा है। इतना ही नहीं वरमाला पर वर वधू का आचरण भी विवाह संस्कार की मर्यादा का हनन ही है। हाल ही में देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका साफ संदेश यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है। कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा। निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। दरअसल, पिछले कुछ सालों में लिव-इन का प्रचलन विवाह संस्था के वजूद को हिला रहा है बिन फेरे हम तेरे के चलन ने तमाम सामाजिक वर्जनाओं के ताने बाने को तहस नहस कर दिया है। तिस पर विवाह से पूर्व प्री वेडिंग शूट के नए प्रचलन ने तमाम संस्कार और मर्यादा मान्यताओं का बेड़ा गर्क कर दिया है।

हाल के वर्षों में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर-तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है। वर-वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं। यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है। निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है। यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है। विवाह मजबूरी का समझौता या करार भी नहीं हो सकता। निश्चित रूप से भारतीय जीवन पद्धति में विवाह महज महत्वपूर्ण संस्कार ही नहीं है बल्कि नवदंपति के जीवन के नये अध्याय की शुरुआत भी है। जिसे हमारे पूर्वजों ने बेहद गरिमा व सम्मान के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आज हम भले ही कितने आधुनिक हो जाएं, विवाह से जुड़ी अपरिहार्य परंपराओं को नजरअंदाज कदापि नहीं कर सकते।

सनातन वैदिक परम्परा में विवाह को एक बहुत पवित्र संस्कार माना गया है इस संस्कार के समय वर को विष्णु और वधू को साक्षात लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। इस संस्कार में विष्णु स्वरूप को एक पिता आदर भाव से पूजा कर उसे लक्ष्मी स्वरूप कन्या सौंपता है। इतना ही नहीं दूसरे धर्मावलंबियों की तरह हिन्दू समाज में विवाह एक समझौता नहीं है वरन जन्म जन्मांतर तक साथ निभाने का वचन है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि + वाह,है। इसका शाब्दिक अर्थ

है वहन करना यानि विशेष रूप से उत्त-ारदायित्व का वहन करना । पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी के बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे ले कर और ध्रुव तारे को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक संम्बंध से अधिक आत्मिक संबंध होता है और इस संबंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता। यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने-गाने तथा पार्टीबाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है। उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए। यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती। निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा। इसके बावजूद देशकाल व परिस्थितियों के अनुरूप विवाह पंजीकरण की जरूरत को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह भी स्वीकारना होगा कि 21वीं सदी का भारतीय समाज बदलते वक्त के साथ नई चाल में ढला है। नई पीढ़ी की कामकाजी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं और अपनी शर्तों पर विवाह की परंपराओं को निभाने की बात करती हैं।

जिसके चलते विवाह संस्था को लेकर कई अदालतों के फैसले सामने आए हैं, जिनकी तार्किकता को लेकर समाज में बहस चलती रहती है। जिसमें कई कर्मकांडों पर नये सिरे से विचार-विमर्श की जरूरत बतायी जाती रही है। मसलन कुछ कथित प्रगतिशील लोग कन्यादान व सिंदूर लगाने की अनिवार्यता को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें न्यायालय की चिंताओं पर चिंतन तो करना ही चाहिए। यह सवाल रूढ़िवादिता का नहीं है बल्कि अपनी परंपराओं के गरिमापूर्ण पालन का है।

दुनिया के तमाम धर्मों में सदियों से चली आ रही वैवाहिक परंपराओं का आदर के साथ अनुपालन किया जाता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित रीति-रिवाजों का सम्मान करने जैसा ही होता है। जो नया जीवन शुरू करने वाले वर-वधू को एक आशीष जैसा ही होता है। जाहिर है कि प्रगति का पैमाना संस्कृति और संस्कारों के साथ खिलवाड़ या फूहड़ता दर्शाना नहीं होता है। हमें अपने संस्कारों की पवित्रता बनाए रखने के लिए अपने व्यवहार में आ रही मर्यादा हीनता को त्यागना होगा।

– मनोज कुमार अग्रवाल

गौरी खान के रेस्तरां टोरी में क्या परोसा जा रहा है नकली पनीर?

क्या आपने भी वो खबर पढ़ी, जिसमें दावा किया जा रहा है कि मुंबई में गौरी खान के रेस्तरां टोरी में नकली पनीर परोसा जा रहा है ये खबर आग की तरह फैली और गौरी का रेस्-तरां टोरी फिर से सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर रेस्तरां की जमकर आलोचना की गई। इस वीडियो के पीछे सोश मीडिया क्रिएटर सार्थक सचदेवा का हाथ बताया जा रहा है। अब सवाल ये कि सच्चाई क्या वो ही है जो वायरल वीडियो में दिखाई दे रही है या मामला कुछ और ही है। सार्थक के दावों पर अब गौरी खान की टीम का रिएक्शन सामने आ गया है।

सार्थक सचदेवा फूड ब्लॉगर और इनफ्लुएंसर हैं, जो सोशल मीडिया क्रिएटर पर काफी एक्टिव रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसके बाद वो सुर्खियों में छा गए। वीडियो में दिखाया गया है कि सार्थक मुंबई के कई सेलिब्रिटी के शानदार रेस्तरां में जाते हैं, यह जांचने के लिए कि क्या वे असली पनीर परोस रहे हैं या नहीं।

सबसे पहले सार्थक ने विराट कोहली के जुहू स्थित वन8 कम्यून का दौरा किया, जहां पनीर ने आयोडीन टेस्ट पास कर लिया। इसके बाद उन्होंने शिल्पा शेट्टी कुंद्रा के बांद्रा स्थित बास्टियन और बॉबी देओल के समप्लेस एल्स का दौरा किया। इन दोनों रेस्तरां में पनीर ने आयोडीन टेस्ट पास कर लिया। सार्थक के इस मिशन का आखिरी पड़ाव था गौरी खान का टोरी और उनकी हैरानी की बात यह थी कि वहां का पनीर आयोडीन टेस्ट में फेल हो गया। दरअसल, पनीर असली है या नकली के लिए टेस्ट किया जाता है। प्रक्रिया बहुत सरल है। पनीर के टुकड़े पर कुछ बूंदें आयोडीन डालें। अगर पनीर असली है, तो रंग नहीं बदलेगा। अगर यह नकली है, तो उसमें मौजूद स्टार्च आयोडीन के साथ प्रतिक्रिया करके उसे काला या नीला कर देगा। 'टोरी ' ने सार्थक ने इसे किया, तो पनीर का रंग बदल गया। अपने वीडियो में उन्होंने दावा किया कि खाने में परोसा जाने वाला पनीर नकली है। टोरी रेस्टोरेंट का स्टार्च युक्त पनीर का वीडियो वायरल होने के बाद टोरी रेस्टोरेंट ने जवाब देते हुए लिखा, 'आयोडीन परीक्षण स्टार्च की उपस्थिति को दर्शाता है, पनीर की प्रामणिकता को नहीं। चूंकि डिश में सोया-आधारित सामग्री शामिल है, इसलिए यह प्रतिक्रिया अपेक्षित है। हम अपने पनीर की शुद्धता और टोरी में इस्तेमाल होने वाले सभी समानों की शुद्धता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की कोस्टाओ का दमदार ट्रेलर रिलीज

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अपकमिंग फिल्म 'कोस्टाओ' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें सिद्दीकी कस्टम अधिकारी के रूप में भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसते नजर आए। चलिए इस नई फिल्म का ट्रेलर दिखाते हैं। जिसे जल्द ही दर्शक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। 3 मिनट 15 सेकंड के ट्रेलर में शानदार डायलॉग और नवाजुद्दीन की बेहतरीन एक्टिंग देखने को मिली। नवाजुद्दीन कस्टम अधिकारी के रूप में गोवा के कुख्यात तस्कर से भिड़ते नजर आए। वह 1500 किलो सोने की तस्करी को रोकने के लिए नई-नई तरकीबें अपनाते, दुश्मनों और सिस्टम को चुनौती देते दिखे।

इस प्रोजेक्ट का निर्देशन सेजल शाह ने किया है, जो गोवा के सबसे बड़े तस्कर से लोहा लेने वाले कस्टम अधिकारी, मिस्टर कोस्टाओ फर्नांडीस के जीवन से प्रेरित है। 'कोस्टाओ' नवाजुद्दीन की एक और रोमांचक फिल्म का वादा करती है, जिसमें दमदार डायलॉग्स और बेहतरीन कलाकार हैं।अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अपकमिंग फिल्म 'कोस्टाओ' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें सिद्दीकी कस्टम अधिकारी के रूप में भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसते नजर आए। चलिए इस नई फिल्म का ट्रेलर दिखाते हैं। जिसे जल्द ही दर्शक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।

3 मिनट 15 सेकंड के ट्रेलर में शानदार डायलॉग और नवाजुद्दीन की बेहतरीन एक्टिंग देखने को मिली। नवाजुद्दीन कस्टम अधिकारी के रूप में गोवा के कुख्यात तस्कर से भिड़ते नजर आए। वह 1500 किलो सोने की तस्करी को रोकने के लिए नई-नई तरकीबें अपनाते, दुश्मनों और सिस्टम को चुनौती देते दिखे।

इस प्रोजेक्ट का निर्देशन सेजल शाह ने किया है, जो गोवा के सबसे बड़े तस्कर से लोहा लेने वाले कस्टम अधिकारी, मिस्टर कोस्टाओ फर्नांडीस के जीवन से प्रेरित है। 'कोस्टाओ' नवाजुद्दीन की एक और रोमांचक फिल्म का वादा करती है, जिसमें दमदार डायलॉग्स और बेहतरीन कलाकार हैं।भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत 'कोस्टाओ' गोवा के निडर कस्टम अधिकारी कोस्टाओ फर्नांडीस के जीवन की कहानी है, जो 1990 के दशक में भारत में सोने की तस्करी के सबसे बड़े प्रयास को विफल कर देता है। यह फिल्म ईमानदारी की कीमत पर एक प्रासंगिक सवाल भी उठाती है। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म के मुख्य पात्रों का पहला लुक शेयर किया था। जी5 ने लिखा था, यह कोस्टाओ की असाधारण कहानी है। जल्द ही जी5 पर आ रही है।

32 की उम्र में प्रियंका देशपांडे ने गुपचुप रचाई दूसरी शादी

टीवी एक्ट्रेस प्रियंका देशपांडे ने वैवाहिक जीवन की एक बार फिर से शुरुआत की है। छोटे पर्दे के जरिए लोगों के दिलों पर राज करने वाली प्रियंका को उनके सपनों का राजकुमार मिल गया है। एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की, तो उनके पति चर्चा में आ गए। इसके पीछे बड़ी वजह उनके पति के सफेद-बाल दाढ़ी है, जिससे एक्ट्रेस और उनकी पति की उम्र के एज गैप का अंदाजा यूजर्स ने लगाना शुरू कर दिया है।

टीवी एक्ट्रेस और होस्ट प्रियंका देशपांडे ने 16 अप्रैल, 2025 को वाशी साची से विवाह किया है। वेडिंग फोटोज शेयर करने के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'लाइफ अपडेट: इस एक के साथ सूर्यास्त का पीछा करने जा रही हूं।'

कौन हैं प्रियंका देशपांडे के पति वाशी साची?

प्रियंका देशपांडे को दूसरी बार प्यार हुआ है और उन्होंने वाशी साची संग अपने परिवार की मौजूदगी में शादी रचाई है। सोशल मीडिया पर वेडिंग फोटोज शेयर करने के बाद फैंस एक्ट्रेस के पति के बारे में बेसब्री से जानना चाहते हैं। बता दें कि वाशी साची एक पॉपुलर डीजे और उद्यमी हैं। इतना ही नहीं, वह इवेंट मैनेजमेंट फर्म क्लिक 187 के फाउंडर हैं। इसके अलावा, डीजे की दुनिया में उनका जाना-माना नाम हैं। एक्ट्रेस के पति के बारे में एक दिलचस्प बात यह भी है कि वह कई पॉपुलर क्लबों में परफॉर्म कर चुके हैं, जिसमें कुश शादियों के इवेंट भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों की मुलाकात एक इवेंट में हुई थी, जिसे प्रियंका होस्ट कर रही थीं।

कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को शादी का नाम देने का फैसला लिया। वेडिंग लुक की बात करें, तो एक्ट्रेस ने कम से कम मेकअप और खूबसूरत रेशमी साड़ी के साथ अपना लुक कंप्लीट किया।

साल 2016 में हुई थी एक्ट्रेस की पहली शादी

प्रियंका के बारे में बता दें कि उनकी पहली शादी प्रवीण कुमार से साल 2016 में हुई थी। दोनों का रिश्ता छह साल तक सही चला, लेकिन 2022 में उनके तलाक की अफवाहें आने लगी। इसके बाद धीरे-धीरे प्रवीण और प्रियंका एक-दूसरे की पोस्ट और पार्टी से लेकर ज्यादातर इवेंट में अलग-अलग नजर आने लगे। हालांकि, पहले दोनों ने तलाक की अफवाहों को गलत बताया था, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए।

ईशान खट्टर संग बनेगी भूमि पेडनेकर की जोड़ी, द रॉयल्स की डेट रिलीज

ईशान और भूमि की 'द रॉयल्स' 9 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ईशान राजकुमार और भूमि आम लड़की के रोल में दिखेंगे। जीनत अमान ओटीटी पर वापसी कर रही हैं। ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर जल्द ही सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आने वाले हैं। इस शो में ईशान खट्टर एक राजकुमार का किरदार अदा करते दिखेंगे जबकि भूमि पेडनेकर एक आम लड़की के रोल में दिखेंगी। ये जोड़ी पहली बार नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रॉयल्स' में साथ नजर आने वाली है। आज मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का ऐलान करते हुए फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। ईशान और भूमि की 'द रॉयल्स' 9 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करने वाली है। नेटफ्लिक्स ने रिलीज डेट का ऐलान करते हुए सीरीज का पोस्टर शेयर किया। पोस्ट के कैप्शन में लिखा 'जिद्दी राजकुमार' की 'आमकुमारी' से मुलाकात होगी।

प्रियंका घोष और नुपुर अस्थाना के निर्देशन में बनी सीरीज में भूमि पेडनेकर, इशान खट्टर, जीनत अमान के साथ साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरिया, मिलिंद सोमन, चंकी पांडे, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी भी अहम भूमिकाओं में हैं। सीरीज 'द रॉयल्स' का निर्माण प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस के बैनर तले हुआ है, जिसकी कहानी नेहा वीना शर्मा ने लिखी है। सीरीज के पोस्टर में ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर साथ खड़े नजर आ रहे हैं। सीरीज के माध्यम से एक्ट्रेस जीनत अमान अभिनय की दुनिया में वापसी करने जा रही हैं। फिल्मी दुनिया में सफल रहीं जीनत अमान अब ओटीटी पर अपने अभिनय की काबिलियत दिखाती नजर आएंगी। ईशान हाल ही में तारा सुतारिया के साथ 'प्यार आता है' नामक एक म्यूजिक वीडियो में नजर आए थे। इस गाने को रितो रीबा और श्रेया घोषाल ने गाया है। ट्रैक को कश्मीर की खूबसूरत वादियों में फिल्माया गया है, जो 7 मार्च को रिलीज हुआ था।

42 साल की शेफाली जरीवाला ने पूल में लगाया ग्लैमर का तड़का

कांटा लगा गर्ल शेफाली जरीवाला अपनी बोल्डनेस के लिए फेमस हैं। वो अपनी ग्लैमरस अदाओं की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टा पर नई तस्वीरें शेयर की हैं।

शेफाली ने पूल किनारे बिकिनी में चिल करते हुए अपनी फोटोज पोस्ट की हैं। ऑरेंज बिकिनी में वो किलर लगीं। उनकी हर अदा पर फैंस अपना दिल हार रहे हैं। पूल में चिल करते हुए शेफाली को देखकर फैंस फायर इमोजी बना रहे हैं। एक्ट्रेस का कहना है उन्होंने मंडे पूल में चिल करते हुए बिताया। उनकी ये तस्वीरें फैंस के बीच छाई हुई हैं।

शेफाली ने हेयरबन बनाया है। वो नो मेकअप लुक में हैं। सनग्लासेज के साथ उन्होंने अपना पूल लुक कंप्लीट किया है। वो स्माइल करते हुए कैमरे को पोज दे रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की टोन्ड फिगर की तारीफ कर रहे हैं। अपनी बोल्ड फोटोज में अक्सर वो परफेक्ट फिगर को फ्लॉन्ट करती हैं। फिटनेस के मामले में वो फैंस को इंस्पायर करती हैं।

शेफाली को देखकर कोई नहीं कहेगा वो 42 साल की हैं। इस उम्र में भी वो यंग हसीनाओं को टक्कर देती हैं। उनकी ब्यूटी, किलर अदाएं हमेशा से फैंस का दिल जीतती आई हैं। शेफाली की फोटोज पर यूजर्स ने हार्ट और फायर इमोजी बनाए हैं। किसी ने लिखा- आप हमेशा की तरह स्टनिंग लग रही हैं। फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। शेफाली के वर्कफ्रंट की बात करें तो, वो कई महीनों से स्क्रीन से दूर हैं। उन्हें पिछली बार टीवी शो 'शैतानी रस्में' में देखा गया था। वो सोशल मीडिया पर एक्टिव रहकर फैंस को अपनी लाइफ से जुड़े अपडेट देती हैं।

सिद्धार्थ ने आमिर खान की फिल्म में किया था सपोर्टिंग रोल, आज करोड़ों में है नेटवर्थ

सिद्धार्थ तमिल, तेलुगू और हिंदी भाषाओं वाली फिल्मों में काम करते हैं। सिद्धार्थ ने साउथ इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वो एक्टर के अलावा प्रोड्यूसर और स्क्रीनराइट भी हैं। सिद्धार्थ ने तमिल फिल्मों से शुरुआत की थी। वो 2002 में Kannathil Muthamittal में दिखे थे। इस फिल्म में उनके रोल को क्रेडिट नहीं दिया गया था। वहीं हिंदी फिल्म की बात करे तो 2006 में वो आमिर खान की फिल्म रंग दे बसंती में दिखे थे। इस फिल्म में उन्होंने सपोर्टिंग रोल प्ले किया था। सिद्धार्थ ने धीरे-धीरे कड़ी मेहनत के साथ करियर में ऊंचाई पाई। आज वो करोड़ों के मालिक हैं।ऋट की रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धार्थ की नेटवर्थ 70 करोड़ के आसपास है। सिद्धार्थ फिल्म के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए भी कमाई करते हैं। सिद्धार्थ के पास तीन लग्जरी घर हैं। उनका एक घर हैदराबाद में, एक घर चेन्नई में और एक घर मुंबई में है। सिद्धार्थ की गाड़ियों की बात करें तो उनके पास रोल्स रॉयस, मर्सिडीज बेंज और ऑडी ए 4 हैं। पर्सनल लाइफ में सिद्धार्थ ने एक्ट्रेस अदिती राव हैदरी संग शादी की है। अदिती संग उनकी दूसरी शादी है। उनकी पहली शादी मेघना नारायण के साथ हुई थी। पहली शादी 2003 से 2007 तक चली थी। अब 2024 में उन्होंने अदिती संग शादी की। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। सिद्धार्थ को रंग दे बसंती के अलावा चश्मे बद्दूर, ब्लड ब्रदर्स, स्ट्राइकर्स जैसी फिल्मों में दिखे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है– इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है

आज का पंचांग

दिनांक : 18 अप्रैल 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 05:10 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा प्रातः 08:21 तक
योग : परिघ रात्रि 01:01 तक
करण : तैतिल सायं 05:10 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रातः 08:21 तक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , श्री मलूकदास जयंती , गुड फ्राइडे

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अमित शाह के नेतृत्व में शांति और विकास के पथ पर अग्रसर हिंसा के पर्याय रह चुके क्षेत्र : भजनलाल

सिरोही,17 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सशस्त्र बलों के सुरक्षा कर्मियों के त्याग–तप और बलिदान के कारण आज हम सुरक्षित हैं। माइनस 46 डिग्री टेंपरेचर से लेकर प्लस 46 डिग्री टेंपरेचर के अंदर हमारी सीमाओं की सुरक्षा वे अपने जीवन का स्वर्णकाल देकर करते हैं।

शाह गुरूवार को सिरोही के आबूरोड स्थित ब्रह्मकुमारीज हैडक्वार्टर शांतिवन में आयोजित सुरक्षा बल के कर्मियों के लिए आंतरिक जागृति के माध्यम से आत्म–सशक्तीकरण विषयक राष्ट्रीय संवाद के शुभारम्भ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के मन, आत्मा और शरीर को शांति का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में कार्य करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्था को साधुवाद दिया।

केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि योग और अध्यात्म से मन–बुद्धि, शरीर और आत्मा को एकरूप करके ज्ञान से प्रगति के रास्ते पर मानवता को आगे ले जाने की भारत की बहुत पुरानी परंपरा है। हम इस परंपरा को आज भी समग्र विश्व में पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। वसुधैव कुटुंबकम की भावना, विश्व को सबसे पहले भारत ने दी।

शाह ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में पांचवें नंबर का अर्थतंत्र बना है। कुछ ही सालों में देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जब आजादी का शताब्दी वर्ष मनाया जाएगा तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्व में हर क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य लेकर हम चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराओं में पूरे विश्व को विश्व बंधुत्व की भावना की ओर ले जाने की क्षमता है, हर मानव के अंदर मौजूद आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ने की शक्ति और हर जीवन को सद्वृत्ति की नई राह पर ले जाने की शक्ति है। इन परम्पराओं को इतनी ही तेजी के साथ आगे ले जाना यह भी हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज ने अपने त्याग, तपस्या और तेज से दुनिया भर में सादगी, संयम और सहयोग का एक अद्भुत वातावरण खड़ा करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था में मनुष्य के अंदर की सद्वृत्ति को जाग्रत करने का प्रयास अनेक वर्षों से किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप मन को अगाध शांति का अनुभव यहां आकर होता है और

मैंने आज स्वयं भी यह महसूस किया है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक पूज्य दादा लेखराज कृपलानी जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जीवन में जब गुरु मिल जाता है तो कई लोगों का जीवन सन्मार्ग पर प्रशस्त हो जाता है। लेखराज कृपलानी जी ने ब्रह्माकुमारी की स्थापना कर हर एक व्यक्ति की आत्मा को ही दीप बनाकर उसके प्रकाश में आगे बढ़ने का बहुत बड़ा आह्वान किया। उन्होंने राजयोगिनी दादी स्व. रतन मोहिनी जी को नमन करते हुए और राजयोगिनी मोहिनी दीदी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास प्रकट किया कि वे समाज को सद्वृत्ति की ओर ले जाने वाले इस आंदोलन को उतनी ही ऊर्जा और तत्परता के साथ आगे ले जाएंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यशस्वी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश की सुरक्षा और विकास के दर्शन के प्रमुख शिल्पी हैं। वे सशक्त भारत के निर्माण के लिए देश की सुरक्षा नीति के कुशल सारथी होने के साथ देश की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों के भी संवाहक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व देश की आंतरिक सुरक्षा, संवैधानिक सुधारों और राष्ट्रीय अखंडता को सशक्त करने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। अनुच्छेद–370 का स्थायी समाधान कश्मीर घाटी में शांति, नवाचार और प्रगति की नींव रखने वाला ऐतिहासिक कदम है, वहीं नक्सलवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति से भय और हिंसा के पर्याय रह चुके क्षेत्र अब शांति और विकास के पथ पर अग्रसर हैं। शर्मा ने कहा कि ब्रह्मकुमारीज संस्था ने राजयोग को सहजता के साथ जन–जन तक पहुंचाया है, जो तनावमुक्त जीवन, मानसिक स्वास्थ्य और आत्मबोध का माध्यम बन गया है। उन्होंने राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन त्याग, प्रेम, सेवा, सादगी और आध्यात्मिक अनुशासन की एक अनूठी मिसाल रहा तथा उनके विचार करोड़ों लोगों को प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान की राष्ट्रीय थीम वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जवानों को शारीरिक सामर्थ्य के साथ एक शांत और स्थिर चित्त की जरूरत होती है और यह शक्ति उन्हें ध्यान एवं योग से मिलती है। शांति और सद्भाव की यह तपोभूमि आंतरिक जागृति के माध्यम से हमारे बहादुर जवानों के आत्म–सशक्तीकरण से जुड़े राष्ट्रीय संवाद को और प्रभावी बनाएगी।

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से हमें मानसिक शांति प्राप्त होती है।

नेशनल हेराल्ड मामला

ब्लॉक कांग्रेस कमेटियां आज करेंगे ईडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

जयपुर,17 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के माध्यम से की जा रही कार्रवाई के विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आज राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर व्यापक विरोध प्रदर्शन आयोजित किए। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है। 18 अप्रैल 2025 को भी राज्य की सभी 400 ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा भी अपने–अपने क्षेत्रों में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार जयपुर समेत राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ईडी द्वारा नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को अटैच करने और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ चार्जशीट पेश करने की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे केंद्र सरकार की मनमानी और कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन यहीं नहीं रुकेगा। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार ईडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को डराने और चुप कराने के लिए कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए खतरा है और वे इसके खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है और कहा है कि वे किसी भी तरह की राजनीतिक बदले की कार्रवाई से डरने वाले नहीं हैं।

भजनलाल सरकार ने चार नए कानूनों को दी मंजूरी!

जयपुर,17 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने हाल ही में चार नए कानूनों का प्रारूप तैयार करके विधानसभा में संशोधित बिल पेश किए थे। इन विधेयकों को सदन में पारित किए जाने के बाद राज्यपाल को भेजे गए। राज्यपाल ने चारों विधेयकों को अपनी मंजूरी दे दी है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की मंजूरी मिलते ही संशोधित विधेयकों ने कानून का रूप ले लिया। इन चारों कानूनों को तुरंत प्रभाव से लागू भी कर दिया गया। यानी राजस्थान में भाजपा सरकार के बनाए गए नए कानून अस्तित्व में आ गए हैं।

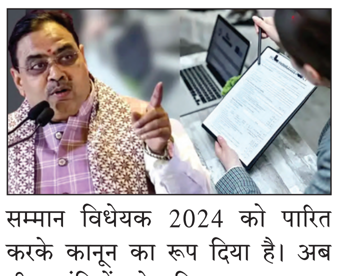

आपातकाल के समय जेल जाने वालों को सरकार ने लोकतंत्र का रक्षक माना है। जब जब भाजपा सत्ता में आती है तो मीसा बंदियों के लिए पेंशन चालू करती है लेकिन जब कांग्रेस सत्ता में आती है तो पेंशन बंद कर दी जाती है। अब भजनलाल सरकार ने मीसा बंदियों के लिए कानून बना दिया है। राजस्थान लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान विधेयक 2024 को पारित करके कानून का रूप दिया है। अब मीसा बंदियों को प्रति माह 20 हजार रुपए की पेंशन मिलेगी। साथ ही चार हजार रुपए का चिकित्सा भत्ता प्रतिमाह दिया जाएगा। रोडवेज की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा भी प्रदान की गई है। सेनानी की मृत्यु होने पर पत्नी या पति को जीवन पर्यंत ये सुविधाएं मिलती रहेंगी।विगत विधानसभा सत्र में भाजपा सरकार राजस्थान विधियां निरसन अधिनियम 2025 लेकर आई थी। इसके तहत अनुपयोगी कानूनों को खत्म करने का निर्णय लिया गया था। ये पुराने कानून पंचायती राज विभाग से जुड़े थे जिनका वर्तमान समय में कोई उपयोग नहीं रह गया था। विधानसभा में विधेयक पेश करके इन पुराने कानूनों को खत्म करने के लिए विधेयक पारित किया गया। राज्यपाल की मंजूरी के बाद 45 कानूनों को खत्म कर दिया गया।प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अब तक कुलपति होते थे जिनके पदनाम बदलने के लिए राज्य सरकार ने संशोधित विधेयक पेश किया था। राजस्थान के विश्वविद्यालयों की विधियां संशोधन विधेयक 2025 के तहत कुलपति को कुलगुरु नाम दिया गया। हालांकि अंग्रेजी में पदनाम वाइस चांसलर ही रखा गया है। इस विधेयक को मंजूरी मिलने के साथ ही अब कुलपतियों के पदनाम कुलगुरु हो गए हैं। यह पद विश्वविद्यालयों में मुख्य कार्यपालक और शैक्षणिक अधिकारी का होता है जो सबसे बड़ा है। राज्य सरकार ने राजस्थान विधियां संशोधन अधिनियम–2025 पारित करके प्रदेश के स्थानीय निकायों में न्यायाधीशों की नियुक्ति पर रोक लगाने का काम किया है। सरकार का मानना है कि स्थानीय निकायों में जजों की नियुक्ति की कोई आवश्यकता ही नहीं है।

नेशनल हेराल्ड मामले में हरियाणा कांग्रेस ने भरी हुंकार

चंडीगढ़,17 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के शीर्ष पदाधिकारियों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच के खिलाफ आज चंडीगढ़ में जोरदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा कांग्रेस ने जमकर प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता और शीर्ष पदाधिकारी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय से ईडी कार्यालय तक पैदल ही पहुंचे।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस विरोध मार्च का नेतृत्व किया। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, कई विधायक, पूर्व मंत्री और पार्टी के कई सदस्य उनके साथ शामिल हुए। चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर 9 स्थित ईडी कार्यालय की ओर जाने वाले लोगों को रोकने के लिए भारी अवरोधक लगा दिए।

कांग्रेस सदस्यों ने जैसे ही आगे बढ़ने की कोशिश की, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की झड़प भी हुई। इसके बाद पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और सांसद दीपेंद्र हुड्डा समेत कई आला अधिकारियों को गिरफ्तार कर सेक्टर–3 थाने ले गई। हालांकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण था और वे केवल लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे थे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को लोकतंत्र का गला घोंटना बताया। उदयभान ने कहा कि सांसदों को डराने की कोशिशें बेकार होंगी। प्रदर्शन से पहले चौधरी उदयभान ने प्रेस को बताया। भाजपा सरकार ईडी का दुरुपयोग कर हमारे राष्ट्रीय नेताओं की आवाज दबाना चाहती है, लेकिन हम डरेंगे नहीं। देश ने कांग्रेस की लड़ाई देखी है, हम हर मोर्चे पर लड़ते रहेंगे। साथ ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी खुलकर कहा कि भाजपा सरकार के पास विकास योजना या कोई जनहित पहल नहीं है। यही वजह है कि वह सरकारी विभागों को दूसरी पार्टी पर केंद्रित कर रही है।हरियाणा कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वे अपनी लड़ाई यहीं खत्म नहीं करेंगे।

अनिल विज का रॉबर्ट वाड्रा पर हमला, पश्चिम बंगाल हिंसा पर इंडी गठबंधन को घेरा

अंबाला,17 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने रॉबर्ट वाड्रा द्वारा ईडी पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहाकि वाड्रा जांच एजेंसियों पर दबाव बनाने के लिए बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने ईडी को एक निष्पक्ष संस्था बताया और कहा कि पूछताछ के लिए बुलाना किसी को तंग करना नहीं है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए विज ने कहाकि रॉबर्ट वाड्रा को अपनी राजशाही वाली सोच से बाहर निकलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस, सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां किसी को भी पूछताछ के लिए बुला सकती हैं और इसे तंग करना नहीं माना जा सकता।

पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बोलते हुए विज ने दिग्विजय सिंह के आरोपों को खारिज किया और इंडी गठबंधन पर हिंसा के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता पश्चिम बंगाल की घटनाओं पर चुप हैं, जिससे पता चलता है कि वे सब मिले हुए हैं। ममता बनर्जी के भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर दंगे कराने के आरोपों पर विज ने पलटवार करते हुए कहा कि ममता बनर्जी अपनी कमजोरियां छुपा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।ममता बनर्जी के योगी आदित्यनाथ पर दिए गए बयान पर विज ने कहा कि इस तरह के बयान देकर राजनीति को गंदा नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताओं को तथ्यों और सच्चाई पर बोलना चाहिए। गर्मियों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अधिकारियों की बैठक में हर सब–डिवीजन में ट्रांसफार्मर बैंक बनाने और गाड़ी रखने के निर्देश दिए, ताकि अधिक लोड बढ़ने पर ट्रांसफार्मर को शीघ्र बदला जा सके।

अब यूरोपियन और जर्मन हैंडबॉल लीग में खेल सकेंगे भारतीय खिलाड़ी : चौटाला

चंडीगढ़,17 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में जर्मनी के कोलोन शहर में हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया और एफएच इन स्पोर्ट्स के बीच पांच साल के लिए एमओयू साइन हुआ है जिससे भारतीय हैंडबॉल खिलाड़ियों को काफी फायदा होगा। भारतीय हैंडबॉल खिलाड़ी अब यूरोप और जर्मनी में होने वाली हैंडबॉल लीग में खेल सकेंगे और खुद को विश्व स्तरीय मुकाबलों के लिए तैयार कर पाएंगे जिससे भारतीय हैंडबॉल और ऊंचाइयों को छुएगा।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने एमओयू की जानकारी देते हुए बताया कि नए समझौते के तहत भारतीय खिलाड़ियों को जर्मनी की शीर्ष लीग में खेलने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन अनुभव और एक्सपोज़र प्राप्त होगा। यह एमओयू जर्मन हैंडबॉल टीमों के भारत आने और भारतीय टीमों के जर्मनी में मैत्रीपूर्ण मुकाबले खेलने का भी मार्ग प्रशस्त करेगा।

वक्फ कानून से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को कर रही बदनाम : उदयभान

चंडीगढ़,17 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष उदयभान ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वक्फ कानून से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को बदनाम कर रही है।

गुरुवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान हरियाणा कांग्रेस चीफ ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस को दबाना चाहती है। लेकिन, हम केंद्र सरकार से कहना चाहते हैं कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है। कांग्रेस नहीं झुकेगी। हरियाणा में गुरुवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा दायर चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नाम आने के बाद जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस द्वारा उन्हें हिरासत में लिया गया।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि यह लोग हमें हिरासत में ले सकते हैं। लेकिन, हमारा विरोध जारी रहेगा। हम केंद्र सरकार के जुल्मों के खिलाफ विरोध जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है, इसे लेकर पूरे देश में भारी रोष है। नेशनल हेराल्ड मामले में एक नए पैसे की भी मनी लॉन्ड्रिंग नहीं हुई। फिर भी झूठे केस दर्ज किए जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार से डरने वाली नहीं है। इस मामले पर हम सड़क से लेकर संसद तक लड़ाई लड़ेंगे। एक–एक मुद्दे पर हम इन लोगों को एक्सपोज करेंगे। उन्होंने दावा किया है कि देश में वक्फ कानून पास हुआ है। चारों तरफ इसके खिलाफ विरोध हो रहा है। इसीलिए, केंद्र सरकार वक्फ कानून से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस नेताओं को बदनाम कर रही है। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार लगातार विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है। सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के जरिए डराने और दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि ईडी ने अब तक 800 से अधिक मुकदमे दर्ज किए हैं, लेकिन इन मामलों में से एक भी नेता को दोषी नहीं पाया गया है।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने किया सरेंडर, छह दिन से तलाश रही थी पुलिस

पटना (एजेंसियां)। पिछले कई दिनों से फरार चले राष्ट्रीय जनता दल के विधायक और लालू प्रसाद के करीबी रीतलाल यादव ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने दानापुर व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम पांच प्रियंका कुमार के कोर्ट में चिक्कू यादव, पिक्कू यादव, श्रवण यादव व अन्य सहयोगियों के साथ सरेंडर किया है। इसके बाद रीतलाल यादव को बेऊर जेल भेज दिया गया। खास बात यह है कि आज ही पटना में महागठबंधन की बैठक है। पटना पुलिस पिछले पांच दिन से राजद विधायक रीतलाल यादव की तलाश में छापेमारी कर रही थी। इसको लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता लगातार महागठबंधन पर सवाल उठा रही थी।

इस मामले में पटना एसएसपी ने कहा कि अगर आगे साक्ष्य मिलेगा तब हमलोग विधायक और आत्मसमर्पण करने वाले लोगों को रिमांड पर लेंगे। बता दें कि 11 अप्रैल को बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स की अलग-अलग टीम ने 500 पुलिसकर्मियों के साथ राजद विधायक रीतलाल यादव के पटना के कोथवा स्थित आवास, कार्यालय, नौबतपुर, गोला रोड अभियंता नगर, बिहटा समेत 11 जगहों पर छापेमारी की थी। इसमें करीब 10.5 लाख नगद, 77 लाख का ब्लैंक चेक, छह संदिग्ध ब्लैंक चेक, जमीन के कागजात, पेन ड्राइव समेत कई सामान बरामद किए थे। रीतलाल यादव पर कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस मुख्यालय से एक प्रेस रिलीज जारी किया गया था। इसमें बताया गया कि कि एक बिल्डर के द्वारा खगौल थाना में एक लिखित आवेदन दिया गया है कि ग्राम कोथवा में उनके द्वारा अपार्टमेन्ट निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। इसको लेकर विधायक रीतलाल यादव तथा उनके सहयोगियों ने उनसे रंगदारी की मांग की है। आवेदन में यह भी लिखा है कि साथ में यह धमकी भी दी गई है, जिसके तहत यह कहा गया है कि रुपया नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है।

बताया जाता है कि रीतलाल यादव का नाम विवादों और आपराधिक मामलों से जुड़ा रहा है। वर्ष 2003 में भाजपा नेता सत्यनारायण सिन्हा की हत्या के मामले में भी उनका नाम चर्चा में आया था। बाद में सत्यनारायण सिन्हा की पत्नी आशा सिन्हा ने भाजपा से चुनाव लड़ा और विधायक बनीं। फिर 2016 में जेल में रहते हुए भी रीतलाल यादव भी एमएलसी का चुनाव लड़े थे, जिसमें उनकी जीत हुई थी। फिर 2020 में राजद ने उनको टिकट पर दानापुर से विधानसभा चुनाव लड़ाया जिसमें उन्होंने आशा सिन्हा को हराकर विधायक बने।

पांच दिन पहले ही राजद विधायक रीतलाल यादव की पत्नी रिंकू देवी ने पटना पुलिस और बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाये थे। उनका कहना है कि बिहार पुलिस मुझे फंसने की साजिश रची रही है। मेरे घर में एके-47 और एके-56 जैसे हथियार को रखकर मुझे फंसाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 6 महीने के प्रशासनिक कार्रवाई को देखते हुए मुझे यह भी आशंका है कि मेरे विरोधियो के द्वारा कूटनीति कर के मेरी हत्या भी साजिश की जा रही है।

रिंकू देवी ने कहा है कि पुलिस हमारे पति की हत्या करने की नीयत से आई थी। दानापुर के विधायक रीत लाल यादव की पत्नी रिंकी देवी ने कहा कि आतंकवादी या नक्सली के खिलाफ जैसे पुलिस कार्रवाई करती है, वैसे ही हमारे घर पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने घर का कोना-कोना खंगाला। लेकिन कोई अवैध सामान नहीं मिला है।

भूमिहीनों को जमीन खरीदने के लिए मिलेगा 1 लाख : मंत्री संजय सरावगी

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा, सभी रैयतों की जमीन उनके नाम पर हो जाए। इसके लिए जमीन सर्वे की प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च थी। बावजूद पोर्टल को खोल कर रखा गया है। अभी भी लोग उनके पास जमीन से जुड़े जो कागजात उपलब्ध हैं, उस पर अपना आवेदन करें। ऐसे ही लोगों को परेशानी हो रही है, जो आवेदन नहीं कर रहे हैं।

मंत्री संजय सरावगी ने कहा, आवेदन के लिए सभी कागजातों की कोई जरूरत नहीं है। वह समस्तीपुर परिषद में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसे पूर्व मंत्री वर्ष 2004 में दरभंगा स्टेशन पर रेल रोको अभियान के तहत रेल कोर्ट में चल रहे एक मामले में पेश होने के लिए पहुंचे थे। हाजिरी के बाद इस मामले में आगे की तिथि तय की गई है।

उन्होंने कहा कि रैयतों के पास जमीन से जुड़ा जो डॉक्यूमेंट है, इस आधार पर आवेदन करें स्वलिखित वंशावली दें। उन्होंने कहा कि जमीन का दाखिल खारिज करने के लिए अब कार्यालय जाने की बिलकुल जरूरत नहीं है, सभी सुविधाएं ऑनलाइन हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में जमीन विवाद बहुत अधिक है। विशेष भू-सर्वेक्षण होने पर विवाद में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि दाखिल खारिज के मामले में विभाग ने तय किया है कि 35 दिनों के अंदर भू स्वामी की जमीन का दाखिल खारिज हो जाएगा। अगर किसी मामले में विवाद है तो वैसे मामले में 75 दिनों के अंदर इसका निष्पादन कर दिया जाना है।

उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के दाखिल खारिज वाद को अगर कागज में कमी है तो सुनवाई के बाद भी उसे निरस्त करना है। अधिकारी को रैयतों को बुलाना है, अगर कागजात कम है तो उसे कागजात उपलब्ध कराना।

उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में अभियान बसेरा-2 चल रहा है। इसके तहत दलित महादलित पिछड़ा, अत्यंत पिछड़ा समाज के जो लोग हैं और उनके पास जमीन नहीं है तो उन्हें जमीन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक नया प्रावधान भी लाई है, जिन पंचायत में जमीन नहीं है, उन पंचायत के लोगों को जमीन खरीदने के लिए मुख्यमंत्री वास नीति योजना के तहत एक लाख रुपये चेक के माध्यम से दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन चल रहे कार्यों की मॉनीटरिंग भी की जाती है। बिहार में 10 ऐसे अंचल हैं, जहां सबसे ज्यादा दाखिल खारिज के मामले निरस्त किए गए हैं। वहां के अंचलाधिकारी से कारण परीक्षा किया गया है। कारण परीक्षा से संतुष्ट नहीं होने पर उन पर कार्रवाई भी की जाएगी।

पूर्णिया में आय से अधिक संपत्ति मामले में निगरानी टीम की छापेमारी

सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी से पूछताछ

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में आय से अधिक संपत्ति मामले में निगरानी की टीम सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी मुकुल कुमार झा के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। ये छापेमारी जिला बंदोबस्त पदाधिकारी मुकुल कुमार झा के भागलपुर, पूर्णिया और पटना आवास पर चल रही है।

निगरानी के पहुंचने के बाद से अधिकारियों में हड़कंप का माहौल है। सुबह करीब नौ बजे निगरानी की 10 सदस्यीय टीम सबसे पहले बंदोबस्त कार्यालय पहुंची। यहां निगरानी दो घंटे तक दफ्तर का एक-एक चीज खंगाल रही है। निगरानी विभाग के द्वारा लगातार ऑफिस में पूछताछ की जा रही है।

निगरानी के डीएसपी शशि शेखर ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश पर ये छापेमारी की जा रही है। सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी मुकुल कुमार झा पर आय से अधिक 56 लाख रुपये का मामला दर्ज है। ये मामला उस वक्त का है, जब मुकुल कुमार झा हाजीपुर में सीओ के पद पर पदस्थापित थे। निगरानी के अधिकारियों के मुताबिक, सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के ऊपर सर्च वारंट जारी था। इस केस का अनुसंधानकर्ता सत्येंद्र राम हैं। डीएसपी शशि शेखर के नेतृत्व वाली टीम गुरुवार को अचानक पूर्णिया पहुंचे। जहां मुकुल कुमार झा विकास भवन स्थित ऑफिस और निजी आवास पर छापेमारी करने पहुंचे। जहां सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी मुकुल कुमार झा से पूछताछ कर रही है। निगरानी के डीएसपी शशि शेखर ने बताया कि अभी फिलहाल सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी मुकुल कुमार झा से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद आगे जो भी मामला होगा बता दिया जाएगा।

उद्योगपति रामाश्रय सिंह हत्याकांड में पूर्व प्रमुख के भाई सहित चार को आजीवन कारावास

गोपालगंज (एजेंसियां)। दो पेट्रोल पंप, एक कोल्ड स्टोरेज और मैरिज हाल सहित एक बड़े कॉम्प्लेक्स के मालिक चर्चित उद्योगपति रामाश्रय सिंह हत्याकांड में पूर्व प्रमुख के भाई सहित चार दोषियों को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिन्हें सजा सुनाई गई है, उनमें भोरे गांव निवासी बृजकिशोर सिंह उर्फ बुची सिंह, विवेक सिंह, खजुराहा गांव निवासी पूर्व उप प्रमुख भोरे अरुण मिश्र उर्फ पप्पू मिश्रा एवं संजय मिश्र उर्फ बब्लू मिश्र शामिल हैं। यह सजा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह मल्होत्रा की कोर्ट ने सुनाई है। गत शुक्रवार को ही इस हत्याकांड मामले में चार आरोपितों को दोषी करार दिया गया था। जबकि सात आरोपितों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया था। दो अन्य आरोपितों के खिलाफ अभी सुनवाई जारी है।

कोर्ट ने अभियोजन पक्ष से लोक अभियोजक देववंश गिरि उर्फ भानू गिरी तथा बचाव पक्ष से अधिवक्ता अमरेंद्र शाही, परमेश पांडेय तथा मोहनीश कुमार शाही की दलीलों को सुनने के बाद पूर्व प्रमुख कलावती देवी के भाई ब्रजकिशोर सिंह उर्फ बुची सिंह, उनके भतीजे विवेक सिंह, पूर्व उप प्रमुख अरुण कुमार मिश्र उर्फ पप्पू मिश्र तथा उनके भतीजा संजय कुमार मिश्र को दोषी करार दिया था। जबकि बसदेवा गांव के अवधेश गोंड, भोरे के सेवानिवृत प्रधानाध्यापक प्रभुनाथ सिंह, बड़हरा के मनु सिंह तथा वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ टाइगर, मीरगंज थाने के बालाहाता गांव के शंभू सिंह तथा मटिहानी नैन गांव के विशाल सिंह और यूपी के खामपार थाने के प्रदीप यादव को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था। कांड के आरोपित विनय कुमार मिश्र तथा राजू सिंह के खिलाफ अलग से सुनवाई चल रही है।

13 जून 2019 को रामाश्रय सिंह की खजुरहा के उनके ही निर्माणाधीन पेट्रोल पंप पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले को लेकर रामाश्रय सिंह के बड़े भाई हरिनारायण सिंह ने पूर्व प्रमुख कलावती देवी के भाई ब्रजकिशोर सिंह उर्फ बुच्ची सिंह और दो भतीजों राजू सिंह और विवेक सिंह, पूर्व उप प्रमुख अरुण कुमार मिश्र उर्फ पप्पू मिश्र व उनके भतीजे संजय कुमार मिश्र उर्फ बब्लू मिश्र, अधिवक्ता राघवेन्द्र सिन्हा, सेवानिवृत्त शिक्षक प्रभुनाथ सिंह, पूर्व बीडीसी विनय कुमार मिश्र व बसदेवा गांव के अवधेश गोंड़ के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

कांड के अनुसंधान के दौरान गोपालगंज पुलिस और एसटीएफ की टीम ने कुख्यात विशाल सिंह, खामपार थाने के प्रदीप यादव, उचकागांव थाने के बालाहाता गांव के शम्भू सिंह व भोरे थाने के बड़हरा गांव के बिरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ टाइगर व मनू कुमार सिंह को गिरफ्तार कर आरोपित बनाया था। बाद में कांड के अनुसंधानक की तरफ से सभी पांच के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र भी समर्पित कर दिया गया था।

राजद कार्यालय में महागठबंधन की बैठक बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच बैठकों का दौर जारी है। गुरुवार को महागठबंधन के घटक दलों के बीच राष्ट्रीय जनता दल के कार्यालय में बैठक हुई । दोपहर दो से शुरू हुई इस बैठक में राजद, कांग्रेस, वामदल, विकास इंसान पार्टी के प्रमुख नेता पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार, भाकपा माले के सचिव कुणाल, वीआईपी से मुकेश सहनी समेत सभी घटक दलों के प्रमुख नेता पहुंचे हैं। बैठक में सीट बंटवारा, मुख्यमंत्री चेहरा समेत कई मुद्दों पर बातचीत हो रही है। पूर्व मंत्री आलोक मेहता ने कहा कि आज महागठबंधन के सभी घटक दलों के प्रमुख नेता पहुंचे हैं। यह एक रूटीन बैठक है। जो पहले होती रही है, यह उसकी ही श्रृंखला है। हमलोग एकजुट हैं। जनता के असली सरोकारों को केंद्र में रखकर बिहार में बदलाव सुनिश्चित किया जायेगा। अब सिर्फ व्यापक परिवर्तन की ही बात होगी।

वहीं 3 दिन पहले कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनाव महागठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगी। तेजस्वी ने दावा किया कि इस बार एनडीए की सरकार नहीं बनने जा रही है। वहीं महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा? इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कुछ नहीं कहा। तेजस्वी यादव ने कहा कि 17 अप्रैल को पटना में बैठक होगी। इसके बाद सारी बातें स्पष्ट हो जाएंगी। तेजस्वी यादव के साथ बैठक में राजद सांसद मनोज झा भी शामिल थे।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि राजद कार्यालय में महागठबंधन की बैठक से यह स्पष्ट है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ही इसका नेतृत्व करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री चेहरा पर ही तेजस्वी के नाम ही मुहर लगेगी। दो दिन पहले तेजस्वी यादव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी से मुलाकात कर चुके हैं। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद ही यह बैठक हो रही है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी स्पष्ट कह चुके हैं कि इस बार, बिहार में बदलाव निश्चित है। आने वाले चुनाव में बिहार की जनता को हम एक सशक्त, सकारात्मक, न्यायप्रिय व कल्याणकारी विकल्प देंगे। भाजपा और उसके अवसरवादी ठगबंधन से बिहार को मुक्ति मिलेगी। युवा, किसान-मज़दूर, महिलाएं, समाज के पिछड़े, अति पिछड़े व अन्य सभी वर्ग के लोग महागठबंधन की सरकार चाहते हैं।

महागठबंधन से पशुपति पारस को न्यौता क्यों नहीं?

बिहार की राजधानी पटना में महागठबंधन की बड़ी बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन समय आते-आते इसका आकार छोटा नजर आने लगा। दिल्ली में दो दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ राष्ट्रीय जनता दल की ओर से तेजस्वी यादव की बातचीत हुई। उस बैठक में वामपंथी दलों को नहीं बुलाया गया था। पटना में बैठक हुई तो वामपंथ के बड़े चेहरे गैरहाजिर थे। कांग्रेस से कोई बड़ा चेहरा नहीं आया। मतलब, प्रदेश स्तर के नेता ही आए। विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश सहनी आए, लेकिन राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के पशुपति कुमार पारस को बुलावा भी नहीं मिला। तो, सवाल उठता है कि माना क्या जाए? बात यही रह गई कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले यह महागठबंधन के आधार दलों की एक सामान्य बैठक भर है। ऐसी बैठक, जिसमें न तेजस्वी यादव के सीएम चेहरे पर मुहर लगेगी और न सीटों के बंटवारे का कोई खाका तय होगा।

बिहार में कानून का राज, पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करेगी : मंत्री प्रेम कुमार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। राजद विधायक रीतलाल यादव का पुराना रिकॉर्ड अपराध से रहा है और ये लोग अपने अपराध और गुंडों के बल पर अपराध करते हैं। पुलिस की कार्रवाई किए जाने पर पर्दा डालने का काम करते आते हैं। पुलिस जब कार्रवाई करती है तो वे लोग सरकार पुलिस के खिलाफ में प्रतिक्रिया करते हैं।मुजफ्फरपुर में पहुंचे राज्य सरकार के सहकारिता विभाग के मंत्री प्रेम कुमार ने यह बयान दिया है।

राज्य सरकार में सहकारिता विभाग के मंत्री प्रेम कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान में कहा, जो भी कानून को तोड़ेगा, वह निश्चित रूप में जेल में भेजा जाएगा। अपराध से जुड़े हुए जो भी राजद के लोगों पर पुलिस की कार्रवाई होती है तो ये लोग विरोध करने लगते हैं। इन लोगों को यह पता होना चाहिए कि बिहार में कानून का राज है और जो भी यहां कानून को तोड़ेगा और अपराध करेगा, उस पर हमारी पुलिस शख्त होकर कार्रवाई करेगी।

अपराध से जुड़े हुए राजद के लोग प्रतिक्रिया करते हैं कि उन्हें फंसाया जा रहा है। सभी लोग जानते हैं कि बिहार के दानापुर में राजद विधायक रीतलाल यादव पर रंगदारी मांगने और अन्य कई मामले पूर्व से दर्ज रहे हैं। बिहार के लोग जानते हैं कि राजद के लोग और विधायक और इनके राजद के लोग पर ही इतने मामले क्यों दर्ज रहे हैं। यह लोग अपराध में जुड़े हुए हैं और अपराध को बिहार में बढ़ाने का काम करते हैं।

दानापुर में आप सभी जाकर देख सकते हैं कि उनका रिकॉर्ड किस टाइप का है और कितने मामले दर्ज हैं, इनके ऊपर कई मामले दर्ज रहे हैं। हमारे बिहार में कानून का राज है और ऐसे लोगों की जगह सिर्फ जेल है। हमारी पुलिस और प्रशासन ऐसे लोगों के खिलाफ में कार्रवाई करेगी और उनको जेल भेजकर बिहार में शांति व्यवस्था को बनाए रखने का काम करेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com